THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

15 अगस्त के दिन राहुल को 5वीं पंक्ति में बिठाने पर भड़के शरद पवार

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के दिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी को आगे की सीट आवंटिन नहीं किए जाने पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। राकांपा-एसपी प्रमुख शरद पवार ने केंद्र को फटकार लगाई और लोकसभा में विपक्ष के नेता का सम्मान नहीं करने का आरोप भी लगाया। महाविकास अघाड़ी दल के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि संविधान पर खतरा अभी भी टला नहीं है। शरद पवार ने कहा, लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत नहीं मिला, लेकिन फिर भी संविधान पर खतरा अभी टला नहीं है।

वर्ष-29 अंक : 146 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.12/13 2081 शनिवार, 17 अगस्त-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

जम्मू-कश्मीर में तीन चरण में मतदान

जम्मू में 18 सितंबर से, हरियाणा में 1 अक्टूबर को वोटिंग-4 अक्टूबर को नतीजे

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग ने आज (शुक्रवार को) तीन बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान किया। बता दें कि चुनाव आयोग ने हाल ही में दोनों राज्यों का दौरा भी किया था। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होने वाला है। जहां जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में तो वहीं हरियाणा में एक चरण में मतदान होगा। दोनों राज्यों में नतीजे चार अक्टूबर को जारी होंगे।

हरियाणा में भी चुनाव तारीखों की घोषणा :

हरियाणा में मौजूदा सरकार का कार्यकाल नवंबर में खत्म हो रहा है। यहां आखिरी बार 2019 में चुनाव हुए थे। तब भाजपा-जजपा ने साथ आकर सरकार बनाई थी। हालांकि, इसी साल मार्च में दोनों पार्टियों का गठबंधन टूट गया था। दूसरी तरफ भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री नियुक्त किया था। हरियाण में 27 अगस्त को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित हो जाएगी। राज्य में एक चरण में एक अक्टूबर को मतदान होगा और चार अक्टूबर को नतीजे जारी होंगे।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव का हुआ एलान :

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में 2018 में सरकार भंग होने के बाद से ही चुनाव नहीं हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में आखिरी बार 2014 में चुनाव हुए थे। तब भाजपा-पीडीपी ने गठबंधन बनाया था। हालांकि, बाद में भाजपा ने इस गठबंधन से दूरी बना ली। 2018 में भाजपा और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की गठबंधन वाली सरकार गिर गई थी। जम्मू-कश्मीर में मतदाता सूची 20 अगस्त को जारी होगी। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों चुनाव होगा। 18 सितंबर को पहले चरण का मतदान, 25 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान और एक अक्टूबर को तीसरे चरण का मतदान होगा। नतीजे चार अक्टूबर को जारी होंगे।

महाराष्ट्र में चुनाव की तारीखों का एलान क्यों नहीं? सीईसी राजीव कुमार ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान हो चुका है। महाराष्ट्र में भी चुनाव कराए जाने का अनुमान था, हालांकि आयोग ने फिलहाल इस राज्य में विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा नहीं की है।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव कराने से जुड़े एक सवाल पर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, पिछली बार महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे। उस समय जम्मू-कश्मीर कोई फैक्टर नहीं था। हालांकि, इस साल 4 चुनाव हैं और इसके तुरंत बाद 5वां चुनाव भी कराया जाना है। जिन प्रदेशों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उसमें जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली शामिल हैं। चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने साफ किया कि सुरक्षा बलों की जरूरत के आधार पर निर्वाचन आयोग ने फिलहाल दो राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का फैसला किया है।

पड़ोसी देश तक पहुंचा मंकीपॉक्स, डब्ल्यूएचओ ने जारी की हेल्थ इमरजेंसी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया में मंकीपॉक्स के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए कई देशों में चिंताजनक स्थितियां बन रही हैं। इसको देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गंभीर चेतावनी जारी करते हुए अंतर्राष्ट्रीय चिंता और सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया। यह दूसरी बार है जब संक्रमण को लेकर यह चेतावनी जारी की गई है। इससे पहले जुलाई 2022 और मई 2023 के बीच प्रकोप को ऐसा घोषित किया गया था।

अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और पड़ोसी देशों से रिपोर्ट किए गए मामलों में तेजी के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी जारी करने का फैसला किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार 2022 से 116 देशों में मंकीपॉक्स के कारण कम से कम 99,176 मामले और 208 मौतें दर्ज की गई हैं। भारत में अभी इसके केस नहीं मिले हैं, लेकिन पड़ोसी देश पाकिस्तान में इसके तीन मामले सामने आए हैं।

इसरो की ईओएस-08 सैटेलाइट लॉन्चिंग सफल

> सबसे छोटे रॉकेट एसएसएलवी से भेजा गया

> एक साल का यह मिशन आपदा का अलर्ट देगा

चेन्नई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) ने देश के सबसे छोटे रॉकेट एसएसएलवी-डी3 से अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट-8 (ईओएस-08) को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया। इसरो चेयरमैन एस सोमनाथ ने बताया, लॉन्चिंग सफल रही। उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी।

यह सैटेलाइट पृथ्वी की कक्षा से बाहर करीब 475 किमी ऊपर स्थापित किया गया। यह एक साल तक काम करेगा। ईओएस-08 सैटेलाइट का मकसद पर्यावरण और आपदा को लेकर सटीक जानकारी देना है। इससे पहले इसरो ने 15 अगस्त को लॉन्चिंग की तारीख तय की थी। फिर इसे एक दिन बाद लॉन्च किया गया। अंतरिक्ष में भेजे गए ईओएस-08 सैटेलाइट में तीन पेलोड हैं। इसमें इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रारेड पेलोड (ईओआईआर), ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम-रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड (जीएनएसएस-आर) और एसआईसी-यूवी डोसीमीटर शामिल हैं। ईओआईआर पेलोड : आपदा निगरानी, पर्यावरण निगरानी जैसे काम के लिए तस्वीरें खींचने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पेलोड दिन और रात में भी तस्वीरें खींच सकता है।

जीएनएसएस-आर पेलोड : समुद्र की सतह पर हवा का विश्लेषण, मिट्टी की नमी का आकलन, बाढ़ का पता लगाने के लिए रिमोट सेंसिंग क्षमता के लिए किया जाएगा। डोसीमीटर गगनयान मिशन के लिए अल्ट्रावायलेट किरणों की निगरानी करेगा। इसरो के सबसे छोटे रॉकेट एसएसएलवी की यह तीसरी लॉन्चिंग है। इससे पहले दो प्रयास (2022 और 2023) हुए थे। जिसमें इसरो को 2023 में सफलता मिली थी, जबकि 2022 में पहली कोशिश नाकामयाब हो गई थी। पहली एसएसएलवी लॉन्चिंग फेल हो गई थी। रॉकेट की लॉन्चिंग तो ठीक हुई थी, लेकिन बाद में रफ्तार और फिर रॉकेट के सेपरेशन के दौरान दिक्कत आई। इसके चलते तब एसएसएलवी की लॉन्चिंग को रद्द कर दिया गया था।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव अटल में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने भी श्रद्धांजलि दी। अटल बिहारी वाजपेयी की दत्तक पुत्री नमिता कौल भट्टाचार्य भी सदैव अटल में पूर्व पीएम को पुष्पांजलि अर्पित की। एनडीए के अन्य नेताओं ने भी सदैव अटल में पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूर्व पीएम को याद किया।

2 छात्रों के झगड़े के बाद बवाल : कई जगह हिंसा, गाड़ियां जलाईं, धारा-163 लागू

उदयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में शुक्रवार (16 अगस्त) को सरकारी स्कूल के दो स्टूडेंट के झगड़े के कारण तनाव हो गया। लोगों ने शॉपिंग मॉल में तोड़फोड़ की और पथराव किया। एक गैरेज में खड़ी कारों को आग भी लगा दी। पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इसके बाद कलेक्टर ने शहर में धारा-163 लागू कर दी।

घटना सूरजपोल थाना क्षेत्र में सुबह 10:30 बजे हुई। यहां राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल भट्टियानी चौहट्टा में एक स्टूडेंट ने दूसरे छात्र को चाकू से हमला कर घायल कर दिया। इसके बाद नाबालिग आरोपी फरार हो गया। स्कूल के टीचर घायल स्टूडेंट को महाराणा भूपाल (एमबी) हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना में शामिल दोनों स्टूडेंट अलग-अलग धर्म के हैं। मामले का पता चलते ही हिंदू संगठनों ने शहर के चेतक सर्किल, हाथीपोल, अश्विनी बाजार, बापू बाजार और घंटाघर एरिया में दुकानें बंद करवा दीं। इसके बाद भीड़ हिंसक हो गई। कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने बताया, नाबालिग छात्र को हिरासत में लेकर उसके पिता को गिरफ्तार किया गया है। एहतियातन पुलिस तैनात है।

जिला शिक्षा अधिकारी लोकेश भारती ने बताया, दोनों नाबालिग की उम्र करीब 15 साल है। दोनों एक ही क्लास में पढ़ते हैं। दोनों के बीच पहले क्या विवाद हुआ, इसके बारे में जानकारी नहीं है। जब लंच हुआ तो दोनों के बीच स्कूल के बाहर झगड़ा हुआ। इस झगड़े में एक स्टूडेंट ने दूसरे की जांघ में चाकू से दो-तीन वार कर घायल कर दिया। घायल स्टूडेंट चिल्लाने लगा तो टीचर दौड़कर बाहर आए। बच्चे के परिजन को जब घटना की जानकारी मिली तो वे एमबी अस्पताल पहुंचे। यही नहीं, हिंदू संगठनों के लोगों ने हॉस्पिटल पहुंचकर नारेबाजी की और घटना को लेकर आक्रोश जताया। हॉस्पिटल में पुलिस का जाब्ता तैनात किया गया है। प्रिंसिपल ईशा धर्मावत ने बताया, लंच के करीब 5 से 7 मिनट बाद अचानक स्कूल के बाहर से कुछ छात्र चिल्लाते हुए दौड़कर अंदर आए। मैंने तुरंत बाहर जाकर देखा तो हैरान रह गई। स्टूडेंट घायल अवस्था में था। मेरी स्कूटी पर बैठाकर स्टाफ ने उसे तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया।

केंद्र का सरकारी अस्पतालों को निर्देश-हेल्थवर्कर्स पर हमला हो तो 6 घंटे में एफआईआर कराएं

कोलकाता रेप-मर्डर केस, पूर्व प्रिंसिपल सीबीआई हिरासत में

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले में सीबीआई ने शुक्रवार (16 अगस्त) को राधागोविंद कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को हिरासत में लिया। एजेंसी ने उन्हें समन भी जारी किया था।

वहीं, देशभर में चल रही डॉक्टरों की हड़ताल के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नया आदेश जारी किया। मंत्रालय ने कहा है कि मेडिकल संस्थानों को हेल्थकेयर वर्कर पर हमले के 6 घंटे के अंदर ही एफआईआर दर्ज करानी होगी। मंत्रालय ने ये फैसला मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर मामले और 14 अगस्त को इसी कॉलेज में हुई हिंसा को लेकर लिया।

आज ही सीबीआई टीम क्राइम सीन पर 3डी लेजर स्कैनर लेकर पहुंची। इससे डिजिटल ब्लू प्रिंट तैयार किया जाएगा, जिससे पता चल सकता है कि क्राइम सीन पर कितने लोग मौजूद थे। इधर, महिला हेल्थ वर्कर्स की सुरक्षा की मांग कर रहे देशभर के रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल का आज 7वां दिन है। दिल्ली एम्स और भोपाल एम्स सहित देश के कई अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं ठप हो गई हैं। पश्चिम बंगाल की भाजपा यूनिट भी बंगाल के हर जिले में आज विरोध-प्रदर्शन कर रही है। सीएम ममता बनर्जी भी दोषियों को फांसी देने की मांग को लेकर आज कोलकाता में रैली निकालेंगी।

भाजपा नेता बोलीं- ममता बंगाल के लोगों की आवाज दबा रहीं

ममता बनर्जी हमें चुप कराने की कोशिश कर रही हैं। वह कह रही हैं कि वह चाहती हैं कि दोषियों को फांसी दी जाए, लेकिन असलियत में वह ऐसा नहीं चाहतीं। पुलिस हमेशा हमें रोकने की कोशिश करती रही है। बंगाल के लोगों के लिए हम आवाज उठा रहे हैं, लेकिन ममता बनर्जी इस आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। हमारा विरोध जारी रहेगा।

पंश्चिम बंगाल कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि 14 अगस्त की रात को हिंसा करने वाले सभी लोगों को गिरफ्तार करना चाहिए। सबूत मिटाने के लिए तोड़फोड़ की गई। टीएमसी और भाजपा ने आपस में ये खेल खेला है। दोषियों को कड़ी सजा होनी चाहिए।

कोलकाता की घटना के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने 17 अगस्त से 24 घंटे के लिए देश में डॉक्टरों की हड़ताल का ऐलान किया है। आईएमए ने कहा, 17 अगस्त को सुबह 6 बजे से 18 अगस्त को सुबह 6 बजे तक 24 घंटे के लिए देशभर के डॉक्टर हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान इमरजेंसी के अलावा कोई दूसरी सर्जरी नहीं की जाएंगी।

'मुझे हमेशा उम्मीद थी कि चुनाव होगा, मैं भी लड़ूंगा'

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। चुनाव तीन चरणों में होंगे। पहले चरण की वोटिंग 18 सितंबर को होगी। दूसरे चरण की वोटिंग 25 सितंबर को होगी। तीसरे चरण की वोटिंग 1 अक्टूबर को होगी।

नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे। धारा 370 हटाए जाने के बाद पहली बार होने जा रहा है विधानसभा चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर की तमाम राजनीतिक पार्टियां इस चुनाव के लिए सक्रिय हो गई हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे हमेशा से उम्मीद थी कि चुनाव होंगे, राज्य में सरकार बने सालों हो गए हैं, लोगों के प्रतिनिधि होने चाहिए जो लोगों की समस्याओं का समाधान करें। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने भी इन्हें कहा था कि सितंबर के आखिर तक चुनाव करवाना ही होगा।

बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर ने पीएम मोदी को फोन किया

> हिंदुओं की सुरक्षा का भरोसा दिलाया > भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा-वीजा सख्ती लागू रहेगी

ढाका, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने पीएम नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की है। मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर पीएम मोदी को भरोसा दिलाया। बातचीत के दौरान मोदी ने कहा कि भारत बांग्लादेश में लोकतंत्र, स्थिरता और शांति की बहाली का समर्थन करता है। मोदी ने बातचीत को लेकर एक्स पर पोस्ट किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से दिए भाषण में बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की थी। बांग्लादेश में हुए हिंसक प्रदर्शनों में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले लगातार बढ़े हैं। अब तक हिंदुओं पर हमले के 205 से अधिक मामले सामने आए हैं।

विदेश मंत्रालय बोला- हिंदुओं की स्थिति को लेकर चिंतित :

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम स्थिति का लगातार जायजा ले रहे हैं। बांग्लादेश में भारत के हाईकमिश्नर ने बांग्लादेश के विदेश मामलों के एडवाइजर से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत हुई। बातचीत में हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर भी बातचीत हुई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बांग्लादेश में वीजा फैसिलिटी को पूरी तरह कानून व्यवस्था सामान्य होने के बाद शुरू किया जाएगा। फिलहाल बांग्लादेश में वीजा पर सख्ती लागू रहेगी। हालांकि, बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों को कॉन्सुलर सुविधाएं दी जा रही हैं।

काउंसलर और सचिव को भी वापस बुलाया :

अच्चायुक्त और राजदूतों के अलावा वाशिंगटन में सचिव वहीदुज्जमां नूर और काउंसलर आरिफा रहमान रूमा, कनाडा के ओटावा में काउंसलर अपर्णा रानी पाल और काउंसलर मोबशवीरा फरजाना और न्यूयॉर्क में सचिव असिब उद्दीन अहमद की संविदा नियुक्ति रद्द कर दी गई हैं। इन पांचों को 31 अगस्त से पहले तक देश बुलाया गया है। बांग्ला अखबार के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों की एक टीम अगले सप्ताह बांग्लादेश का दौरा करेगी।

टीम पीएम हसीना के इस्तीफे से पहले और बाद में हुई प्रदर्शनकारियों की हत्याओं की जांच करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि 1971 में बांग्लादेश की आजादी के बाद पहली बार होगा जब संयुक्त राष्ट्र की टीम मानवाधिकारों के हनन की जांच करने के लिए पहुंचेगी।

भारत ने एक साल पहले अमेरिका पर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर दबाव न डालने के लिए जोर डाला था। ये दावा वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में किया गया है। बांग्लादेश में 7 जनवरी को आम चुनाव हुए थे। इससे पहले हसीना ने अपने विरोधी नेताओं को जेल भेज दिया था। अमेरिका ने इसकी आलोचना की थी।

विधानसभा चुनाव को लेकर सेना की बड़ी तैयारी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। वहीं, जम्मू में बढ़ रहीं आतंकी वारदातों को देखते हुए सरकार अतिरिक्त तैयारियां भी कर रही है। सरकार ने जम्मू के आतंक प्रभावित क्षेत्रों में सेना की अतिरिक्त तैनाती करने का फैसला किया है। सैन्य सूत्रों ने बताया कि जम्मू सेक्टर में बढ़ते आतंकी हमलों के बाद, भारतीय सेना पीर पंजाल के दक्षिण में सैनिकों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव आखिरी बार दस साल पहले 2014 में हुए थे। इस चुनाव में किसी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका था। वहीं पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेश- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बदल दिया गया था। अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये जम्मू-कश्मीर के पहले विधानसभा चुनाव होंगे।

उपराष्ट्रपति ने राहुल पर साधा निशाना

> सुप्रीम कोर्ट से गलत विचारधारा को बढ़ाने की कर रहे मांग

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना हमला करते हुए, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चिंता व्यक्त की कि संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट से हमारी अर्थव्यवस्था को नष्ट करने के उद्देश्य से गलत विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए स्वतः संज्ञान लेने को कहा है। उपराष्ट्रपति की ये टिप्पणी कांग्रेस की तरफ से सेबी की चेयरपर्सन माधबी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर मोदी सरकार की आलोचना करने के बाद आई है, जिसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बाजार नियामक की ईमानदारी के साथ गंभीर समझौता किया गया है और उन्होंने मामले की जेपीसी जांच कराने की मांग की है।

बिना नाम लिए उपराष्ट्रपति ने साधा निशाना :

दिल्ली में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आईपी कानून एवं प्रबंधन में संयुक्त परास्नातक/एलएलएम डिग्री के प्रथम बैच को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने किसी का नाम लिए बिना कहा, पिछले सप्ताह मैं बहुत चिंतित हो गया था, जब संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति ने सर्वोच्च न्यायालय से हमारी अर्थव्यवस्था को नष्ट करने के उद्देश्य से एक विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए स्वतः संज्ञान लेते हुए अधिकार क्षेत्र का आह्वान करने का अनुरोध किया।

इस दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, हमारे युवाओं को समान रूप से उन ताकतों का प्रतिकार करना चाहिए और उन्हें बेअसर करना चाहिए जो हमारे राष्ट्र के हित से ऊपर पक्षपातपूर्ण या स्वार्थ को रखती हैं। हम इसकी अनुमति नहीं दे सकते। ऐसा होता है, यह हमारे उत्थान की कीमत पर होता है। आप कानून के छात्र हैं, मैं आपके साथ दो विचार छोड़ता हूं। एक, अपने दिमाग को खंगालें और पता लगाएं। संस्था का अधिकार क्षेत्र भारतीय संविधान द्वारा परिभाषित किया गया है, चाहे वह विधायिका हो, कार्यपालिका हो, न्यायपालिका हो। न्यायालयों का अधिकार क्षेत्र तय किया जाता है।उन्होंने कहा, दुनिया भर में देखिए, अमेरिका में सर्वोच्च न्यायालय, ब्रिटेन में सर्वोच्च न्यायालय या अन्य प्रारूपों को देखिए। क्या एक बार भी स्वतः संज्ञान लिया गया है?

भाजपा की विदाई पर जनता की मुहर : रणदीप सुरजेवाला

चंडीगढ़, 16 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में 1 अक्टूबर को सभी 90 विधानसभा सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। शुक्रवार को चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव की घोषणा की। आयोग के मुताबिक वोटों की गिनती 4 अक्टूबर को होगी। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही हरियाणा का इंतजार पूरा होने जा रहा है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि पहली अक्टूबर को, पहले पहर में ही भाजपा की विदाई पर जनता की मुहर लग जाएगी। 'अबकी बार हरियाणा में फिर से कांग्रेस की सरकार' आ रही है। जनता के जनमत से विश्वासघात करके बनी भाजपा सरकार ने चौसर की तरह फांस कर हरियाणा को चौतरफा चौपट करने का पाप किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के डबल इंजन ने एक तरफ हरियाणा के किसानों को अपने खेत-खलिहान छोड़कर बार-बार न्याय की गुहार लिए दिल्ली के दरवाजे पर दस्तक देने को मजबूर किया।

'रद्द होनी चाहिए राहुल गांधी की नागरिकता'

सुब्रह्मण्यन स्वामी ने हाईकोर्ट में दाखिल की याचिका

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यन स्वामी ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की नागरिकता के मामले में हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। उन्होंने अपनी याचिका में राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की है। सुब्रह्मण्यन स्वामी ने राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने के लिए गृह मंत्रालय को निर्देश दिए जाने की मांग की है। दिल्ली हाईकोर्ट इस मामले में अगले सप्ताह सुनवाई कर सकता है।

सुब्रमण्यन स्वामी ने क्या लगाया आरोप :

सुब्रमण्यन स्वामी ने राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर पिछले सप्ताह ही आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है। इस मामले को लेकर अगस्त 2019 में सुब्रमण्यन स्वामी ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। स्वामी ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9 का उद्धरण देते हुए कहा था कि वह किसी एक देश के ही नागरिक हो सकते हैं। बता दें कि राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर आरटीआई भी दाखिल की गई थी।

सुब्रमण्यन स्वामी ने अपनी याचिका में कहा कि ब्रिटेन में पंजीकृत कंपनी बैकलॉप्स लिमिटेड के राहुल गांधी निदेशकों में से एक हैं। उनका दावा था कि कंपनी ने सालाना रिटर्न 2005 और 2006 में फाइल किया था। उसके मुताबिक राहुल गांधी की जन्मतिथि 19 जून, 1970 है। इसके अलावा उन्हें ब्रिटेन का नागरिक बताया गया है। बता दें कि राहुल की नागरिकता पर सवाल उठाते हुए वर्षों पहले सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल की गई थी। तब तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अगुआई वाली पीठ ने याचिका खारिज कर दी थी।

'वक्फ बोर्ड की संपत्ति को किसी को छूने भी नहीं दूंगा'

> उद्धव ने सीएम पद को लेकर दिया बड़ा बयान

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि वह किसी को भी वक्फ बोर्ड और मंदिरों की संपत्तियों को हाथ नहीं लगाने देंगे। उद्धव ने सीएम पद को लेकर भी अहम बात कही और कहा कि वह महाविकास अघाड़ी गठबंधन में सीएम पद को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

'वक्फ संपत्ति को किसी को छूने नहीं दूंगा'

उद्धव ठाकरे ने कहा कि 'मैं ऐलान कर रहा हूं कि अगर वक्फ बोर्ड या किसी मंदिर और धार्मिक संपत्ति को किसी ने छूने की भी कोशिश की तो मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। यह मेरा वादा है। यह किसी बोर्ड का सवाल नहीं है बल्कि यह हमारे मंदिरों का मामला है। जैसा कि शंकराचार्य ने कहा है कि केदारनाथ मंदिर का 200 किलो सोना चोरी हुआ, तो इसकी जांच होनी चाहिए।' उद्धव ठाकरे ने कहा कि 'भाजपा के साथ गठबंधन के बाद मुझे एक चीज का अनुभव हो गया है कि हमें उस नीति पर नहीं चलना चाहिए कि गठबंधन में जिस पार्टी के सबसे ज्यादा विधायक होंगे, उसी पार्टी का सीएम होगा। हमने भाजपा के साथ गठबंधन में पिछले चुनावों में ऐसा महसूस किया है कि पार्टी अपने विधायकों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में जिताने के लिए गठबंधन की दूसरी पार्टी के उम्मीदवारों को कमजोर करने की कोशिश करती है। इसलिए हम ज्यादा विधायकों वाली पार्टी को ही सीएम पद देने के पक्ष में नहीं हैं।'

उद्धव ठाकरे ने कहा कि 'महाविकास अघाड़ी गठबंधन को मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर फैसला करने दीजिए। कांग्रेस और एनसीपी-एसपी को अपने-अपने सीएम उम्मीदवार का नाम सुझाने दीजिए। हम उसका समर्थन करेंगे। हमें महाराष्ट्र और देश की भलाई के लिए काम करना है और मैं 50 खोखा और गद्दारों को भी जवाब देना चाहता हूं। कि लोग हमें चाहते हैं ना कि उन्हें।' ठाकरे ने कहा कि 'मैं इस बात पर चर्चा के लिए तैयार हूं कि आपने (महायुति) ने और हमने (महाविकास अघाड़ी) इस देश और राज्य के लिए क्या किया। वे नगर निगम के चुनाव नहीं करा रहे हैं और न ही उन्होंने अभी तक चुनाव की तारीखों को लेकर कोई फैसला किया है।' गौरतलब है कि शुक्रवार शाम को चुनाव आयोग प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर सकता है।

चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर राजनीतिक बयानबाजी

झारखंड में भी इस साल के अंत तक चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि मुझे लगता है कि आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान नहीं किया जाएगा। झारखंड के चुनाव बाद में होंगे। वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि 'प्रधानमंत्री ने कल ही एक देश, एक चुनाव की बात की है। मुझे उम्मीद है कि चार राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान किया जाएगा।'

बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले

चुनाव के एलान से पहले 89 अफसर इधर से उधर

श्रीनगर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने चुनाव की तारीखों के एलान से पहले बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने डिप्टी कमिश्नरों समेत कई अधिकारियों का तबादला कर दिया है। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव वाले राज्यों को उनके गृह जिलों में तैनात अधिकारियों को स्थानांतरित करने के निर्देश पर यह फैसला लिया गया है।

प्रदेश के सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार देर रात 89 अफसरों के तबादलों और तैनाती के आदेश जारी कर दिए। जिन अफसरों के ट्रांसफर किए गए हैं उनमें पुंछ और बांदीपोरा जिलों के उपायुक्त, सचिव, आयुक्त, महानिदेशक, प्रबंध निदेशक और कई विभागों के निदेशक हैं। दरअसल, भारत के चुनाव आयोग ने 31 जुलाई को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से उनके गृह जिलों में तैनात अधिकारियों को स्थानांतरित करने को कहा था, यह चुनाव कराने से पहले की गई एक कवायद है। चुनाव वाले राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव के संचालन से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन स्थानों पर तैनात नहीं किया जाता है, जहां वे काफी लंबे समय से कार्यरत हैं।

चुनाव आयोग ने चुनाव वाले राज्यों महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के मुख्य सचिवों को भी इसी तरह के निर्देश जारी किए थे। हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड की विधानसभाओं का कार्यकाल क्रमशः 3 नवंबर, 26 नवंबर और 5 जनवरी को समाप्त हो रहा है।

'जिसने हमें छोड़ा, हम उन्हें हराएंगे'

> अजित के शरद पवार के पास लौटने की अटकलों पर बोले संजय राउत

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा अपनी पार्टी राकांपा को शरद पवार की राकांपा-एसपी के साथ फिर से जोड़ने की अटकलों पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया राकांपा-एसपी प्रमुख शरद पवार के बयान के बाद दी है। संजय राउत ने स्पष्ट शब्दों नें कहा कि पार्टी में वापस जाना यह राकांपा का अपना निर्णय है। हमारी पार्टी की बात करें तो जिन्होंने हमें छोड़ा, हम उन्हें हराएंगे।

संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी

पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा, वापस जाना नहीं जाना राकांपा का निर्णय है। अगर मैं अपनी पार्टी की बात करूं तो जिन्होंने हमें छोड़ दिया, हम उन्हें हराएंगे। मैंने शरद पवार से बात की और उनके बयान भी सुने हैं, जहां उन्होंने कहा कि वह अजित पवार को छोड़कर किसी को भी अपने साथ जोड़ सकते हैं। संजय राउत ने बताया कि महाविकास अघाड़ी (एमवीए) ने आज बहुत बड़ी रैली का आयोजन किया। एमवीए विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ना चाहती है। सीट बंटवारा, घोषणापत्र और अन्य कामकाज में तीनों पार्टियों शिवसेना(यूबीटी) राकांपा-एसपी और कांग्रेस के विचार में कोई मतभेद नहीं है। इस रैली को उद्धव ठाकरे, शरद पवार, नाना पटोले समेत कांग्रेस के अन्य नेता संबोधित करेंगे।

शरद पवार के साथ जुड़ने को लेकर क्या बोले अजित पवार

अजित पवार ने जन सम्मान यात्रा के दौरान बातचीत में बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी चल रही है और सत्ताधारी महायुति गठबंधन के सहयोगियों एनसीपी, शिवसेना और भाजपा के बीच सीट बंटवारे की बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। इस दौरान शरद पवार के साथ फिर से जुड़ने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं सिर्फ महाराष्ट्र के लिए अपने काम और विजन के बारे में बात करूंगा। हम लोगों से कहेंगे कि वे हमें फिर से मौका दें, ताकि हम राज्य के लिए और अधिक धन ला सकें। विपक्ष हमेशा नकारात्मक होता है।

'सरकारी मशीनरी की नाकामी'

> आरजी कर अस्पताल में तोड़फोड़ के मामले पर हाईकोर्ट की बंगाल सरकार को फटकार

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के परिसर में हुई तोड़फोड़ और डॉक्टरों से मारपीट के मुद्दे का शुक्रवार को संज्ञान लिया। कोर्ट ने इस मुद्दे पर बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए इसे सरकारी मशीनरी की नाकामी करार दे दिया। कलकत्ता हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस मामले को कोर्ट ने एक अस्पताल में तोड़फोड़ से जुड़ा एक ईमेल मिलने के बाद लिया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह पूरी तरह राज्य मशीनरी की नाकामी है। मौके पर पुलिस बल मौजूद था। इसके बावजूद वह अपने ही लोगों को नहीं बचा पाए। यह दुखद स्थिति है। आखिर कैसे ये डॉक्टर बिना डर के काम करेंगे। हाईकोर्ट ने आगे कहा, आप सीआरपीसी की धारा 144 कभी भी लगा देते हैं, लेकिन जब इतनी सारी चीजें अस्पताल के पास चल रही हैं तो कम से कम पूरे क्षेत्र की घेराबंदी करनी चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि किसी भी जगह पर 7000 लोग ऐसे ही तो चलकर नहीं आ सकते।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने नारायण राणे को जारी किया समन

> विनायक राउत ने की सांसदी रद्द करने की मांग

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बॉम्बे हाई कोर्ट ने शिवसेना (यूबीटी) के रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार विनायक राउत द्वारा दायर एक चुनाव याचिका पर भाजपा सांसद नारायण राणे को समन जारी किया है। अपनी याचिका में विनायक ने नारायण राणे के सांसदी को रद्द करने की मांग की। बता दें कि लोकसभा चुनाव में राणे ने दो बार के सांसद रह चुके राउत को 47,858 वोटों के अंतर से हराया था। राणे ने 4,48,514 वोट, जबकि राउत ने 4,00,656 वोट हासिल की।

पिछले महीने हाईकोर्ट में दायर की याचिका

विनायक राउत ने पिछले महीने याचिका दायर की थी। उन्होंने दावा किया था कि राणे ने धोखाधड़ी से चुनाव जीता था। उन्होंने राणे की सांसदी को खत्म करने की भी मांग की। राउत ने कहा कि राणे पर पांच साल के लिए चुनाव लड़ने और मतदान करने पर भी प्रतिबंध लगाया जाए। जस्टिस एसवी कोटवाल की एकल पीठ ने राणे को समन जारी किया और उनसे याचिका पर प्रतिक्रिया मांगी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 12 सितंबर को तय की है।

रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र दोबारा चुनाव कराने की मांग

राउत ने अपनी याचिका में रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र में नये सिरे से या दोबारा चुनाव कराने के लिए भारत के चुनाव आयोग को निर्देश देने की भी मांग की। शिवसेना नेता ने आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें राणे के समर्थक मतदाताओं को पैसे बांटते हुए उन्हें भाजपा नेता के पक्ष में वोट डालने की अपील करते हुए दिखे।

राउत ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार, मतदान से 48 घंटे पहले प्रचार गतिविधियों को रोक दिया जाना चाहिए। हालांकि, राणे और उनके समर्थकों की यह गतिविधियां ''वैधानिक प्रावधान का स्पष्ट उल्लंघन'' है। उन्होंने अदालत से इस वीडियो की जांच के लिए स्वतंत्र समिति गठित करने का निर्देश देने की भी मांग की। बता दें कि राउत ने इस साल मई में महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष याचिका दायर की थी, लेकिन जब उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई, तब उन्होंने हाई कोर्ट का रुख किया।

सिसोदिया ने सीएम केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई दी

कहा-वे तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ रहे;

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने सीएम अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्हें देशभक्त और क्रांतिकारी नेता कहा है।

एक्स पर एक पोस्ट में सिसोदिया ने लिखा- देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ने वाले मेरे प्रिय मित्र और राजनीतिक गुरु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

सिसोदिया ने खुद को केजरीवाल का सिपाही बताया और कहा- उन्होंने तानाशाह के सामने घुटने टेकने के बजाय जेल जाना चुना। आज देश का लोकतंत्र अरविंद केजरीवाल के रूप में कैद है। इधर, सिसोदिया दिल्ली की जनता से मिलने के लिए आज से पैदल मार्च शुरू करेंगे। वे सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगें। पार्टी का कहना है कि वह जनता को भाजपा का प्रोपेगैंडा बताएगी।

पवन खेड़ा ने कहा, कांग्रेस विधानसभा चुनाव के लिए तैयार

राहुल के विदेश दौरे से जुड़े सवाल को टाला

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा है कि इंडिया ब्लॉक जम्मू-कश्मीर समेत आगामी चार राज्यों में विधानसभा चुनाव में जीत के लिए आश्वस्त है। बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर उन्होंने कहा कि जो लोग हिंदुओं के ठेकेदार बनते हैं, उन्होंने क्या कदम उठाए हैं ? कोलकाता और रुद्रपुर रेप और हत्या मामले पर उन्होंने कहा कि डॉक्टर और नर्स की सुरक्षा के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से 'वन नेशन वन इलेक्शन' का नारा बुलंद किया। पिछले 10 सालों से वो ऐसा करते आ रहे हैं। चुनाव आयोग आज चुनाव की घोषणा कर सकता है, हम और हमारा गठबंधन पूरी तरह से तैयार है। जिस राज्य में गठबंधन के साथ चुनाव लड़ना है, हम उसके लिए भी तैयार हैं। हम जम्मू कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के आगामी विधानसभा चुनाव में जीत के लिए पूरी तरह से आश्वस्त हैं।

कांग्रेस नेता ने बांग्लादेश में हिंदुओं की वर्तमान स्थिति पर भी एनडीए की केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर अभी तक क्या कदम उठाए हैं ? ये भारत सरकार से पूछना चाहिए। वो हिंदुओं के ठेकेदार बनते हैं। क्या उनको इंटेलिजेंस एजेंसी ने खबर नहीं दी थी कि बांग्लादेश में तख्तापलट होने वाला है?

पवन खेड़ा ने आगे कहा कि वो किस तरह की सरकार चला रहे हैं ? चलिए जो होना था वो हो गया, लेकिन इसके बाद आपने कदम क्या उठाए ? उन्होंने पिछले पांच साल से देश को आंदोलित रखा कि हम सीएए लाएंगे तो फिर अब क्या हुआ ?

महिला डॉक्टर हत्याकांड पर चिकित्सकों के संगठन कर रहे प्रदर्शन, शहरों तक फैला आंदोलन

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या का मामला शांत नहीं हो रहा है। अब घटना के विरोध में देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं और विभिन्न शहरों में मेडिकल कॉलेज के छात्र और डॉक्टर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) ने कोलकाता की घटना के विरोध में 17 अगस्त को चिकित्सा सेवाएं बंद रखने का एलान किया है। साथ ही रेजीडेंट डॉक्टर्स के संगठन फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोरडा) ने भी कोलकाता की घटना के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों को अपना समर्थन दिया है। आईएमए और फोरडा ने कोलकाता की घटना को विरोध में जारी धरने प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया है। फोरडा और आईएमए के साथ ही फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन और दिल्ली स्थिति एम्स (एआईआईएमएस) समेत इंदिरा गांधी अस्पताल के डॉक्टर्स ने भी विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। प्रदर्शकारियों की मांग है कि डॉक्टरों की सुरक्षा के कानून को जल्द से जल्द लागू किया जाए। साथ ही आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को बर्खास्त करने की भी मांग कर रहे हैं। फिलहाल सरकार ने प्रिंसिपल का ट्रांसफर किया है।

विभिन्न शहरों में विरोध प्रदर्शन जारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना के विरोध में धरना प्रदर्शन अब देश के कई शहरों में फैल गया है। कोलकाता के साथ ही नई दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ, प्रयागराज, पटना, गोवा समेत कई शहरों के डॉक्टर और मेडिकल छात्र कोलकाता में डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब के अमृतसर स्थित गुरु नानक देव अस्पताल के जूनियर डॉक्टर्स और मेडिकल छात्र और भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर और मेडिकल छात्र भी आज धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा का वार : महिला डॉक्टर से दुष्कर्म को छिपाने की कोशिश का लगाया आरोप

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की हत्या के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान ने एक नया बवाल खड़ा कर दिया। दरअसल, आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में प्रदर्शन के बीच ही कुछ अज्ञात प्रदर्शनकारियों ने इमरजेंसी वॉर्ड में घुसकर तोड़फोड़ किया। इस तोड़फोड़ में तृणमूल कांग्रेस के गुंडों का हाथ बताया जा रहा है। इस बीच सीएम ममता बनर्जी ने इस तोड़फोड़ के लिए वाम दल औक राम (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि वाम दल पश्चिम बंगाल में अशांति फैलाने के लिए राम (भाजपा) का साथ दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या और दुष्कर्म को छिपाने के लिए सीएम ऐसे बयान दे रही हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने ममता बनर्जी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी बिलकुल गलत हैं। यह सब टीएमसी का षड़यंत्र है। वह इस जघन्य अपराध को छिपाने के लिए ऐसे बयान दे रही हैं। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, उनका (सीएम ममता बनर्जी) बयान उनकी वोट बैंक की राजनीति को दर्शाता है।

2021 के विधानसभा चुनाव में उनके राजनीतिक राजनीतिकार ने कहा था कि उनकी गिनती 30 फीसदी आबादी में होती है।

खबरें जरा हटके

बस 15 बार प्रेग्नेंट हुई महिला पैदा कर दिए 44 बच्चे

5 बार हुए 4-4 बच्चे, वजह जानकर उड़ जाएंगे होश!

किसी भी शादीशुदा महिला के लिए मां बनना उसके जीवन का सबसे सुखद अहसास होता है. बेतहाशा दर्द सहकर वो अपने बच्चे को जन्म देती है. लेकिन जब आप युगांडा की रहने वाली एक महिला के बारे में जानेंगे, तो निश्चित रुप से कहेंगे कि बच्चों को जन्म देना सभी के लिए वाकई में सुखद अहसास नहीं होता होगा. ऐसा इसलिए क्योंकि इस महिला ने एक-दो नहीं, बल्कि 44 बच्चे पैदा किए, लेकिन प्रेग्नेंट सिर्फ 15 बार ही हुई. इतना ही नहीं, इस महिला को उसका पति भी छोड़कर जा चुका है. अब 43 साल की ये महिला अकेली रहती है और अपने बच्चों को पाल पोस रही है. हालांकि, 44 में से 6 बच्चों की मौत हो गई है. अफ्रीकन देश युगांडा की रहने वाली इस महिला का नाम मरियम नाबांतांजी है, जिसे मम्मा युगांडा के नाम से भी जाना जाता है।

मरियम का जन्म 25 दिसम्बर 1980 को हुआ था. बताया जाता है कि जन्म देने के 3 दिन बाद ही उसकी मां उसे और उसके 5 भाइयों को छोड़कर चली गई. ऐसे में मरियम के पिता ने दूसरी शादी कर ली. सौतेली मां ने खाने में शीशा मिलाकर उसके भाइयों को खिला दिया, जिससे पांचों की मौत हो गई. चूकि मरियम उस दौरान रिश्तेदार के घर गई थी, तो वह बच गई. लेकिन मरियम की किस्मत इतनी भी अच्छी नहीं थी. जब वो 12 साल की हुई, तो उसके परिवार वालों ने शादी के नाम पर उसे बेच दिया. इस तरह 13 की उम्र में मरियम ने पहली बार बच्चे को जन्म दिया. इसके बाद मरियम ने 36 साल की उम्र तक कुल 44 बच्चों को जन्म दिया. लेकिन उसमें 6 बच्चों की मौत हो गई. इस तरह मरियम के कुल 38 बच्चे जिंदा बचे हैं, जिसमें 20 लड़के और 18 लड़कियां हैं।

10 साल की उम्र में करोड़पति बनी, आज है फेमस मॉडल

अमीर होकर भी जिंदगी से खुश नहीं ये लड़की, बताई वजह

हर आदमी चाहता है कि वो अमीर बने, इतना अमीर कि पैसे खर्च करते वक्त उसे एक बार भी न सोचना पड़े. लोग जीवनभर कड़ी मेहनत करते हैं, तब जाकर करोड़ों की संपत्ति अर्जित कर पाते हैं मगर अमेरिका की एक बच्ची सिर्फ 10 साल की उम्र में करोड़पति बन गई थी. आज वो एक सफल मॉडल है. उसके पास इतना पैसा है कि वो कभी भी, कहीं भी घूमने जा सकती है. पर उसके बावजूद भी वो अपनी जिंदगी से खुश नहीं है. इसके लिए उसने जो कारण बताया, वो भी काफी हैरान करने वाला है।

द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार इसाबेल बैरेट करीब 18 साल की हैं और वो एक फेमस मॉडल हैं. जब वो 5 साल की थीं, तब वो टीएलसी के शो टोडलर्स एंड टिआराज़ का हिस्सा थीं, जिसके बाद उन्हें काफी फेम मिला. उतनी कम उम्र में वो बड़े-बड़े खिलौने के ब्रांड्स और बच्चों के कपड़े बनाने वाली कंपनियों के लिए मॉडलिंग करने लगीं. जब वो 9 साल की हुईं तब उन्होंने अपना जेव्लरी ब्रांड, ग्लिट्ज़ी गर्ल शुरू किया।

10 साल में ही बनी करोड़पति

उसके बाद वो अमेरिका की सबसे कम उम्र की करोड़पति बन गई थीं. अब वो जल्द ही 18 साल की होने वाली हैं और सफल मॉडलिंग करियर के साथ उन्होंने अपना क्लोदिंग ब्रांड भी लॉन्च कर दिया है. हाल ही में उन्होंने लैंबोर्गिनी कार भी खरीदी है. पर ट्रूली को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़ी हैरान करने वाली बात बताई. उन्होंने कहा कि करोड़पति होना का सबसे बड़ा फायदा उन्हें ये लगता है कि वो कभी भी, कहीं भी जा सकती हैं, घूम सकती हैं, उन्हें रुपयों का मुंह नहीं ताकना पड़ता. हालांकि, वो अपनी जिंदगी से बहुत खुश नहीं हैं।

सीट के नीचे नहीं रखा अपना लाखों का बैग, तो महिला को प्लेन से नीचे उतारा

1 घंटे लेट हो गई फ्लाइट!

फ्लाइट देर से उड़ने के पीछे कई कारण होते हैं. बहुत बार मौसम साथ नहीं देता तो कई बार यात्री वक्त पर नहीं आते. पर क्या आपने कभी सुना है कि कोई फ्लाइट सिर्फ इस वजह से डीले हो गई क्योंकि किसी यात्री ने अपना बैग सीट के नीचे रखने से मना कर दिया? हाल ही में ऐसा चीन में हुआ जहां एक महिला को प्लेन से उतार दिया गया, क्योंकि उसने फ्लाइट अटेंडेंट की बात नहीं मानी. इस उथल-पुथल की वजह से प्लेन भी 1 घंटे लेट हो गया, जिससे अन्य यात्रियों में काफी गुस्सा देखने को मिला।

न्यूज वेबसाइट साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डोयिन पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें एक महिला यात्री की वजह से प्लेन में काफी उथल-पुथल और हलचल देखने को मिल रही है. दरअसल, ये मामला 10 अगस्त का है. दक्षिण-पश्चिमी चीन के शॉन्गकींग प्रांत में एक एयरपोर्ट से विमान उड़ने को तैयार था. पर कुछ देर बाद प्लेन को दोबारा बोर्डिंग गेट के पास लाया गया. हुआ यूं कि एक महिला यात्री अपने साथ लुई वुइटन का हैंड बैग लेकर यात्रा कर रही थी. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक चीन में लुई वुइटन का वो हैंड बैग करीब 3 हजार डॉलर (2.5 लाख रुपये) का मिलता है. जबकि शॉन्गकींग से हेबी प्रांत की चाइना एक्सप्रेस एयरलाइन की फ्लाइट का टिकट 110 डॉलर (9 हजार रुपये) का है. इस लिहाज से वो महिला फ्लाइट के टिकट से भी महंगा बैग साथ लेकर यात्रा कर रही थी.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 17 अगस्त, 2024

सुविचार

ज़्यादातर लोग बाहर की दुनिया में इतने लीन हैं कि वे अपने अंदर की दुनिया से बेख़बर रहते हैं।

4.3 करोड़ से अधिक की हेरोइन के साथ ड्रग तस्कर गिरफ्तार

3 तस्कर, 5 उपभोक्ता अरेस्ट

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर विशेष अभियान दल ने रायदुर्गम पुलिस के साथ मिलकर गुरुवार को दूरसंचार नगर में तीन मादक पदार्थ तस्करों और पांच उपभोक्ताओं को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने 4.34 करोड़ रुपये मूल्य की 620 ग्राम हेरोइन, दो कारें, 8 मोबाइल फोन, कुल मिलाकर 4.65 करोड़ रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की। गिरफ्तार किए गए लोगों में राजस्थान के पाली के तीन ड्रग सप्लायर एम. चौधरी, दिनेश चौधरी और गणेश चौधरी शामिल हैं। मुख्य ड्रग सप्लायर सावर जाट भी राजस्थान का ही है, जो फरार है। उपभोक्ताओं की पहचान गच्चीबावली के नितिन गुर्जर, सैदाबाद के प्रकाश चौधरी, अमीनपुर के जेवी देवासी, सैनिकपुरी कॉलोनी के प्रकाश चौधरी और भोंनगीर के बानाराम चौधरी के रूप में हुई है। सभी राजस्थान और मध्य प्रदेश के मूल निवासी हैं।

डीसीपी माधापुर जी. विनीत ने बताया कि दिनेश चौधरी, गणेश चौधरी और मंगलराम ने ड्रग तस्करी से आसानी से पैसे कमाने की योजना बनाई थी। उन्होंने अपने परिचित ड्रग सप्लायर सावर जाट से 48,000 रुपये एडवांस देकर हेरोइन का पेस्ट मंगवाया। 7 अगस्त को सावर जाट एक कार में हैदराबाद आया और तीनों को 620 ग्राम हेरोइन का पेस्ट सौंप दिया। उन्होंने उपभोक्ताओं को दवा बेचने के लिए एक टीम बनाने का फैसला किया। इस सिलसिले में, उन्होंने अपने परिचितों रमेश, चंदू और सुरेश को राजस्थान से यह काम करने के लिए बुलाया। उन्होंने उन्हें काम पूरा करने के लिए 7,000 रुपये दिए।

वे हैदराबाद आए और ईसीआईएल में राधिका एक्स रोड के पास एक होटल में रुके। इसके बाद तीनों ने शहर के एक होटल में रमेश चंद और सुरेश से मुलाकात की और उपभोक्ताओं को ड्रग्स बेचने की योजना पर चर्चा की। बाद में दिनेश, गणेश, प्रकाश और मंगलराम एक कार में सवार होकर गाचीबोवली में प्रकाश चौधरी की एक दुकान पर गए और उसमें दवा छिपा दी। सूचना के आधार पर एसओटी और रायदुर्गम पुलिस अधिकारियों ने संदिग्धों को पकड़ा और ड्रग्स जब्त कर ली। बाद में, उनके कबूलनामे पर उपभोक्ताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया। फरार संदिग्धों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। रायदुर्गम पुलिस जांच कर रही है।

डीजीपी जितेंद्र ने राज्य के सूचना, नागरिक संबंध और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात की।

हैदराबाद में हरीश राव के खिलाफ फ्लेक्सी बैनर

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव की आलोचना करते हुए फ्लेक्सी बैनर दिखाई दिए, जिन्होंने राज्य सरकार को चुनौती दी कि अगर 15 अगस्त तक कृषि ऋण माफ कर दिए गए तो वह अपने विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे। बैनर प्रतिद्वंद्वी राजनेता और कांग्रेस नेता म्यानमपल्ली के प्रशंसकों द्वारा लगाए गए थे। अगर आपमें हिम्मत है, तो विधायक पद से इस्तीफा दें। कृषि ऋण माफी पूरी हो गई है, लेकिन आपका इस्तीफा कहां है। अग्गी पेट्टा हरीश राव, बैनर में कहा गया है। फ्लेक्सी बैनर जुड़वां शहरों में सिकंदराबाद, पटनी, पैराडाइज, रसूलपुरा, बेगमपेट और पंजागुट्टा सहित कई क्षेत्रों में लगाए गए थे। इस बीच, बीआरएस विधायक हरीश राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के इस्तीफे के बारे में पहले ही जवाब दे दिया है और कहा है कि सरकार द्वारा घोषित कृषि ऋण माफी पूरी तरह से फर्जी है और मुख्यमंत्री ने भगवान से झूठे वादे करके किसानों को धोखा दिया है।

महिलाओं से माफी प्रायश्चित नहीं : कोंडा सुरेखा

मंत्री ने केटीआर की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोंडा सुरेखा ने केटीआर की इस टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि महिलाएं बीआरएस पार्टी मीटिंग में ब्रेक डांस और रिकॉर्डिंग डांस कर सकती हैं। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि तेलंगाना महिला समुदाय उन टिप्पणियों को तब तक नहीं भूलेगा जब तक वे ट्वीट करते हैं और तेलंगाना महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के लिए खेद व्यक्त करते हैं। मंत्री कोंडा सुरेखा ने आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना के संदर्भ में कल पार्टी की बैठक में तेलंगाना की महिलाओं को ब्रेक डांस और रिकॉर्डिंग डांस करने के लिए कहने वाली बीआरएस नेता केटीआर की टिप्पणियों पर गहरा गुस्सा व्यक्त किया, जिसे कांग्रेस सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी रूप से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे तेलंगाना में महिलाएं केटीआर की टिप्पणियों का विरोध कर रही हैं। मंत्री सुरेखा ने मांग की कि पार्टी नेताओं के सामने की गई टिप्पणियों के लिए जनता मीडिया से माफी मांगे। बीआरएस की निरंकुश नीतियों से तंग आ चुके लोगों ने कहा कि सत्ता हटाने वाले बीआरएस नेताओं का घमंड कम नहीं हुआ।

मंत्री सुरेखा ने दुख जताया कि महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर लाई गई मुफ्त यात्रा योजना को बीआरएस नेता हेय दृष्टि से देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं चिकित्सा सुविधाओं और अन्य जरूरतों के लिए इस योजना का भरपूर उपयोग कर रही हैं। मंत्री सुरेखा ने चेतावनी दी कि आपका क्लबों और पबों में ब्रेक डांस करने का इतिहास हो सकता है, लेकिन अगर आप महिला समुदाय के खिलाफ बोलेंगे तो

आपको गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। मंत्री सुरेखा ने आलोचना की कि बीआरएस किसानों पर जो प्यार बरसा रहा है वह वेदों के राक्षसों जैसा है।

मंत्री ने कहा कि आपने दस साल के शासनकाल में किसानों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी ने कर्जमाफी और फसल नुकसान मुआवजे की घोर उपेक्षा कर किसानों को धोखा दिया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी को दिये गये वचन को निभाकर कर्जमाफी लागू करके दिखायी गयी है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि बीआरएस की साजिश कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में महिलाओं का अपमान किया, गलत है।

उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी ने कड़ी मेहनत की है, बीआरएस की साजिशों को नाकाम किया है और एक कार्यकर्ता से मुख्यमंत्री बने हैं। मंत्री सुरेखा ने साफ किया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में पूरा प्रदेश कांग्रेस पार्टी में लौट आया है और अकेले दम पर कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाया है। मंत्री सुरेखा ने निष्कर्ष निकाला कि बीआरएस पार्टी को रेवंत रेड्डी की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

रेवंत ने जल्द ही बीआरएस का भाजपा में विलय की भविष्यवाणी की

नई दिल्ली, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भविष्यवाणी की है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय जल्द ही होने वाला है। शुक्रवार को नई दिल्ली में मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि भले ही बीआरएस नेताओं ने उनकी टिप्पणियों की निंदा की हो, लेकिन भविष्य में बीआरएस पार्टी का भाजपा में विलय होगा और इस संबंध में कोई दूसरा विचार नहीं किया जाएगा। भाजपा में विलय के तुरंत बाद, बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव को राज्यपाल का पद मिलेगा और उनके बेटे केटी रामा राव को केंद्रीय मंत्री का पद मिलेगा। इसी तरह हरीश राव तेलंगाना में विपक्ष के नेता बनेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली शराब नीति मामले में तिहाड़ जेल में बंद एमएलसी कविता को जमानत दिलाने के लिए बीआरएस के राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने खुलासा किया, कविता को भाजपा को चार राज्यसभा सीटें दिलाने के बदले

जमानत मिलेगी। फसल ऋण माफी के बारे में बोलते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्होंने दिखाया है कि पूरे राज्य में एक बार में ऋण कैसे माफ किया जाता है और उन्होंने चुनाव अभियान के तहत वारंगल में किए गए वादे को पूरा किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऋण माफी से वंचित कोई भी किसान निराश नहीं होगा और ऋण माफी के लिए 5,000 करोड़ रुपये का आरक्षित कोष उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा, जिन किसानों को कर्जमाफी नहीं मिली है, उन्हें जिला कलेक्ट्रेट जाकर अपनी शिकायत दर्ज करानी चाहिए। अगर किसी परिवार पर 2 लाख रुपये से अधिक का कर्ज है, तो उसे एक इकाई माना जाएगा और 2 लाख रुपये तक का कर्ज माफ किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार की शासन व्यवस्था की पहचान वादे पूरे करना और समयसीमा से चूकना नहीं है और इसने 15 अगस्त तक बिना चूके कर्ज माफ कर दिया है।

चंदानगर पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक गुप्त सूचना के आधार पर, चंदानगर पुलिस ने दारला नेहे मिया उर्फ नेहेमैया उर्फ ब्रूस ली निवासी हुबली, कर्नाटक, कुरवा नागेश, निवासी मेडचल को गिरफ्तार किया। आरोपी रात में 11 घरों में सेंधमारी की घटनाओं में शामिल थे। इनका एक साथी फरार है। बीते 11 अगस्त, 2024 को पुलिस को चंदानगर के नायुडू वेंकटेश्वर राव से एक शिकायत मिली, जिसमें कहा गया था कि 10 अगस्त को वह, उनकी पत्नी और बेटा घर को ताला लगाकर अपनी बेटी को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, शमशाबाद छोड़ने के लिए घर से निकले थे। 11 अगस्त को, वे घर लौटे और देखा कि टीवीएस जेस्ट स्कूटी चोरी हो गया थी और घर का ताला भी तोड़ दिया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की और दारला नेहे मिया को और कुर्वा नागेश के साथ उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे सुरराम में चोरी की गाड़ी पर जा रहे थे। अन्य आरोपी जिमकालोलू सौरम्मा (रिसीवर), एमजी सुरेश, मेडचल (रिसीवर) को हिरासत में लेकर अदालत में पेश किया गया। आरोपी से पूछताछ के दौरान पता चला कि नेहे मिया 53 मामलों में शामिल था, जिसमें साइबराबाद में 17, हैदराबाद में 12, राचकोंडा में छह, कर्नाटक में सात, एपी में नौ, जीआरपी सिकंदराबाद में दो मामले शामिल हैं। आरोपी को 10 बार गिरफ्तार किया गया और हाल ही में 2 मई, 2024 को जेल से रिहा किया गया। तब से आरोपी ने 11 मामलों को अंजाम दिया हैं। 13 मामलों में आरोपी को अब तक दोषी ठहराया गया है। पुलिस ने 25 तोला सोने के आभूषण, 400 ग्राम चांदी के सामान, दो बाइक, 29,750 रुपये नकद जैसी संपत्ति बरामद की, जिसकी कीमत 25 लाख रुपये है। पुलिस ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे शहर से बाहर या शहर के भीतर यात्रा करने की योजना बनाते समय घर पर सोना और नकदी जैसे कीमती सामान न रखें और उन्हें सुरक्षित लॉकर में रखें और घर में सेंधमारी को रोकने के लिए आपात स्थिति में एक व्यक्ति को घर पर रखें। वे आपात स्थिति में स्थानीय पुलिस को भी सूचित कर सकते हैं।

महिलाओं के खिलाफ टिप्पणी केटीआर ने मांगी माफी

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना भवन में पार्टी की बैठक के दौरान महिलाओं के खिलाफ अपनी टिप्पणी पर खेद व्यक्त किया और कहा कि वे अनजाने में की गई थीं। उन्होंने बिना शर्त माफ़ी मांगते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी महिलाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं थी और राज्य सरकार की आलोचना करते हुए अनजाने में की गई थी। उन्होंने कहा कि मैं अपनी टिप्पणियों के लिए खेद व्यक्त करता हूं, जिनका उद्देश्य कभी भी मेरी बहनों को अपमानित करना या उन्हें ठेस पहुंचाना नहीं था।

गुरुवार को बैठक के दौरान आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना के बारे में बोलते हुए रामा राव ने पंचायत राज मंत्री दंसारी अनसूया उर्फ सीथक्का की टिप्पणी का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने पूछा था कि बसों में यात्रा करते समय महिला यात्रियों द्वारा प्याज अलग करने और लहसुन छीलने में क्या गलत है? उन्होंने कहा कि बीआरएस ने कभी भी ऐसी गतिविधियों पर आपत्ति नहीं जताई, लेकिन उन्होंने बताया कि मुफ्त बस यात्रा का उद्देश्य यह नहीं है।

कोदंडाराम, आमिर ने एमएलसी के रूप में ली शपथ

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति समिति के अध्यक्ष कोदंडाराम और आमिर अली खान ने शुक्रवार को राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली। विधान परिषद के अध्यक्ष गुट्टा सुखेंद्र रेड्डी ने उन्हें शपथ दिलाई। इस अवसर पर परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी उपस्थित थे। इस साल जनवरी की शुरूआत में राज्यपाल कोटे के तहत दोनों सदस्यों को मनोनीत किया गया था। बीआरएस नेता दासोजू श्रवण और कुर्रा सत्यनारायण द्वारा याचिका दायर किए जाने के बाद हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए शपथ ग्रहण को टाल दिया गया था।

इस बीच, दोनों मंत्रियों ने सचिवालय के सामने उस स्थान का निरीक्षण किया जहां राज्य सरकार पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित कर रही है। प्रतिमा का अनावरण 20 अगस्त को होने की संभावना है।

स्टोरी बॉक्स पुस्तक मेला 24 से

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पुस्तक प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन साहित्यिक सौगात है, क्योंकि स्टोरी बॉक्स पुस्तक मेला 24 से 30 अगस्त तक शहर में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी कर रहा है। मेले का प्रीमियम संस्करण खैरताबाद के वासावी कल्याण मंडपम में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पुस्तकों, रचनात्मकता और खोज का एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव होगा। मेले में विभिन्न विधाओं की 1,000,000 से अधिक पुस्तकों का प्रभावशाली संग्रह है, जो सुनिश्चित करता है कि हर पाठक के लिए कुछ न कुछ है। रोमांस और थ्रिलर से लेकर युवा वयस्क कथा साहित्य और सेल्फ-हेल्प तक, इस कार्यक्रम में धार्मिक ग्रंथों, खाना पकाने और अन्य चीजों के लिए समर्पित विशेष खंड भी शामिल हैं।

नगर विभाग के प्रधान सचिव दानकिशोर ने औचक निरीक्षण किया

समय-समय पर सड़क मरम्मत करने के निर्देश

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नगर निगम विभाग के प्रधान सचिव दानकिशोर ने हैदराबाद के कई इलाकों का निरीक्षण किया। सबसे पहले पत्रकारों ने कॉलोनी के पलापिट्टा सर्किल के आसपास के इलाकों में सड़कों पर पैच वर्क के कारण छोड़े गए गड्ढों का निरीक्षण करने के बाद स्थानीय अधिकारियों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे कोई भी कार्य हो, समय-समय पर सड़क मरम्मत का कार्य पूरा किया जाना चाहिए। जोनल कमिश्नर को उसी क्षेत्र में जल जमाव बिंदु की पहचान करने और नाली के निर्माण के लिए उपयुक्त क्षेत्र खोजने का निर्देश दिया गया। चूंकि बरसात के मौसम में संक्रामक बीमारियां प्रबल होने की संभावना होती है, इसलिए जीएचएमसी के भीतर कचरा संवेदनशील बिंदुओं (अक्सर डंप किए जाने वाले क्षेत्रों) पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। जुबली हिल्स रोड नंबर 45, रोड नंबर 70, गौतमनगर बस्ती, दीन दयाल नगर बस्ती, फिल्म नगर, पीईटी पार्क क्षेत्र जहां अक्सर कचरा डंप किया जाता है, का निरीक्षण किया गया। वहां काम कर रहे एसएफए और सफाई कर्मियों से बात की। उनकी समस्याओं के बारे में पूछा और प्रदर्शन के बारे में विवरण के बारे में जानकारी ली। सफाई कर्मियों की उपस्थिति पारदर्शी तरीके से दर्ज करने की सलाह दी गयी है। कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि यदि मैदानी स्तर पर कोई समस्या हो तो वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें। श्रमिकों को काम के घंटों के दौरान वर्दी और हाथ के दस्ताने पहनने चाहिए और सुरक्षात्मक उपायों का पालन करना चाहिए। साथ ही अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे शहर में मुख्य रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें जहां कचरा उत्पन्न होता है। ऐसे इलाकों में दो शिफ्टों में कूड़ा उठाने का उपाय करने का आदेश दिया गया है। इसके बाद उन्होंने कई जलजमाव वाले इलाकों में सरकार की ओर से बनाये जा रहे जल भंडारण टैंक के कार्यों का निरीक्षण किया। सरकार ने मानसून के दौरान शहर में यातायात की समस्याओं से बचने के लिए जल जमाव वाले स्थानों पर पुलिया बनाने का निर्णय लिया है। जबकि कुल 140 जल भराव बिंदु हैं, भारी यातायात वाले क्षेत्रों की पहचान करने और इन संरचनाओं को उपयुक्त स्थानों पर लेने का निर्णय लिया गया है। उसके हिस्से के रूप में, खैरताबाद जोन और जुबली हिल सर्कल में 20 करोड़ की लागत से 11 क्षेत्रों में 10 लाख लीटर क्षमता का निर्माण कराया जाएगा। बारिश के दौरान पानी को इन थैलियों में इकट्ठा करने और फिर इसे पास की नहरों में पंप करने की व्यवस्था की जाएगी। फिलहाल ये काम तेजी से चल रहे हैं। इस कार्यक्रम में जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, ईई विजय कुमार, जलमंडली जीएम हरिशंकर समेत अन्य शामिल हुए।

प्रदर्शन के कारण अस्पतालों में बाह्य रोगी सेवाएं बाधित

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के सरकारी अस्पतालों में बाह्य रोगी विंग में रोगी देखभाल सेवाएं शुक्रवार की सुबह प्रभावित हुईं, क्योंकि संकाय, चिकित्सक, वरिष्ठ रेजिडेंट और नर्सें आरजी कर मेडिकल कॉलेज, कोलकाता में बलात्कार और हत्या की शिकार हुई प्रशिक्षु डॉक्टर को न्याय दिलाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए जबकि आपातकालीन/आकस्मिक विभाग सामान्य रूप से काम करते रहे, गांधी अस्पताल, उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) और निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में वैकल्पिक सर्जरी को बहिष्कार के कारण स्थगित करना पड़ा। गांधी और उस्मानिया मेडिकल कॉलेज (ओएमसी) के ओपी (आउटपेशेंट) विंग में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं, क्योंकि वरिष्ठ डॉक्टरों ने काले बैज पहनकर अपनी नियमित ड्यूटी पर रिपोर्ट की, उन्होंने डॉक्टरों की अनुपस्थिति की भरपाई करने की पूरी कोशिश की।

बाद में, ओजीएच और गांधी अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों ने भी शुक्रवार सुबह अपनी नियमित चिकित्सा ड्यूटी से एक घंटे की छुट्टी ली और विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन, टीटीजीडीए, एआईएफजीडीए और टीजीडीए तथा एनआईएमएस रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के जारी बहिष्कार के कारण गांधी अस्पताल और ओजीएच में गुरुवार और शुक्रवार को होने वाली 200 से अधिक 5 वैकल्पिक सर्जरी स्थगित कर दी गईं।

निम्स में रेजिडेंट डॉक्टर्स और नर्स यूनियन के भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के बाद, अस्पताल प्रबंधन ने शुक्रवार सुबह घोषणा की कि ओपी (आउट पेशेंट) सेवाओं और वैकल्पिक सर्जरी को क्रमशः कम और स्थगित कर दिया जाएगा। समग्र हड़ताल एक दिन और जारी रहेगी, क्योंकि राज्य के सभी संवर्गों के स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के राष्ट्रीय एक दिवसीय हड़ताल में शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें सभी स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं (आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर) शनिवार को बंद रहेंगी।

प्रजावाणी कार्यक्रम में लोगों के समस्याओं की सुनवाई

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा ज्योतिबा फूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 319 आवेदन प्राप्त हुए।

अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 50, अल्पसंख्यक कल्याण संबंधी 61, पंचायत राज ग्रामीण विकास विभाग संबंधी 27, विद्युत विभाग संबंधी 81, आरोग्यश्री संबंधी 21 तथा अन्य विभागों से संबंधित 79 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

इस कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी, लोक प्रशासन विशेष अधिकारी श्रीमती दिव्या ने भाग लिया और आवेदन प्राप्त किये। उन्होंने प्रजा भवन में आये लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

अटल जी ने रखी थी आधुनिक भारत की नींव : सीएम योगी

लखनऊ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने आधुनिक भारत की नींव रखी थी। तीन बार देश का प्रधानमंत्री बनने के साथ ही उन्होंने भारत की राजनीतिक अस्थिरता को दूर किया था। सीएम योगी ने शुक्रवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की छठी पुण्यतिथि पर लोकभवन में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि देश को सुशासन, इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रामीण विकास का मॉडल अटल जी ने ही दिया था। सीएम योगी ने कहा कि अटल जी की सरकार में चलाए गए अंत्योदय के कार्यक्रम उनकी दूरदर्शिता को प्रदर्शित करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि 25 दिसंबर 1924 को जन्मे अटल जी का लगभग छह दशक का सार्वजनिक जीवन पूर्णतः निष्कलंक रहा। उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। सीएम योगी ने अटल जी को भारतीय राजनीति का अजातशत्रु करार देते हुए कहा कि भारतीय राजनीति में उनकी पहचान एक सर्वमान्य चेहरे के रूप में थी।

अटल जी की स्मृतियों को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सानिध्य में अटल जी ने अपने सार्वजनिक जीवन का शुभारंभ किया था। 1957 में वह बलरामपुर (वर्तमान में श्रावस्ती) से पहली बार सांसद चुने गए थे। उन्होंने कहा कि अटल जी को लगातार 10 बार लोकसभा एवं दो बार राज्यसभा में जाने का अवसर प्राप्त हुआ था, जिसमें वह पांच बार लखनऊ से सांसद चुने गए। सीएम योगी ने कहा कि आज अटल जी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी स्मृतियां, उनकी कविताएं और भारतीय राजनीति के उनके मूल्य एवं सिद्धांत सदैव हमें एक नई प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत को एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए अटल जी द्वारा किए गए प्रयासों को देश कभी विस्मृत नहीं कर सकता। अटल जी के प्रयासों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए कृतज्ञ राष्ट्र ने उन्हें भारत रत्न की उपाधि से भी सम्मानित किया।

केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर बोला हमला

> अपराधियों को संरक्षण देती है सपा

लखनऊ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कहा कि समाजवादी पार्टी अपराधियों को संरक्षण देती है। वह ऐसा संदेश दे रहे हैं कि कोई अपराध करेगा तब भी समाजवादी पार्टी में उसका संरक्षण होगा। यह तो वही बात हुई कि लड़के हैं गलती हो जाती है और मैं इसका कड़े शब्दों में निंदा करता हूं, कानून अपना काम करेगा।समाजवादी पार्टी द्वारा बनाई जा रही फैक्ट फाइंडिंग कमेटी पर उन्होंने कहा कि यह बनाकर वह क्या संदेश देना चाहते हैं। क्या समाजवादी पार्टी कानून से मान्यता प्राप्त जांच एजेंसी है। ऐसे में जब कन्नौज से लेकर

अयोध्या तक बहुत गंदे आरोप लगे हों, उनका वही आचरण है, लड़के हैं गलती हो जाती है। इस तरह के रास्ते अपनाने वाली समाजवादी पार्टी का सफाया होगा। दरअसल, पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एक पोस्ट को रिट्वीट करते हुए लिखा था कि भाजपा राज में उप्र के अंदर नारी के मान-सम्मान से खिलवाड़ अपवाद नहीं रहा है। सत्ता के साये में बैठे लोग सरेआम 'वीभत्स सवाल' करके नारी को अपमानित कर रहे हैं। नोएडा में एक बार पुनः नारी की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य हुआ है। इससे कुछ दिनों पहले 'दिलवाए' गए बयान में कितनी सच्चाई थी, ये बात पता चलती है। दबंग अपराधियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई हो।

सीएम योगी की मौजूदगी में मिलेंगे 70 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर

लखनऊ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कौशल विकास मिशन द्वारा 17 और 18 अगस्त को क्रमशः अंबेडकरनगर और अयोध्या में वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें करीब 150 प्रतिष्ठित कंपनियां 70 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर प्रदान करने जा रही हैं। महत्वपूर्ण बात ये भी है कि रोजगार मेला का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा किया जाएगा। यह रोजगार मेला उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तथा प्रशिक्षण एवं सेवा योजन निदेशालय और एमएसएमई विभाग के तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। रोजगार मेला प्रातः 9:00 से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगा तथा इसमें उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन व आईटीआई के प्रशिक्षण प्राप्तकर्ता छात्रों के साथ ही अन्य सामान्य विद्यार्थी भी प्रतिभाग कर सकेंगे।

युवाओं के कौशल को मिलेगा मुकाम

प्रदेश सरकार में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणर्थियों को प्रशिक्षण उपरांत सेवायोजित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती है। इसी क्रम में इन रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। 18 अगस्त को अयोध्या के आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, कुमारगंज में यह वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इस वृहद रोजगार मेला में 50,000 से अधिक रिक्तियों के सापेक्ष युवाओं का चयन करने के लिए 100 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां उपलब्ध रहेगी।

बलिया में प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिकाओं के साथ दुर्व्यवहार

पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर की त्वरित कार्रवाई

बलिया, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बलिया के बेल्थरा रोड स्थित फरसाटार प्राथमिक विद्यालय में एक युवक द्वारा महिला शिक्षिकाओं से अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। इस संबंध में, प्राथमिक विद्यालय फरसाटार की शिक्षिकाओं ने एक युवक पर अभद्रता का आरोप लगाया है। शिक्षिकाओं ने इस मामले में उभांव पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

शिक्षिकाओं को छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता

घटना 12 अगस्त की है, जब छुट्टी के बाद एक शिक्षिका अन्य शिक्षिकाओं के साथ ई-रिक्शा से घर जा रही थी। इसी दौरान, फरसाटार गांव के निवासी सुफियान ने एक सीनियर शिक्षिका से अभद्र भाषा का प्रयोग किया। शिक्षिकाओं ने बताया कि सुफियान का भाई उच्च प्राथमिक विद्यालय फरसाटार का छात्र है, जिसके बहाने वह अक्सर विद्यालय के आसपास मंडराता रहता है। इस घटना से शिक्षिकाएं भयभीत हैं, और उन्होंने अपनी तथा छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है।

सपा नेता कोर्ट से बोला-मेरा डीएनए करा लीजिए

कन्नौज में नाबालिग से रेप के आरोपी नवाब सिंह यादव की जमानत पर फैसला कल

कन्नौज, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कन्नौज में नाबालिग से रेप मामले में शुक्रवार को आरोपी सपा नेता नवाब सिंह यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई है। कोर्ट से नवाब सिंह ने कहा- मेरा डीएनए करा लीजिए। वहीं, नवाब को जमानत नहीं देने के लिए पुलिस ने कोर्ट में सबूत पेश किए। नवाब के वकील ने उस पर आपत्ति तैयार करके दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय मांगा। इस पर कोर्ट ने आज की सुनवाई टालते हुए वकील को 1 दिन का समय दे दिया। अब जमानत याचिका पर कल (शनिवार) फिर सुनवाई होगी। बता दें, पॉक्सो कोर्ट में नवाब सिंह यादव की जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई होनी थी। लेकिन, बाद में उसे आगे बढ़ा दिया गया था।

नवाब सिंह यादव ने डीएनए टेस्ट पर सहमति दी

सपा नेता के वकील शिव कुमार यादव ने बताया- पुलिस ने कोर्ट से डीएनए टेस्ट कराने की इजाजत मांगी थी। इसके लिए आरोपी की सहमति की जरूरत पड़ती है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से नवाब सिंह यादव से जज के सामने बात की। नवाब सिंह यादव ने डीएनए टेस्ट की सहमति दे दी। अब डीएनए परीक्षण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

फरार बुआ की तलाश कर रही है पुलिस

नाबालिग से रेप के हाई प्रोफाइल मामले में पीड़िता के बयान के बाद कन्नौज पुलिस ने एफआईआर में नवाब सिंह के खिलाफ रेप की धारा भी बढ़ा दी थी। एफआईआर में पीड़िता की बुआ का भी नाम शामिल किया गया था। केस दर्ज होने के बाद से बुआ फरार हो गई थी। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 6 टीमें लगाई हैं।

बच्चे की अपहरण के बाद हत्या में दो दोषियों को उम्रकैद

अलीगढ़, 16 अगस्त (एजेंसियां)। अतरौली के पालीमुकीमपुर के गांव कीरथपुर भागीरथपुर से बच्चे की फिरौती के लिए अपहरण के बाद हत्या के मुकदमे में दो दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में एक दोषी मृत बच्चे का रिश्ते का भाई है, जिसने खुद के कर्ज को चुकाने के लिए इस घटना को अंजाम दिया। मामले में फैसला एडीजे प्रथम संजीव कुमार सिंह प्रथम की अदालत से सुनाया गया है। यह घटना 19 अक्तूबर 2021 की है। वादी मुकदमा अमर सिंह के अनुसार घटना वाली सुबह वह परिवार के साथ खेत पर बाजरा की फसल काटने गए थे।

रोटरी ग्लोबल चैंपियंस ने बेहतर सेवा के लिए किट्स दिए

मिथिला बिहार को रोटरी सदस्यों ने पीपीएच किट प्रदान किए

दरभंगा, 16 अगस्त (एजेंसियां)। रोटरी ग्लोबल चैंपियंस – रोटरी इंटरनेशनल, जिला 3150 (यूएसए) के अंतर्गत एक सहयोगी क्लब है, जो हैदराबाद में स्थित है। बलौर निवासी रोटेरियन प्रोफेसर बी के करणा रोटरी ग्लोबल चैंपियंस हैदराबाद के अध्यक्ष हैं और उनका प्रयास है कि रोटरी क्लब के मिथिला में भी समाज सेवा करूं। यह क्लब समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनशैली को विभिन्न सेवा पहलों के माध्यम से बेहतर बनाने के लिए समर्पित है।

इस संदर्भ में रोटेरियन सदस्यों डॉ. शैलजा प्रकाश और डॉ.वैभव करणा से मिथिला, बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केंद्रित करने वाली गतिविधियाँ प्रारंभ की। और इस पहल के तहत, दोनों रोटेरियन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-मनीगाछी को एनएसजीसी किट और सहायक वस्तुएँ – नॉन-पन्युमेटिक एंटी-शॉक गारमेंट, जो प्रसवोत्तर रक्तस्राव के कारण होने वाली मातृ मृत्यु को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पीपीएच, कम संसाधनों वाले क्षेत्रों में मातृ मृत्यु का प्रमुख कारण है। एनएएसजी एक जीवनरक्षक उपकरण है जो रक्तस्राव को कम करता है और महिलाओं को आगे के चिकित्सा उपचार तक स्थिर रखता है। आजादी दिवस पर बिहार सरकार के अधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी स्टाफ में बिजय कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक डॉक्टर सुप्रिया कुमारी, मेडिकल ऑफिसर – प्रभारी, डॉ रेजा आलम, मेडिकल प्रभारी, आभा कुमारी ए एन एम, नीरज कुमार को ये सभी किट दिए गए।

मनीगाछी पीएचसी के लिए यह सार्थक सेवा से महत्वपूर्ण प्रभाव रहेगा । इस कार्यक्रम के सफल के लिए संजीव कुमार और डॉ राम प्रीत राम का विशेष सहयोग रहा।

सिर्फ यादव-मुस्लिम नहीं, सभी के नाम सार्वजनिक हो; एक आरोपी से की थी मुलाकात

लखनऊ बैडटच पर अखिलेश का बड़ा बयान

लखनऊ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ बैड टच पर अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा- सभी आरोपियों के नाम जारी हों। उनके माता-पिता के नाम भी बताने चाहिए। सीएम योगी सदन में गुस्से से बोल रहे थे कि बुलेट ट्रेन चलेगी, अब सबके नाम जारी करें। दरअसल, सीएम योगी ने घटना के दूसरे दिन विधानसभा में आरोपी पवन यादव और मोहम्मद अरबाज का नाम लिया था। माना जा रहा है कि अखिलेश का इशारा इस तरफ था कि सिर्फ यादव, मुस्लिम नहीं, बल्कि सभी आरोपियों के नाम जारी हों।

हालांकि, लखनऊ पुलिस प्रेस रिलीज से आरोपियों के नाम जारी कर चुकी है। अखिलेश ने कहा- पुलिस सरकार के इशारे पर काम कर रही है। पुलिस को न्याय देने की जरूरत है।

भाजपा जुमले उछालने वालों का दल बना

शुक्रवार को अखिलेश लखनऊ के हजरतगंज पहुंचे। यहां अवंती बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान मीडिया कर्मियों से बातचीत में उन्होंने कहा- कई जगह विधायकों को खरीदा जाता है। सरकार बनाई जाती है। चुनाव होते रहना डेमोक्रेसी को मजबूत करता है। चुनाव होने से ज्यादा काले धन का इस्तेमाल को रोका जाए। भाजपा जुमले उछलने वालों का पूरा दल बन गया है। भाजपा अफसरों के माध्यम से चुनाव जीतना चाहती है। सपा भाजपा की शिकायत चुनाव आयोग से करेगी।

2027 के चुनाव में जनता भाजपा को समाप्त करेगी

अखिलेश ने कहा- सबसे बड़ा सवाल देश के सामने यही है कि महंगाई कम हो, बेरोजगारों को रोजगार मिले, समाजवादी समाज हो, सबकी हिस्सेदारी हो। जो लोग चिल्ला रहे हैं कि सपा समाप्तवादी पार्टी है। 2027 के चुनाव में जनता इनको समाप्त कर देगी। गुरुवार को बैड टच के आरोपी पवन यादव ने अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। उसने अखिलेश को पूरे मामले की जानकारी दी। इस दौरान अखिलेश ने कहा- घटना में जो लड़के पकड़े गए और जिसका विधानसभा में नाम लिया गया वह मिलने आया है। ये बेचारा चाय पी रहा था और पुलिसवालों ने इसको पकड़ लिया। खैर वो जांच का विषय है, जिसमें वह छूट जाएगा। अखिलेश और पवन की मुलाकात के बाद लखनऊ पुलिस ने कहा- जांच चल रही है।

आगरा में वेयर हाउस से कैश लॉकर चोरी

आगरा, 16 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा के थाना सिकंदरा के शास्त्रीपुरम में वेयर हाउस में कैश का लॉकर चोरी हो गया। चोर रात में पूरा लॉकर ही उठा कर ले गया। लॉकर में करीब दो लाख रुपए कैश था। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इस संबंध में वेयर हाउस के मैनेजर ने एफआईआर कराई है। शास्त्रीपुरम में डेल्वीवेरी वेयर हाउस है। वेयर हाउस के असिस्टेंट मैनेजर फैज खान ने बताया कि 12 अगस्त की सुबह जब वो कंपनी में पहुंचे तो देखा कि कैश का लॉकर गायब है। लॉकर गायब होने पर परेशान हो गए। कंपनी में लगे कैमरे चेक किए तो देखा कि 11 अगस्त की रात करीब साढे.12 बजे एक युवक कंपनी में आया। उसने लॉकर खोलने की कोशिश की। जब लॉकर नहीं खुला तो वो पूरा लॉकर उठा कर ले गया। लॉकर में करीब दो लाख रुपए कैश था।

पीएम मोदी के भाषण पर मायावती ने याद दिलाया

'अच्छे दिन' का नारा, 'कम्युनल' बयान पर उठाए सवाल

लखनऊ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने स्वतंत्रता दिवस की 78वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए गए भाषण पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पीएम द्वारा देश की अपार गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और पिछड़ेपन आदि की ज्वलन्त राष्ट्रीय समस्याओं पर इससे प्रभावित करीब सवा सौ करोड़ लोगों में उम्मीद की कोई नई किरण नहीं जगा पाना भी कितना सही है? उन्होंने पूछा कि लोगों के 'अच्छे दिन' कब आयेंगे?

उन्होंने पीएम मोदी द्वारा देश को एक सेक्युलर समान नागरिक संहिता की जरूरत बताए जाने पर कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर द्वारा सभी धर्मों का एक-समान सम्मान के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्त की संवैधानिक व्यवस्था को 'कम्युनल' कहना क्या उचित है?

सरकार संविधान की मंशा के हिसाब से सेक्युलरिज्म का पालन करे यही सच्ची देशभक्ति व राजधर्म है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दिया गया भाषण काफी लम्बा-चौड़ा, किन्तु करोड़ों दलितों व आदिवासियों के आरक्षण आदि के हक की रक्षा के मामले में अत्यन्त निराशाजनक था जबकि सुप्रीम कोर्ट के दिनांक एक अगस्त 2024 के निर्णय के बाद यह अति खास व ज्वलन्त मुद्दा है। इस बारे में भाजपा सांसदों को दिया आश्वासन भी प्रधानमंत्री को याद नहीं रहा जबकि देश के एससी-एसटी वर्गों को ऐसा ही जातिवादी रवैया अपनाने की कांग्रेस से भी बड़ी शिकायत है क्योंकि इस पार्टी ने भी इनके उपवर्गीकरण व उन्हें बांटने पर भाजपा की तरह ही अभी तक चुप्पी साध रखी है, जो अनुचित है।

अखिलेश से पवन यादव की मुलाकात पर लखनऊ पुलिस बोली

जांच चल रही है, क्लीन चिट नहीं मिली है, 3 केस दर्ज हैं

लखनऊ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ में 31 जुलाई को बारिश में बैड टच के मामले में गोमती नगर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। इस मामले में जेल गए पवन ने अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद कहा मैं चाय पी रहा था। पुलिस मुझे उठाकर ले गई। 'मैं यादव हूं इसलिए मुझे जेल भेज दिया गया'। पवन यादव से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने बयान दिया है। इसके बाद लखनऊ पुलिस का बयान आया है। पुलिस ने कहा जांच चल रही है, न तो क्लीन चिट दी गई और न ही न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

बुधवार को अखिलेश से मिला पवन

लखनऊ के गोमती नगर में बारिश के दौरान पानी से भरी सड़क से गुजर रही एक युवती से बैड टच के आरोपी पवन यादव ने अखिलेश यादव से मुलाकात की। गुरुवार को आरोपी पवन यादव सपा कार्यालय पहुंचा और अखिलेश यादव को पूरे मामले की जानकारी दी। करीब 6 दिन जेल में रहने के बाद वह हाल ही में जमानत पर छूटा है। अखिलेश यादव ने कहा- घटना में जो लड़के पकड़े गए और जिसका विधानसभा में नाम लिया गया वह मिलने आया है। ये बेचारा चाय पी रहा था और पुलिसवालों ने इसको पकड़ लिया। खैर वो जांच का विषय है, जिसमें वह छूट जाएगा।

एक ही गांव में आठ दिन में 12 ग्रामीणों की मौत

ग्रामीण बोले-बुखार से गई जान, कई लोग हैं बीमार

लखीमपुर खीरी, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी जिले की ग्राम पंचायत भिरावाग्रंट के मजरा मदारीपुरवा में आठ दिन में 12 ग्रामीणों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग जागा है। एसडीएम से शिकायत के बाद स्वास्थ्य टीम गांव पहुंची। ग्रामीणों की जांच की और इलाज किया। तीन माह के अंदर गांव के 16 लोगों की मौत क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी है। ग्रामीण बुखार व अन्य बीमारियों से मौत होने की बात कह रहे हैं। मितौली ब्लॉक के गांव मदारीपुरवा के ग्रामीणों ने गोविंद प्रसाद की अगुवाई में बुधवार को मितौली एसडीएम को शिकायतीपत्र देकर बताया कि गांव में तीन माह में 14 और आठ दिन में 10 लोगों की मौत हो जाने की बात कही। बाद में ग्रामीणों ने दो अन्य लोगों की मौत हो जाने की बात भी कही। एक महिला की मौत बुधवार को ही हुई है। सभी के नाम भी बताए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इन मौतों का कारण बुखार है, जिसके लक्षण मलेरिया जैसे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इतनी मौतों के बाद भी गांव में न तो फागिंग कराई गई और न ही साफ-सफाई। पंचायत के मजरा चूरईपुरवा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होने के बाद भी गांव में कैंप तक नहीं लगाए गए हैं।

पूर्व बीजेपी जिला कोषाध्यक्ष की बगीचे में मिली लाश

सीवान, 16 अगस्त (एजेंसियां)। सीवान के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सड़सर बगीचा में पूर्व बीजेपी जिला कोषाध्यक्ष की लाश मिली है। शव के पास एक रिवॉल्वर और एक खोखा मिला है। रिवॉल्वर में 4 कारतूस लोड है। शख्स के सिर में गोली लगी है। मृतक की पहचान मीरापुर गांव निवासी सुरेश कुमार गिरि के बेटे अरविंद कुमार गिरि (48) के रूप में हुई है। अरविंद गिरि अपने घर पर अकेले रहते थे और गांव में ही किराना की दुकान चलाते थे। उनकी पत्नी एक हॉस्पिटल में एएनएम का काम करती है। बेटा और बेटी दोनों राजस्थान में जॉब करते हैं।

अतीक के बेटे का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मियों का सम्मान शर्मनाक

सांसद रुचिवीरा ने उठाए सवाल

मुरादाबाद, 16 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद रुचि वीरा ने पुलिस के एनकाउंटर पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि अतीक के बेटे का एनकाउंटर करने वाली पुलिस टीम को सम्मानित करना अफसोसजनक और शर्मनाक है। सपा सांसद रुचिवीरा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुरादाबाद आई थी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए अतीक के मामले में पुलिस को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। आरोप लगाया कि सैकड़ों पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में अतीक और अशरफ की हत्या कर दी गई। यह कैसा लोकतंत्र है। यह किसी से छिपा नहीं है। अतीक के बेटे का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित करना लोकतंत्र के लिए शर्मनाक और अफसोसजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस द्वारा एनकाउंटर कैसे होते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है। यदि कोई अच्छा काम करने पर पुलिस वालों को सम्मानित किया जाता तो बात समझ में आती है लेकिन आप सभी जानते हैं कि एनकाउंटर किस तरह किए जाते हैं। सरकार को समझ लेना चाहिए कि बुलडोजर नीति अब नहीं चलेगी। अतीक के बेटे असद को ढेर करने वाली एसटीएफ और पुलिसकर्मियों को वीरता पदक से सम्मानित किया गया है।

आतंकियों से लड़ते हुए अफसर की बचाई थी जान आर्मी डॉग 'केंट' को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार

हाइलाइट्स

> 6 वर्षीय आर्मी डॉग 'केंट' को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार
> आतंकियों से अपने अफसर को बचाने में गंवाई थी जान
> आतंकवाद विरोधी 9 अभियानों में 'केंट' ने लिया था हिस्सा

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस पर, जांबाज आर्मी डॉग केंट को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। केंट एक छह साल की लेब्राडोर थी जिसने पिछले साल सितंबर में जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने अफसर की जान बचाते हुए जान दे दी थी। केंट, जिसे सेना में 08B2 नंबर से जाना जाता था। उसने आतंकवाद विरोधी 9 अभियानों में हिस्सा लिया था। 'ऑपरेशन सुजलीगला' के दौरान, उसने नरला गांव में छिपे आतंकियों के खिलाफ जवानों की एक टुकड़ी का नेतृत्व किया था।

आतंकियों से अपने अधिकारी को बचाते हुए गंवाई थी जान

उस समय उत्तरी कमान के प्रमुख, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था कि हमारी केंट ने अपने अधिकारी को बचाने के लिए अपनी जान दे दी। उसने खुद आगे बढ़कर आतंकवादियों पर हमला किया। केंट को सेना ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ विदाई दी थी। बुधवार को, 103 वीरता पदकों की लिस्ट के बाद, 39 'मेन्शन-इन-डिस्पैच में इस बहादुर जांबाज का नाम शामिल किया गया। 'एमआईडी' उनको दिया जाता है जिन्होंने ऑपरेशनल एरिया में विशिष्ट और सराहनीय सर्विस दी हो और वीरता के ऐसे कार्य किए हों जो गैलेंट्री मेडल देने के लिए पर्याप्त न हों।

स्वतंत्रता दिवस पर आर्मी डॉग 'केंट' को वीरता पुरस्कार

आर्मी डॉग केंट को 'एमआईडी' और 'चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन कार्ड' से सम्मानित करने की परंपरा रही है। 2022 में, दो वर्षीय बेल्जियम मैलिनोइस एक्सल को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में एक आतंकवादी का पता लगाने के लिए मरणोपरांत 'एमआईडी' से सम्मानित किया गया था।

इससे पहले 2020 में, सोफी नाम के एक सुनहरे-भूरे रंग की कॉकर स्पैनियल और विडा नाम के एक काले लैब्राडोर को भी देश की रक्षा में लगन से अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए 'कोस कमेंडेशन कार्ड' से सम्मानित किया गया था। इन्होंने बारूदी सुरंगों, हथगोले और ऐसी अन्य चीजों को सूंघकर पता लगाया था।

'अस्पताल में सीएपीएफ की तैनाती की मांग'

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला की हत्या का मामला अब राजनीतिक रुख ले लिया है। फिलहाल मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। इस बीच कुछ अज्ञात प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल के इमरजेंसी वॉर्ड में घुसकर तोड़फोड़ किया। इस घटना को लेकर पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला और सीबीआई के निदेशक को एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने आरजी कर अस्पताल में सबूतों को और अधिक नष्ट होने से बचाने के लिए सीएपीएफ की तैनाती की मांग की है।

पावरग्रिड (दक्षिणी क्षेत्र-I) में स्वतंत्रता दिवस समारोह

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली- I ने तेलंगाना, आध्रं प्रदेश और कर्नाटक के हिस्सों में फैले अपने सभी प्रतिष्ठानों में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। मुख्यालय सिकंदराबाद में अखिलेश पाठक, मुख्य महाप्रबंधक, प्रभारी द्वारा ध्वजारोहम किया गया। इस अवसर पर अखिलेश पाठक ने कहा कि आजादी के लिए हमारे नेताओं ने अथक संघर्ष किया। इस अवसर पर अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), एसएमवी नानाजी, मुख्य महाप्रबंधक (संपवि प्रबंधन), वेंकट एसवी, मुख्य महाप्रबंधक (ववि), पावरग्रिड के वरिष्ठ अधिकारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी और उनके परिजन उपस्थित थे।

गुवाहाटी से आईईडी जैसे उपकरण बरामद

उल्फा-आई की धमकी-राज्य में लगा चुके हैं 24 विस्फोटक; सुरक्षाबल सतर्क

गुवाहाटी, 16 अगस्त (एजेंसियां)। गुवाहाटी में शुक्रवार को दो आईईडी जैसे उपकरण बरामद किए गए हैं, पिछले 24 घंटों में असम में बम जैसे कुल 10 पदार्थ जब्त किए गए हैं। प्रतिबंधित संगठन उल्फा (आई) ने दावा किया है कि उसने राज्य में सिलसिलेवार विस्फोट करने के लिए 24 विस्फोटक लगाए हैं।

सीएम आवास के पास मिला दूसरा संदिग्ध उपकरण

मामले में शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि इनमें से एक उपकरण नरेंगी आर्मी कैंटोनमेंट के पास सतगांव इलाके में और दूसरा राज्य सचिवालय और मंत्रियों की कॉलोनी के पास लास्ट गेट पर मिला, जहां मुख्यमंत्री का आवास भी है। बता दें कि यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) ने गुरुवार को कई मीडिया घरानों को भेजे ईमेल में 19 बमों के सटीक स्थानों की सूची दी, जिसमें तस्वीरें भी थीं, लेकिन बाकी पांच स्थानों का पता नहीं चल सका। इस मामले में उल्फा ने कहा कि विस्फोट गुरुवार को सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच होने थे, लेकिन तकनीकी विफलता के कारण बमों के विस्फोट न होने के कारण इसे अंजाम देने में विफलता के बाद, उसने विस्फोटक उपकरणों को निष्क्रिय करने के लिए जनता से सहयोग मांगा।

उल्फा के बयान के आधार पर तलाशी जारी- पुलिस

गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त दिगंत बराह ने कहा, हम उल्फा के बयान में बताए गए सभी इलाकों में गहन तलाशी कर रहे थे। सतगांव में कल तलाशी ली गई थी और आज फिर से शुरू की गई। हमने सतगांव में एक आईईडी-प्रकार का उपकरण और लास्ट गेट में एक और उपकरण बरामद किया। उन्होंने कहा कि दोनों उपकरण गुरुवार को शहर में मिले उपकरणों के समान थे, एक पानबाजार में और दूसरा गांधी मंडप रोड पर मिला था।

झोपड़ी में रहने वालों की दुर्दशा पर हाईकोर्ट ने जताई चिंता

कहा-मुंबई को झुग्गीमुक्त बनाना लक्ष्य

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने प्राइवेट डेवलपर्स के हाथों शिकार बनने वाले झुग्गीवासियों की दुर्दशा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य मुंबई को झुग्गी-झोपड़ी मुक्त शहर बनाना होना चाहिए। जस्टिस जीएस कुलकर्णी और सोमशेखर सुंदरेसन की पीठ ने महाराष्ट्र स्लम एरिया (सुदार, निक्सी और पुनर्विकास) एक्ट की कार्यान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया।

अदालत ने कहा, ₹लक्ष्य मुंबई, जिसे अंतरराष्ट्रीय शहर माना जाता है और जो भारत की वित्तीय राजधानी है, उसे झुग्गी-झोपड़ी मुक्त शहर बनाना है। हमें एक बिलकुल झुग्गी-झोपड़ी मुक्त शहर बनाना होगा। यह एक्ट (अधिनियम) हमें मुंबई को झुग्गी-झोपड़ी मुक्त शहर बनाने में मदद करेगा।₹ जुलाई में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार एक्ट का परफॉर्मेंस ऑडिट करने के लिए पिछले सप्ताह पीठ का गठन किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने अधिनियम की कार्यप्रणाली पर चिंता जताई। उन्होंने सतत विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। पीठ ने झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण और अन्य पक्षों को अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 20 सितंबर को तय की। अदालत ने सवाल करते हुए कहा, भविष्य के बारे में सोचिए। अगले 100 वर्षों में यही होगा। क्या वहां सिर्फ गगनचुंबी इमारते ही रहेंगी? क्या हमें खुले स्थानों की जरूरत नहीं? लंदन जैसे अन्य शहरों का उदाहरण देते हुए अदालत ने कहा, हमें सतत विकास की जरूरत है। हम केवल कंक्रीट का जंगल नहीं बना सकते, जिसमें कोई खुली जगह न हो।

अदालत ने झोपड़पट्टी पुनर्विकास परियोजनाओं में देरी को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, हम वास्तव में झुग्गीवासियों की दुर्दशा कोलेकर चिंतित हैं। केवल इसलिए कि आप झुग्गी-झोपड़ी में रहते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि आपको डेवलपर्स पर छोड़ दिया जाए। झुग्गीवासी उन डेवलपर्स के हाथों पीड़ित हैं जो काम करने का इरादा नहीं रखते।

हरियाणा विधानसभा चुनाव का ऐलान होते ही बीजेपी पर भड़के भूपिंदर सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 16 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। राज्य की 90 सीटों वाली विधानसभा के लिए चुनाव की तारीख क्लीयर होते ही कांग्रेस की तरफ से बीजेपी पर हमले भी बढ़ गए हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने बीजेपी पर बड़ा प्रहार किया है।

भूपिंदर सिंह हुड्डा ने चुनाव की तारीख के ऐलान के बाद कहा कि किसानों से वादा किया गया था कि साल 2022 तक उनकी इनकम डबल हो जाएगी, उनकी इनकम तो डबल नहीं हुई लेकिन कई चीजों की कीमत जरूर बढ़ गई। उन्होंने कहा कि 2014 के डीजल के दाम को देखो और उसकी आज के दाम से तुलना करो।

पारादीप बंदरगाह पर मिस्त्र का जहाज जब्त

ओडिशा उच्च न्यायालय के आदेश पर हुई कार्रवाई

भुवनेश्वर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के पारादीप बंदरगाह पर लंगर डाले हुए मिस्र के एक जहाज को जब्त कर लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि उड़ीसा उच्च न्यायालय के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि जहाज 6 अगस्त को पारादीप बंदरगाह पर पहुंचा था। इस जहाज पर जर्मनी की एक कंपनी का 3.96 करोड़ रुपये बकाया था। कर्ज का भुगतान न करने पर ओडिशा उच्च न्यायालय के आदेश पर जहाज को जब्त कर लिया गया। कम सल्फर वाली समुद्री गैस तेल के परिवहन से संबंधित एक जर्मन कंपनी ने ओडिशा उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर जहाज को हिरासत में लेने की अपील की थी। इस पर उच्च न्यायालय ने बीती 14 अगस्त को जहाज को हिरासत में लेने का आदेश दिया। अदालत के आदेश के बाद जहाज को जब्त कर लिया गया। समुद्री परिवहन कानून के तहत किसी जहाज को जहाज के स्वामित्व, निर्माण, कब्जे, प्रबंधन और संचालन संबंधी दावों के तहत जब्त किया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि हिरासत की निगरानी के लिए स्थानीय अदालत के एक वरिष्ठ न्यायाधीश को एडमिरल नियुक्त किया गया है।

जेपी नड्डा के घर एनडीए नेताओं की बैठक

बेहतर तालमेल, समन्वय और नियमित अंतराल पर मीटिंग को लेकर हुई बात

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव पर एनडीए गठबंधन में शामिल घटक दलों के बीच शीर्ष स्तर पर बेहतर तालमेल, समन्वय और नियमित अंतराल पर बैठक की कवायद शुरू हो गई है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वयं शुक्रवार को एनडीए में शामिल सहयोगी दलों के नेताओं को अपने आवास पर हाई-टी पर आमंत्रित किया। सूत्रों के मुताबिक, जेपी नड्डा के आवास पर हुई एनडीए नेताओं की बैठक में सभी दलों के बीच तालमेल और समन्वय को और अधिक बेहतर बनाने पर चर्चा हुई ताकि महत्वपूर्ण मुद्दों पर एनडीए नेता एक सुर में ही बोलते नजर आएं। बैठक में जनता से जुड़े विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी एक सुर में ही बोलने की बात हुई। इसके साथ ही यह भी तय किया गया कि इस प्रकार की बैठक नियमित अंतराल पर होनी चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, अब हर महीने में कम से कम एक बार इस तरह की बैठक जरूर हुआ करेगी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी की तरफ से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, किरेन रिजिजू एवं एल. मुरुगन और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह सहित अन्य कई नेता मौजूद रहे।

एसबीआई ने मनाया प्रधान कार्यालय पर स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त(स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) मुख्य महा प्रबंधक राजेश कुमार ने कहा कि, वित्तीय समावेशन, सामाजिक उत्तरदायित्व, राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट है।

78वें स्वतंत्रता दिवस पर, ग्रेटर हैदराबाद सर्कल सीजीएम राजेश कुमार ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, स्थानीय प्रधान कार्यालय, कोठी, हैदराबाद में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सीजीएम) राजेश कुमार ने स्वतंत्रता दिवस पर, कहा कि, स्वतंत्रता दिवस समारोह उन साहसी बहादुर आत्माओं को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए अथक संघर्ष किया। उन्होने आगे कहा कि, उनके द्वारा दिए गए बलिदानों के लिए हम हमेशा उनके ऋणी हैं।

हमारे जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में, उद्देश्य की एकता हमारी ताकत की आधारशिला है। एसबीआई सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक होने के नाते आर्थिक परिवर्तन में सबसे आगे रहा है। हमने न केवल वित्तीय सेवाएँ प्रदान की हैं, बल्कि लाखों भारतीयों को औपचारिक बैंकिंग के दायरे में लाकर उन्हें सशक्त भी बनाया है। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी को एसबीआई परिवार का अंग होने पर गर्व है, जो हमारे राष्ट्र की प्रगति की यात्रा में निरंतर भागीदार रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं जैसे कि, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई और कई अन्य सरकारी पहलों का सक्रिय रूप से समर्थन किया है, तत्संबंधित ने पूरे देश में जीवन को बदल दिया है। सीजीएम राजेश कुमार ने बैंक की वित्तीय कार्य निष्पादन की जानकारी में बताया कि, एसबीआई ने गत वित्त वर्ष में 61,077 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। यही नहीं एसबीआई देश के 5 सबसे भरोसेमंद ब्रांड्स में से एक है। मार्केट पूंजीकरण के मामले में,एसबीआई सबसे मूल्यवान पीएसयू बना है। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना राज्य में, एसबीआई ने मार्च 2024 तक 3.25 ट्रिलियन रुपये का कारोबार पार कर लिया और वर्तमान में इसका कारोबार 3.43 ट्रिलियन रुपये का है। साथ ही उन्होने कहा कि साइबर क्राइम या अपराध उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने तत्संबंधित सभी कर्मचारियों से ग्राहकों और बैंक की सुरक्षा के लिए हर समय सतर्क और सक्रिय या चुस्त रहने का अनुरोध किया।

इसके चलते उन्होने कहा कि, एसबीआई साइबर क्राइम या अपराध की शिकायतों पर ध्यान देने के लिए 24 x 7 कार्यरत है और इसका उद्देश्य फिजिटल लेनदेन की वर्तमान विश्व में विभिन्न जोखिमों को कम करने के लिए साइबर सुरक्षा प्रक्रियाओं सहित सुरक्षा उपायों को निरंतर उन्नत करना है। सीजीएम ने दोहराया कि, जब हम स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं, तो हमें बैंक की सेवा, पारदर्शिता, नैतिकता, विनम्रता और स्थिरता (एसटीपीएस) के मूल्यों पर भी विचार करना चाहिए।

इस दौरान सीजीएम ने बेहतर ग्राहक सेवा की सुविधा के लिए, चैनल प्रबंधन तथा ग्राहक सेवा विभाग के नए परिसर का उद्घाटन किया। विकासशील क्षेत्रों में लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, इस वित्तीय वर्ष में राज्य में 75 नई शाखाएं खोलने की योजना बनाई जा रही है।

इस अवसर पर एसबीआई बैंक ने 3 स्वतंत्रता सेनानियों/परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया। इस स्वतंत्रता दिवस समारोह में कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ कई तरह की सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी आयोजित किया गया। इसके चलते खेल, नृत्य, शिक्षा और कई अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों और तत्संबंधित बच्चों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में एसबीआई लेडीज क्लब की अध्यक्षा श्रीमती रश्मि सिन्हा, महाप्रबंधक एनडब्ल्यू-2 प्रकाश चंद्र बरोर, महाप्रबंधक एनडब्ल्यू-1 रवि कुमार वर्मा, उप महाप्रबंधकों सहित अन्य वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

दिल्ली में जलभराव की स्थिति और कारणों पर बोले उप राज्यपाल

कहा-यह सब लापरवाही का परिणाम है

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के उप राज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना द्वारा दिल्ली की समस्याओं को उजागर करना कोई नई बात नहीं है। शुक्रवार को एक बार फिर से ऐसा ही नजारा देखने को मिला। उप राज्यपाल ने अपने एक्स अकाउंट पर गंदगी और जाम पड़े खस्ताहाल नालों की फोटो साझा करते हुए दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है।

एलजी वीके सक्सेना ने अपने एक्स एकाउंट पर फोटो साझा करते हुए लिखा कि, 'हर वर्ष दिल्ली में होने वाले जलजमाव और उससे उत्पन्न नारकीय स्थिति के लिए गाद और कचरे से जाम पड़े, शहर के बड़े नाले मुख्यतः जिम्मेदार हैं। दिल्ली के नालों की यह स्थिति, स्पष्ट रूप से वर्षों की उपेक्षा और लापरवाही का परिणाम है'। हर वर्ष दिल्ली में होने वाले जलजमाव और उससे उत्पन्न नारकीय स्थिति के लिए गाद और कचरे से जाम पड़े, शहर के बड़े नाले मुख्यतः ज़िम्मेदार हैं।

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना ने दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर में वरिष्ठ पदाधिकारी राजेश्वर भगत ने झंडारोहण किया। इस मौके पर जयंत यादव, बिवेश झा, सागर भगत, मनोज भगत , लल्लन मिश्रा, हरिश यादव ,दीपक गुप्ता,पंकज यादव, आंनद गुप्ता,शतीश यादव,पंचम भगत, बुनी भगत, संजय भगत, एवं भारी मात्रा मेंसदस्य एवं बच्चों ने भाग लिया।

माहेश्वरी युवा समाज, वरंगल द्वारा 15 अगस्त को झंडा रोहण कर विभिन्न सेवा कार्यक्रम किया गया।

महानगर हैदराबाद स्थित भारतीय जीवन बीमा(एलआईसी) प्रधान कार्यालय पर 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस समारोह में एलआईसी के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारी पुनित कुमार, राजेश भारव्दाज, उथप जोसेफ,एमएमपी श्रीनिवास राव, आरएलएन स्वामी, प्रमोद कुमार साहू ने भाग लिया।

बिहार एसोसिएशन हैदराबाद अपने कार्यालय परिसर में अध्यक्ष हरेराम सिंह ने ध्वजारोहण किया। अवसर पर दशरथ यादव, उत्तम यादव, दिलीप कुमार यादव ,रविशंकर सिंह, दिनेश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह , भरत सिंह, हरे राम यादव, दीपक यादव , बालकृष्ण यादव,विनोद कुमार गुप्ता आदि ने अपने-अपने विचार प्रकट किए।

'वामपंथियों-बीजेपी के गठजोड़ का पर्दाफाश हो'

इंसाफ की मांग के साथ मार्च में बोलीं सीएम ममता

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में 31 साल की डॉक्टर के साथ दरिंदगी का मामला लगातार सुर्खियों में है। ताजा घटनाक्रम में सीएम ममता बनर्जी ने कोलकाता में इंसाफ की मांग के साथ मार्च निकाला। उन्होंने कहा , 'हम चाहते हैं कि सच सामने आए, लेकिन लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ फैलाया जा रहा है।' महिला डॉक्टर की मौत के खिलाफ प्रदर्शन पर ममता ने कहा, वामपंथियों और भाजपा के गठजोड़ का पर्दाफाश होना चाहिए।

फर्जी खबरें प्रसारित कर सच्चाई छिपाने का प्रयास

अस्पताल परिसर में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर कोलकाता में शुरू हुए विरोध मार्च के मकसद पर ममता ने कहा, सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें प्रसारित कर सच्चाई छिपाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इंसाफ दिलाने के मकसद से तत्काल जांच शुरू की और अब मामला सीबीआई के पास है। तृणमूल कांग्रेस सरकार लगातार इस जघन्य अपराध के दोषी को फांसी दिलाने की मांग कर रही है।

वीडियो में दिखे वाम दल और भाजपा कार्यकर्ता ममता ने विपक्षी दल भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए और कहा, 'मुझे पता है कि सीपीएम और बीजेपी ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में तोड़फोड़ की...वे रात को 12-1 बजे के बीच वहां गए। घटना की वीडियो क्लिप में दिख रहा है कि सीपीएम ने डीवाईएफआई का झंडा पकड़ रखा है। बीजेपी सदस्यों के हाथों में राष्ट्रीय ध्वज दिखा। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज का दुरुपयोग किया है। उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

टीएमसी ने बिना चुनाव जीते सरकार नहीं बनाई सीएम ममता बनर्जी ने पूर्वोत्तर में हुई जातीय हिंसा की घटना का जिक्र कर सवाल किया, 'मणिपुर में जब हिंसा की घटना हुई तो बीजेपी और सीपीएम ने कितनी टीमें भेजीं?' भाजपा शासित राज्य- उत्तर प्रदेश का जिक्र कर ममता ने पूछा- हाथरस, उन्नाव में कितनी टीमें भेजी गईं?' उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि सीपीएम और बीजेपी मुझे धमकी न दें। ममता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव लड़े बिना सरकार नहीं बनाई है।'

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 17 अगस्त- 2024

मोसाद की राह पर रॉ

इजराइल ने जिस तरह से तेहरान में घुसकर हमास के आतंकी इस्माइल हानिये की हत्या अपना गौरव लौटाया है, उससे पूरी दुनिया दंग है। हमास के राजनीतिक धड़े के प्रमुख को इतनी कड़ी सुरक्षा को भेदकर मारने के बाद मोसाद का जलवा जिस तरह से कायम हुआ कि दुनिया कहने लगी है मोसाद तो मोसाद ही है। इजरायल को जैसे ईरान और उसके इशारों पर काम करने वाले देशों और आतंकी संगठनों से खतरा है, वैसे ही भारत लगातार पाकिस्तान और उसके डीप स्टेट के निशाने पर रहता है। राष्ट्रवादी भारतीय अपने देश को भी इजरायल और अपनी खुफिया एजेंसी रॉ को मोसाद की तरह ताकतवर देखना चाहते हैं। लेकिन अक्सर उनकी ख्वाहिश यही रहती है कि पाकिस्तान के अंदर घुसकर मारा जाए, यानी सीधी पटखनी जैसा कि इजरायल गाजा में कर रहा है। मोसाद की तरह रॉ के लिए भी सॉफिस्टिकेटेड टेक्नॉलजी और दुश्मन के अंदर काफी भीतर तक घुसपैठ कर अभियानों को अंजाम दिए जाने की चाहत भी उतनी ही है। मोसाद अपने टारगेट को कभी नहीं बख्शता और दुश्मन हर बार हाथ मलता रहा जाता है। इस्माइल हानिये की हत्या के मामले में मोसाद ने साबित कर दिया कि उसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। भारत तो इजरायल से बहुत बड़ा देश है। यहां की रॉ भी दुनिया की प्रतिष्ठित खुफिया एजेंसियों में शुमार है। इसके बाद भी हम इजरायल और मोसाद के तुलना में पिछड़े क्यों हैं? इसकी सबसे बड़ी वजह राजनीतिक इच्छाशक्ति और फंडिंग की कमी है। इन दो प्रमुख वजहों से भारत अब तक दुश्मनों के खिलाफ पर्याप्त प्रतिरोधी ताकत नहीं जुटा पाया है। यही वजह है कि आज भी हम तकनीक नहीं बल्कि पारंपरिक तरीके से कार्रवाई करते हैं, जिससे पाकिस्तान को अनायास ही उछलकूद करने का मौका मिल जाता है। बालाकोट एयर स्ट्राइक के जवाब में पाकिस्तान ने हमारी सीमा के अंदर भी अपना युद्धक विमान भेज दिया था। फिर उसे खदेड़ते हुए हमारे जांबाज अभिनंदन वर्धमान पाकिस्तान की सीमा में जा घुसे और उनका विमान मार गिराया गया। बाद में भारत की पारंपरिक हमले की धमकी से ही पाकिस्तान ने अभिनंदन को वापस किया। इसके भी इनकार नहीं किया जा सकता कि बीते 10 सालों में रॉ ने पाकिस्तान के अंदर पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा घुसपैठ करने में सफलता पाई है। पाकिस्तान में छिपे कई भारतीय और पाकिस्तानी आतंकी एक-एक कर मारे जा रहे हैं। रॉ के ये अभियान पूरी तरह विश्वसनीय हैं क्योंकि हर हत्या की पाकिस्तान की सरकार, वहां का मीडिया और सेना की तरफ से पुष्टि हो रही है। मारे जा रहे ज्यादातर आतंकी छोटे या आतंकवाद से लगभग किनारा करने वाले हैं। इन हत्याओं से क्या लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद, जैश-ए-मोहम्मद लीडर मौलाना मसूद अजहर, हिज्बुल मुजाहिदीन और यूनाइटेड जिहाद काउंसिल प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन और पाकिस्तानी सेना में बैठे उनके आका क्या भारत के इन अभियानों से डर गए हैं? हम भारतीय भी ये मानते हैं कि एक न एक दिन इन बड़े आतंकियों का भी सफाया करने में रॉ कामयाब हो जाएगी। दूसरी तरफ, कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और अमेरिका में आतंकी संगठन खालिस्तान मूवमेंट का लीडर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के लिए भारत पर आरोप लगे हैं। अगर यह सच है तो ये दोनों मामले इसी बात के सबूत हैं कि रॉ में अभी मोसाद जैसे तकनीकी गुण नहीं आ पाए हैं। रॉ अभी मोसाद के रास्ते पर चली है, इसकी खुशी तो होनी चाहिए। एक वक्त आएगा जब मोसाद के साथ भी चलेगी। तब निशाना गुमनाम से आतंकी नहीं बल्कि आतंकियों के आका होंगे- हाफिज सईद, मसूद अजहर, सैयद सलाहुद्दीन आदि बिल्कुल इस्माइल हानिये की तरह। जिस दिन यह हुआ उस दिन भारत के लिए बहुत ही खुशनसीब दिन होगा।

मुद्दा रेप नहीं रेपिस्ट का बचाव है

राजेश कुमार पासी

अयोध्या में एक 12 साल की बच्ची का समाजवादी पार्टी के नेता द्वारा गैंगरेप बड़ा मुद्दा बना हुआ था लेकिन इसके बाद यूपी में एक और समाजवादी पार्टी के नेता का रेप कांड सुर्खियों में आ गया । उत्तर प्रदेश के कन्नौज में समाजवादी पार्टी के नेता नवाब सिंह यादव ने एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया है । इसके अलावा बंगाल में एक महिला डॉक्टर के साथ बेरहमी से निर्भया जैसा बलात्कार और हत्या करने का मामला सामने आया है । निर्भया जैसा ही एक मामला बिहार के मुजफ्फरपुर में सामने आया है । वहां तो रेपिस्ट बच्ची को घर से उसके परिवार वालों के सामने से ही उठाकर ले गये और बोलकर गए कि हम इसका रेप करेंगे । रात को आरोपी उठाकर ले गये और सवेरे लड़की की बुरी हालत में लाश मिली । भारत में हर रोज 90 बलात्कार के मामले सामने आते हैं और ये वो संख्या है जो सामने आती है । ऐसा अनुमान है कि वास्तविक संख्या इससे कई गुना ज्यादा हो सकती है क्योंकि ज्यादातर मामले सामाजिक दबाव के कारण दर्ज ही नहीं किये जाते । बलात्कार केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक मुद्दा भी है क्योंकि इसके कारण महिलाओं के लिए बाहर निकलना मुश्किल होता जा रहा है । कई क्षेत्रों में इसी डर से लोग अपनी बच्चियों को दूर पढ़ने नहीं भेजते हैं । रात को महिलाओं को घर से निकलने से रोकने का कारण भी यही है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं । इन अपराधों के लिए किसी राजनीतिक दल को नहीं कोसा जा सकता क्योंकि सरकार किसी की भी आये, ऐसे मामले रुकते नहीं हैं । जहां कानून व्यवस्था ठीक नहीं है, वहां ऐसे मामले ज्यादा सामने आते हैं । कुछ राज्यों में महिलाओं के प्रति गलत सोच के कारण भी महिलाओं के प्रति अपराध औसत से ज्यादा होते हैं । निर्भया कांड के बाद पूरे देश में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हुए थे । इस कांड के बाद ही सरकार ने महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के लिए कानून में सख्त सजा के प्रावधान कर दिए थे लेकिन कानून की सख्ती के बाद ही महिलाओं के प्रति अपराधों में कोई कमी दर्ज नहीं की गई है । वास्तव में हमारी व्यवस्था और समाज की सोच यही है कि कानून बनाने से अपराध कम किये जा सकते हैं । कानून से नशे की समस्या खत्म होने की जगह बढ़ती जा रही है । भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून कुछ नहीं कर पा रहा है । ये सोचना ही गलत है कि कानून बनाने से सामाजिक समस्याओं को खत्म किया जा सकता है ।

बलात्कार केवल कानून व्यवस्था की समस्या नहीं है बल्कि ये एक सामाजिक समस्या है । कई बार बलात्कार केवल इसलिए किया जाता है ताकि लड़की या उसके परिवार को सजा दी जा सके । कानून व्यवस्था उन बलात्कारियों को रोक सकती हैं जो लड़की को अकेला पाकर इस घिनौने काम को अंजाम देते हैं ।

क्या ट्रेनी डॉक्टर से हैवानियत राजनीति को बदलेगी ?

अशोक भाटिया

कोलकाता में डॉक्टर से रेप का मामला अब राजनीतिक रंग में बदलता जा रहा है। विपक्ष के विरोध और प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा दावा कर दिया है। बंगाल की मुख्यमंत्री का कहना है कि शेख हसीना की तरह ही उनके खिलाफ भी साजिश हो रही है। उनके अनुसार प्रदर्शन के नाम पर बांग्लादेश की तरह ही मेरी सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है। ममता बनर्जी के इस दावे के बीच सवाल उठता है कि कोलकाता रेप केस में बंगाल के मुख्यमंत्री को साजिश और सरकार गिराने के षड्यंत्र का डर क्यों सता रहा है?बंगाल में कोलकाता रेप केस के बाद सबसे ज्यादा मुखर विपक्ष ही है। वाम मोर्चा का छात्र संगठन स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया पूरे आंदोलन को लीड कर रहा है। भाजपा भी दिल्ली से लेकर कोलकाता तक एक्टिव है। शुक्रवार को भाजपा ने चक्का जाम तो सीपीएम ने बंद का ऐलान किया । राजनीतिक तौर पर इन दलों की कोशिश बंगाल में ममता की घेराबंदी है। राजनीतिक दलों के अलावा बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस भी इस केस में एक्टिव हैं। बोस गुरुवार को अस्पताल भी पहुंचे थे। उन्होंने यहां पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस देश मे मां-बहनों की पूजा होती है लेकिन बंगाल में नहीं होती है। बंगाल में महिलाओं के लिए रात नहीं है।

यह पहली बार है जब बंगाल में किसी भी मुद्दे पर विपक्ष के सभी दल ममता बनर्जी के खिलाफ मुखर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से इसे जघन्य अपराध और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही है। राहुल गांधी पहले ही प्रशासन पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगा चुके हैं।सीपीएम भी ममता के खिलाफ मुखर ही है। चूंकि मामला महिलाओं से जुड़ा है, इसलिए ममता बनर्जी की इसकी राजनीतिक अहमियत समझती हैं। बंगाल में महिलाएं हमेशा से राजनीति के केंद्र में रही हैं और महिलाएं ममता की पार्टी का कोर वोटर्स मानी जाती हैं। 2012 में दिल्ली गैंगरेप के इसी तरह का उबाल राजधानी में था, जिसका असर 2013 के चुनाव में देखा गया। कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार बुरी तरह हार गई। बंगाल में सरकार गिरने का डर ममता को इसलिए भी सता रहा है क्योंकि इस घटना के बाद राज्य के कई हिस्सों में प्रदर्शन शुरू हो गया है। गुरुवार रात जिस तरह से कोलकाता में आरजी कॉलेज के बाहर प्रदर्शन हुआ, उससे इंटेलिजेंस और पुलिस की भी भूमिका पर सवाल उठ रहा है। ममता सरकार के 13 साल में शायद पहली बार सत्ता विरोधी माहौल बनता दिख रहा है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या ट्रेनी डॉक्टर से हैवानियत पश्चिम बंगाल की राजनीति को बदलने वाली साबित होगी क्योंकि कोलकाता में डॉक्टर से रेप और मर्डर केस पर ममता बनर्जी चौतरफा घिर गई हैं। एक तरफ जहां विरोधी प्रशासन की लापरवाही को मुद्दा बनाकर उनसे इस्तीफा मांग रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ उनकी पार्टी के नेता और सहयोगी भी ममता सरकार पर हमलावर हैं।

हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है जब किसी मुद्दे पर बंगाल सरकार की इतनी फजीहत हो रही है। पहले भी संदेशखाली का मामला हो या फिर आसनसोल हिंसा। ममता बनर्जी बैकफुट पर रह चुकी हैं। लेकिन इन फजीहतों के बावजूद ममता बनर्जी के सियासी कद पर कोई फर्क नहीं आया। उनकी पार्टी इन इलाकों में लगातार जीत दर्ज करती रही। ऐसे में अब सवाल उठ रहा है कि क्या इस बार ममता कोलकाता रेप केस के आरोपों से राजनीतिक नुकसान को रोक पाएंगी? कहा जाता है कि ममता बनर्जी जब भी सियासी मुश्किल में घिरती हैं तो पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरती हैं लेकिन इस बार उनके सामने चुनौती बहुत कड़ी है। ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी की तुलना दिल्ली में निर्भया केस से की जा रही है लेकिन पश्चिम बंगाल के लोगों को इस संवेदनशील घटना पर ममता सरकार का रवैया हैरान कर रहा है। लोग भड़के हुए हैं। पश्चिम बंगाल की पुलिस पर आरोप है कि उसने इतने वीभत्स कांड में भी टाल मटोल वाला रवैया अपनाया जिसकी वजह से सीबीआई को जांच का जिम्मा सौंपना पड़ा मगर सीबीआई की जांच के पहले ही दिन आधी रात को हंगामा मच गया। आधी रात को हजारों की संख्या में लोगों ने मेडिकल कॉलेज पर हमला कर दिया। सवाल उठे कि रात के अंधेरे में हजारों की भीड़ कहां से आ गई? क्या ये हमला सबूतों को मिटाने की साजिश थी? क्या सी बी आई जांच में कुछ बड़ा सच सामने आने वाला था? इधर ममता बनर्जी ने कहा है कि ये हमला भाजपा और वामदलों ने बाहरी लोगों से कराया है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या जांच में लापरवाही के आरोपों के बीच ममता बनर्जी का केस को सीबीआई को सौंपना क्या उनकी घटती ताकत का संकेत है? ममता बनर्जी ने लगातार CBI-ED जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का विरोध किया और अक्सर उन्हें विपक्षियों को परेशान करने का मोदी सरकार का औजार बताया। उंगलियां सीधे कोलकाता पुलिस पर उठ रही हैं। भाजपा के साथ-साथ, अस्पताल के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्र भी कह रहे हैं कि पुलिस ने उपद्रवियों को रोकने की कोशिश नहीं की। कोलकाता में जो कुछ हो रहा है। उससे तृणमूल कांग्रेस को जनता के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है।

टीएमसी नेता शांतनु सेन के आरजी कर अस्पताल पहुंचने पर 'गो बैक' के नारे लगे। 2011 में मुख्यमंत्री बनने के बाद ये शायद पहली बार है कि TMC प्रमुख को सार्वजनिक रूप से राज्य पुलिस बल की कमियों को स्वीकार करना पड़ा। सवाल ये है कि क्या इसकी वजह कोलकाता रेप और मर्डर केस को लेकर पश्चिम बंगाल और देश का गुस्सा है, जिसे जानकार बंगाल की राजनीति का नया सिंगूर कांड मान रहे हैं।

अस्पताल प्रशासन यानी तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष, वो संदीप घोष जिन पर शुरुआत से ही मामले में भटकाने के आरोप लगते रहे। उनका इस्तीफा अस्वीकार करके ममता सरकार ने उन्हें दूसरे कॉलेज का प्रिंसिपल क्यों बना दिया? लेकिन इससे भी ज्यादा तीखे सवाल टीएमसी नेताओं की चुप्पी पर उठे। कोलकाता रेप केस में मचे बवाल के बीच सवाल उठ रहा है कि क्या विपक्ष को इसका फायदा होगा? इस सवाल को दो तरह से समझ सकते है । पहला कोलकाता रेप केस का मामला अब सीबीआई के पास है। सीबीआई केंद्र सरकार के अधीन है और केंद्र मे एनडीए की सरकार है। आने वाले वक्त में इस केस में सीबीआई की जांच से अगर कुछ ठोस निकलता है, तब तो भाजपा ममता बनर्जी की सरकार पर मुखर हो सकती है। अगर नहीं निकलता है तो ममता की पार्टी सीबीआई के जरिए उलटे भाजपा पर निशाना साधेगी।दूसरा बंगाल में वर्तमान में आंदोलन का नेतृत्व एसएफआई के पास है। राजनीतिक फायदा चुनाव के वक्त में मिलता है। बंगाल में अभी विधानसभा और पंचायत चुनाव में काफी वक्त है। एसएफआई जिस संगठन की छात्र इकाई है, उसका बंगाल में काफी कमजोर ऑर्गेनाइजेशन है। ऐसे में इस बात की संभावनाएं कम है कि एसएफआई इस केस में कोई फायदा ले ले। सवाल यह भी उठता है कि क्या बंगाल का बांग्लादेश जैसा हाल संभव है? जैसा कि ममता आरोप लगाती है तो उसके उत्तर में कहा जा सकता है कि बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में काफी फर्क है। बांग्लादेश एक स्वतंत्र देश है, जबकि पश्चिम बंगाल भारत का एक राज्य भर है।

बंगाल में अगर राजनीतिक स्थिरता जैसी स्थिति बनती है तो मुख्यमंत्री को हटाकर केंद्र अपने कब्जे में ले सकती है। इसके लिए संविधान के अनुच्छेद-356 में प्रावधान भी किया गया है।इसलिए हर राज्य में केंद्र अपने प्रतिनिधि के तौर पर राज्यपाल की नियुक्ति करता है।

राम रहीम को फरलो: क़ानून का मखौल !

रजनीश कपूर

जब भी किसी अपराधी का अपराध सिद्ध हो जाता है तो उसे अदालत उचित सज़ा सुनाकर जेल भेज देती है। जेल में हर अपराधी, जो दोषी करार दिया जाने के बाद सज़ा काटता है उसे जेल के नियम के तहत अपनी सज़ा पूरी करनी पड़ती है। अपराधी चाहे पेशेवर गुंडा हो, कोई आम आदमी हो जिसके द्वारा किसी विशेष परिस्थिति में अपराध हुआ हो या फिर कोई रसूखदार व्यक्ति हो, क़ानून सबके लिए एक समान है। परंतु क्या ऐसा वास्तव में होता है? क्या हमारी जेलों में सभी के साथ एक जैसा व्यवहार होता है? रसूखदार क़ैदियों के संदर्भ में इस सवाल का जवाब प्रायः आपको 'नहीं' में ही मिलेगा।ऐसा क्या कारण है कि जेल के नियम और कायदों को तोड़-मरोड़ कर रसूखदार क़ैदियों को 'विशेष सुविधाएँ' दी जाती है? आए दिन हमें ऐसी खबरें पढ़ने को मिलती हैं । जब कभी रसूखदार अपराधी को अदालत से सजा मिलती है तो आम लोगों के मन में यही शक रहता है कि जेल में जा कर भी वो व्यक्ति ऐशो-आराम की ज़िंदगी ही जियेगा। हद तो तब हो जाती है जब इस प्रभावशाली व्यक्ति को अपनी सज़ा के दौरान ही कई बार पैरोल या फरलो मिल जाती है। रसूखदार क़ैदियों को दिये जाने वाले इस विशेष व्यवहार पर जब राजनैतिक तड़का लगता है तो यह व्यवहार कई गुना बढ़ जाता है। यदि यह रसूखदार क़ैदी किसी ऐसे धार्मिक पंथ का मुखिया हो जिसके लाखों या करोड़ों भक्त हों, तो राज्य सरकार हर चुनाव से पहले उसे पैरोल या फरलो पर छोड़ने में देर नहीं करती।डील यही होती है कि तुम अपने चेलों से हमें वोट दिलवओ और बदले में जेल के भीतर और बाहर मौज मारो। ताज़ा मामला डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख बाबा गुरमीत राम रहीम का है। डेरा प्रमुख को एक हत्या और दो बलात्कार के मामलों में अदालत द्वारा दोषी पाया गया है। परंतु उल्लेखनीय है कि बीते वर्षों में यह अपराधी लगभग 300 से अधिक दिनों तक जेल के बाहर रहा। ग़ौरतलब है कि जिस अपराधी पर इतने संगीन आरोप लगे हों और वो दोषी सिद्ध हो गया हो उस पर बार-बार इतनी मेहरबानी क्यों की जा रही है? डेरा प्रमुख के 6 करोड़ से ज़्यादा भक्त हैं, जो राम -रहीम के एक इशारे पर कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। ऐसे में यदि इनके डेरे का झुकाव किसी एक राजनैतिक दल के साथ हो तो उस दल को इनके अनुयाइओं का वोट मिलना तो तय ही माना जाएगा। इसीलिए कई राजनैतिक दल इनका आशीर्वाद लेने की क़तार में खड़े रहते हैं। यहाँ ये चर्चा करना बेमानी है कि इतना सब काला सच सामने आने के बाद भी उनके चेलों की आस्था उनमें कैसे बनी रहती है? इस संदर्भ में यहाँ पैरोल और फरलो को समझना ज़रूरी होगा। जेल नियम के तहत एक साल में अधिकतम 100 दिन तक किसी भी क़ैदी को जेल से बाहर रहने दिया जा सकता है। इसमें 30 दिन की फरलो और 70 दिन का पैरोल शामिल है। जो भी राजनैतिक पार्टी सत्ता में होती है वो हर पार्टी अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए इस प्रावधान का दुरुपयोग करती आई है। आपको ऐसे कई उदाहरण मिल जाएँगे जहां सत्ताधारी दल ने ऐसे रसूखदार क़ैदियों के लिए विशेष कदम उठा कर उसे अधिक से अधिक समय तक जेल से बाहर रखा है। ऐसे हालात में, ऐसे किसी भी क़ैदी, जिसे कैद-ए-बामशक्कत की सज़ा सुनाई गई हो, उससे आप जेल में किसी भी तरह के श्रम की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? जब-जब ऐसे दुर्दांत अपराधियों को जेल के नियम का दुरुपयोग कर जेल के बाहर भेजा जाता है तब तब उस अपराधी से पीड़ित रहे परिवार ख़ुद को बेबस महसूस करते हैं। हाल ही में एक टीवी डिबेट में बोलते हुए जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी डॉ एस पी वैद ने गुरमीत राम रहीम के बार-बार पैरोल या फरलो पर बाहर आने को एक 'क्लासिकल केस' बताया।

इतना ही नहीं उनके अनुसार, "यह देश का अकेला ऐसा मामला है जहां एक दुर्दांत अपराधी को इतनी बार जेल से बाहर रखा गया है। ऐसे मामले को तो किसी विश्वविद्यालय या पुलिस अनुसंधान विभाग द्वारा एक 'केस स्टडी' बनाया जाना चाहिए। जहां ये अध्ययन हो कि कैसे इस मामले में क़ानून की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। इस रसूखदार दुर्दांत अपराधी को हर राजनैतिक दल का समर्थन प्राप्त है। इसलिए ये खुलेआम देश के क़ानून का मज़ाक़ बना रहा है। यदि गुरमीत राम रहीम द्वारा कोई भी पीड़ित व्यक्ति सर्वोच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाए तो इसे मिली इस विशेष सुविधा को तुरंत रद्द किया जा सकता है। गुरमीत राम रहीम जैसे रसूखदार क़ैदियों को चुनावों के आसपास ही पैरोल और फरलो क्यों मिलती है इस बात पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है।" सवाल उठता है कि क्या देश का क़ानून मामूली क़ैदियों और रसूखदार क़ैदियों के लिए अलग है? क्या दोनों का अपराध मापने के दो मापदंड हैं। इस पर क़ानून के जानकारों का कहना है कि देश की सर्वोच्च अदालत ने ऐसे कई फ़ैसले सुनाए हैं जहां पर पैरोल और फरलो दिये जाने के लिए स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं कि किन-किन परिस्थितियों में क़ैदियों को पैरोल और फरलो दिया जा सकता। इतने अधिक समय के लिए पैरोल और फरलो दिये जाने से क़ैदी को दी गई सज़ा के मायने ही कम हो जाते हैं। ऐसा सिर्फ़ इसलिए क्योंकि कोई रसूखदार क़ैदी बलात्कार और हत्या जैसे संगीन अपराध करने के बावजूद अपने राजनैतिक संपर्कों के चलते जेल प्रशासन को अपना 'अच्छा चाल चलन' दिखाने में कामयाब हो जाता है। देश भर की जेलों में लगभग 6 लाख क़ैदी बंद हैं। इनमें से 75 प्रतिशत क़ैदियों का अभी तक ट्रायल भी पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन क़ैदियों का ट्रायल भी पूरा नहीं हुआ उनके मानवाधिकार का हनन क्यों किया जा रहा है? उन्हें पैरोल और फरलो क्यों नहीं मिल रही? जिस तरह राम रहीम जैसे एक रसूखदार अपराधी को चुनावों के आसपास ऐसे लाभ बार-बार मिल रहे हैं, तो ऐसे में देखना यह होगा कि क्या देश की सर्वोच्च अदालत इस 'विशेष छूट' का स्वतः संज्ञान लेती है या नहीं?

स्वतंत्रता और सुशासन

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

न्यू इंडिया के रोडमैप पर कार्य करना समय की मांग है। इसके माध्यम से भारत विश्व के विकसित देशों में शामिल होगा। इसके अंतर्गत पांच ट्रिलियन की भारतीय अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल किया जाएगा। जब देश का माहौल बेहतर होता है, जब बाह्य व आंतरिक सुरक्षा मजबूत होती है, तब अर्थव्यवस्था को भी गति मिलती है। आंतरिक व बाह्य सुरक्षा और अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। देश की पन्द्रह हजार किमी की लैंड बाउंड्री पचहत्तर हज़ार की कोस्टल बाउंडरी है। इस सीमा में अभेद सुरक्षा तंत्र बनाने की जरूरत है। दुश्मन को कही भी जगह देने की जरूरत नही मिल सकेगी। नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल के प्रारंभ में कहा था कि अनावश्यक कानून बोझ की तरह है। उनकी सरकार ने ऐसे अनेक कानूनों को समाप्त किया। ब्रिटिश राज में बने आइपीसी सीआरपीसी जैसे कानून अब अप्रासंगिक हो चुके थे। इनमें सुधार किया गया। संघीय ढांचे का सम्मान करते हुए सरकार इस दिशा में कदम उठाए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने भी इस दिशा में बेहतर कार्य किया है। सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में प्रदेश की कानून-व्यवस्था ने बड़ी भूमिका निभायी है। रूल ऑफ लॉ की स्थापना से देश-विदेश में प्रदेश का पर्सेप्शन बदला है। प्रदेश सरकार की सही नीति, साफ नीयत और सफल क्रियान्वयन से अपराधों में उल्लेखनीय कमी आयी है। सरकार ने सुशासन और संस्कृति का सुंदर समन्वय किया है। इसमें सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास समाहित है। यह शासन का स्थाई तत्व है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण व भव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में है। संस्कृति और सुशासन को नया आयाम दिया है। प्रदेश में गत वर्ष लगभग पचास करोड़ पर्यटकों का आगमन हुआ, जो देश में सर्वाधिक हैं। ब्रज तीर्थ विकास परिषद, विन्ध्यधाम तीर्थ विकास परिषद, नैमिषधाम तीर्थ विकास परिषद, चित्रकूटधाम तीर्थ विकास परिषद, देवीपाटनधाम तीर्थ विकास परिषद, शुकतीर्थधाम तीर्थ विकास परिषद तथा अयोध्याधाम तीर्थ विकास परिषद के नियोजित विकास का कार्य प्रगति के साथ आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी गई। इसलिए देश विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। समर्पण और टीम इंडिया की भावना के साथ देश के लोकतंत्र को एक नई दिशा दी है। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रारम्भ करने जा रही है। इसके तहत राज्य सरकार दस लाख नई एमएसएमई इकाइयां स्थापित करने के लिए युवाओं की आर्थिक मदद करेगी। उत्तर प्रदेश आज अनलिमिटेड पोटेन्शियल वाले राज्य के रूप में स्थापित हो चुका है। प्रभावी रिसोर्स मोबिलाइजेशन से उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में देश में स्थापित हुआ है। राष्ट्रीय जीडीपी में नौ प्रतिशत से अधिक योगदान के साथ उत्तर प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। विगत सात वर्षों में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में हमें सफलता प्राप्त हुई है। उत्तर प्रदेश के ट्रांसफॉर्मेशन की चर्चा राष्ट्रीय अन्तरराष्ट्रीय मंचों पर है। यहां के ट्रांसफॉर्मेशन, परफॉर्मेंस तथा स्पीड को दुनिया बड़ी उत्सुकता से देख और सराह रही तथा प्रेरणा ले रही है।प्रदेश में अब तक हुए निवेश से करीब एक करोड़ पैसठ लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं को अपनाकर लाखों युवा स्वरोजगार से जुड़े हैं। स्टार्ट-अप इकाइयों के वित्त पोषण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा स्टार्टअप फण्ड की स्थापना की गयी है। आजमगढ़ में महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, सहारनपुर में माँ शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय संचालित हो चुके हैं। मुरादाबाद में गुरु जम्भेश्वर के नाम पर राज्य विश्वविद्यालय, देवीपाटन मण्डल में माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय, मीरजापुर मण्डल में माँ विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय तथा कुशीनगर में महात्मा बुद्ध के नाम पर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का कार्य आगे बढ़ चुका है। लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय बन कर तैयार है। गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण तेजी से पूर्ण हो रहा है। प्रदेश का पहला खेल विश्वविद्यालय मेरठ में निर्माणाधीन है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में अब तक दो करोड़ बांसठ लाख किसानों के खाते में पछत्तर हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि अन्तरित की जा चुकी है। उत्पादन में चौदह प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जनपद आगरा में अन्तरराष्ट्रीय आलू केन्द्र का साउथ एशिया रीजनल सेण्टर स्थापित किया जा रहा है। सत्ताइस जनपदों में गंगा जी के तटीय क्षेत्रों तथा बुन्देलखण्ड में लगभग एक लाख चौबीस हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में जैविक खेती तथा गौआधारित प्राकृतिक खेती को प्रारम्भ किया गया है।

वाद विवाद विजेता

डॉ टी महादेव राव

मॉर्निंग वॉक के लिए इतने सज संवर के जाने की जरूरत है क्या? ट्रैक पहन रहा था कि श्रीमती ने टोका। मैं सज संवर के जा रहा हूं? दो दिन से बढ़ी दाढ़ी, तीन दिन से वही टी शर्ट और ट्रैक, डेढ़ साल से वही शूज। चेहरे पर नींद की खुमारी। बेतरतीब बाल। तुम्हें इसमें सजना संवरना कहां नजर आता है? सजना संवरना तुम्हारे चेहरे को देख के कहा जा सकता है। उठते ही आधा किलो मेकप बाकी काम बाद में। मैं सुंदर दिखती हूं इसलिए तुम्हें जलन है। कितनी गलतफहमियों में लोग जीते हैं भगवान। व्यक्ति से सबसे बड़ा झूठ कौन बोलता है जानती हो? कौन? आईना और कौन। सुंदर दिखता है हर आदमी को खुद का प्रतिबिंब। इसी मुगालते में जिए जा रहा है आदमी। तो मैं सुंदर नहीं हूं। आईना झूठ बोलता है। जब शादी हुई तब तो हर रोज मेरी सुंदरता के कसीदे काढ़ते रहे तुम। अब मैं कुरूप हो गई हूं। उस समय कुछ खुमारी नई नई शादी की। उस वक्त तुम सैतालीस किलो की कोमलांगी थीं। आज चौदह साल बाद सत्तर बहत्तर किलो की मोटांगी हो गई हो। फर्क तो पड़ेगा ही न? और तुम पहले साठ किलो वजन के बांके जवान थे। अब पचासी किलो वजन के समुराई पहलवान बन गए हो।

चौदह साल की शादी के बदले बनवास हो जाता तो अच्छा था। अब तक बनवास पूरा हो जाता मैं अपनी राजधानी लौट आता। जूतों में फीते बांधते हुए मैने फुसफुसाकर कहा।

लेकिन श्रीमती जी ने सुन लिया। मेरे साथ जीवन बिताना तुम्हें बनवास लगता है? इतनी तकलीफें और परेशानियां दे रही हूं तुम्हें। किसने कहा बनवास में तकलीफें और परेशानियां होती हैं? शुद्ध ऑक्सीजन, नदियों का शुद्ध पानी, प्रदूषणमुक्त शुद्ध और स्वच्छ हवा, ताजे फल, कंदमूल। प्रकृति की गोद में जीवन और भी मधुर हो जाता है।

लेकिन एक तकलीफ तो है। बस पैदल चलना होता है। कोई वाहन नहीं, कोई गाड़ी नहीं। कुटी बनाकर एक जगह रहना शुरू किए तो बस। मजा आ जाएगा। बनवास की तरह तुम्हारा साथ भी बड़ा सुखमय रहा, यह कह रहा था। मुझे शक है तुमने बनवास और वापसी राजधानी कहा है, इसमें कोई और ही अर्थ छिपा लगता है मुझे। मैं जाऊं वॉक के लिए। बड़े आतुर हो। कोई खास व्यक्ति से मुलाकात की ललक लगती है। ऐसा है तो मेरा जीपीएस ऑन करता हूं, जिससे तुम्हें मेरे रास्ते का पता चलेगा। ठीक है। तुम अपना फोन किसी को पकड़ाके तुम उस लड़की से मिलने चले जाओ तो। मैंने माथा पीट लिया। ऐसा है तो तुम भी चलो साथ में। कोई प्राब्लम नहीं। तुम्हारा मन भी शांत हो जाएगा। मैं भी इत्मीनान से वॉक कर सकूंगा। उसने मुस्कुरा दिया। इतने में नीचे से आवाज आई भाभी भैया जागे कि नहीं? हम दोनों बालकनी में आए। देखा। छोटू खड़ा था। क्या हो रहा है भैया? मैंने कहा वाद विवाद प्रतियोगिता हो रही थी। छोटू ने कहा भाभी! आपको विजेता बनने पर बधाई। मैंने कहा छोटू। तू नीचे रुक मैं आ रहा हूं विजेता के देवर!

रक्षाबंधन के बाद कब खोलनी चाहिए राखी?

उसे कहां पर रखें?

इस बार रक्षाबंधन का त्योहार 19 अगस्त सोमवार को है। इस बार रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ समय दोपहर में 1:30 बजे से रात 9:08 बजे तक है। रक्षाबंधन को सुबह में राखी बांधने का मुहूर्त नहीं मिल रहा है क्योंकि सुबह में भद्रा है। यह भद्रा पाताल की है।

रक्षाबंधन का त्योहार भाई और बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है। इस दिन शुभ मुहूर्त के समय में बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। राखी बांधने के लिए भी शुभ समय की प्रतीक्षा की जाती है, ताकि वह भाई के सुख, समृद्धि और उन्नति में सहायक हो। रक्षाबंधन के दिन राहुकाल और भद्रा का त्याग किया जाता है। राहुकाल और भद्रा दोनों ही अशुभ होते हैं। राखी बांधने के लिए उस समय का चयन करते हैं, जिसमें भद्रा और राहुकाल न हो। रक्षाबंधन पर बांधी गई राखी को भाई अपनी कलाई पर कई दिनों तक बांधें रखते हैं, कुछ तो पूरे साल तक बांधें रखते हैं। क्या पूरे साल राखी बांधें रखनी चाहिए? रक्षाबंधन के बाद राखी कब खोल देनी चाहिए?

रक्षाबंधन पर राखी बांधने का मुहूर्त

कब खोलनी चाहिए राखी?

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि रक्षाबंधन का त्योहार सावन पूर्णिमा को मनाते हैं। उस दिन जब आपकी कलाई पर राखी बांध दी जाए तो उसे कम से कम 24 घंटे तक बांधे रखें।

24 घंटे यानी एक दिन बीत जाने पर उस राखी को खोलकर उतार देना चाहिए। कई स्थानों पर लोग रक्षाबंधन से जन्माष्टमी तक राखी बांधे रखते हैं। उसके बाद उसे खोलकर रख देते हैं। राखी खोलने को लेकर कोई निश्चित दिन या समय नहीं है। शास्त्रों में भी इसका कोई उल्लेख नहीं मिलता है। इस वजह से लोग कई दिनों तक राखी बांधे रखते हैं। हालांकि शास्त्रों में शुद्धता का बड़ा महत्व है। यदि आप कई दिनों तक राखी बांधकर रखते हैं तो वह अशुद्ध हो जाता है, जिससे दोष लगता है।

सावन पूर्णिमा के बाद भाद्रपद पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होता है, उस दौरान भी आप राखी बांधे रखते हैं तो वह अशुद्ध हो जाती है। अशुद्ध वस्तुएं नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती हैं। इस वजह से भी राखी को एक दिन बाद उतार देना चाहिए।

रक्षाबंधन के बाद राखी का क्या करें?

अब आपके मन में सवाल होगा कि राखी को खोलने के बाद क्या करें? रक्षाबंधन के बाद राखी को खोलकर विसर्जित कर दें। उस राखी को अपने पास किसी बॉक्स में रख सकते हैं या फिर किसी देव वृक्ष पर बांध सकते हैं।

रक्षाबंधन के लिए कैसी हो राखी?

रक्षाबंधन के दिन बहनों को ऐसी राखी का चुनाव करना चाहिए, जो देखने में सुंदर, कच्चे धागे, रेशम आदि की बनी हो। प्लास्टिक से बनी राखी का उपयोग न करें। भूरे और काले रंग की राखी न बांधें। आजकल चांदी और सोने की राखी भी चलन में हैं, उसे भी बांध सकती हैं। हालांकि यह सभी के लिए संभव नहीं है।

बेहद खास है बुलाकी बाबा का ये कुआं, भक्तों का दावा- इसके जल से कई बीमारियां होती है ठीक

मथुराः श्रीकृष्ण की लीलाओं से समृद्ध बृजभूमि आज भी कान्हा की कहानियों को जीवंत करती है। यहां कदम-कदम पर श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी अनमोल धरोहरें और पौराणिक स्थलों के दर्शन होते हैं। ऐसी ही एक धरोहर मथुरा में स्थित एक प्राचीन कुआं है, जिसे "बुलाकी बाबा का कुआं" कहा जाता है। इस कुएं के जल को चमत्कारी माना जाता है, जो विभिन्न बीमारियों को दूर करने में सक्षम है। यह कुआं हजारों सालों से यहां मौजूद है और आस्था का केंद्र बना हुआ है।

मथुरा शहर में स्थित इस प्राचीन कुएं को बाबा बुलाकी के नाम से जाना जाता है। मान्यता के अनुसार, यह कुआं लगभग 4000 से 5000 साल पुराना है। कंकाली मंदिर के सेवायत पुजारी चंद्रशेखर पंडित बताते हैं कि इस कुएं के जल में अद्भुत और दिव्य शक्तियां थीं, जो जल को ग्रहण करने से सभी बीमारियों को दूर कर देती थीं। मथुरा और आसपास के क्षेत्रों से लोग यहां आकर जल ग्रहण करते थे और अपने साथ ले जाते थे।

"कुएं वाले" का मेला

कुएं की प्राचीनता को बनाए रखने के लिए हाल ही में इसे पुनः जीवित किया गया है। हर साल आषाढ़ के महीने में यहां "कुएं वाले" का मेला लगता है, जिसमें ब्रज क्षेत्र के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। यह मेला इतना विशाल होता है कि हजारों की संख्या में लोग इस प्राचीन कुएं के दर्शन और जल ग्रहण करने के लिए जुटते हैं।

कई बीमारियों का इलाज

कंकाली टीले के पास स्थित इस कुएं के जल से कई प्रकार की बीमारियां दूर हो जाती हैं। कहा जाता है कि इस जल से चर्म रोग, बुखार, दाद, खाज, खुजली, और पथरी जैसी गंभीर बीमारियां खत्म हो जाती हैं। बाबा बुलाकी के नाम से प्रसिद्ध इस कुएं का जल विशेष रूप से पथरी के इलाज में उपयोगी माना जाता है।

बीमारी ठीक होने का दावा

सदियों से लोग इस कुएं के जल को ग्रहण कर अपने साथ ले जाते रहे हैं, और यह मान्यता है कि इसका सेवन करने से पथरी जैसी घातक बीमारियां ठीक हो जाती हैं। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु इस मेले में भाग लेने के लिए आते हैं और इस चमत्कारी जल का लाभ उठाते हैं।

बुलाकी बाबा का इतिहास

किंवदंतियों के अनुसार, बाबा जाहरवीर के नाजायज बेटे बुलाकी महाराज को इस कुएं से जुड़ा माना जाता है। कहा जाता है कि बुलाकी महाराज को इस कुएं में फेंक दिया गया था, लेकिन उनकी दिव्य शक्तियों के कारण यह कुआं आज भी आस्था का प्रतीक बना हुआ है। मथुरा के इस पौराणिक कुएं के प्रति लोगों की आस्था अटूट है और यह कुआं सदियों से ब्रजभूमि की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बना हुआ है।

भगवान विष्णु की तरह शिवजी ने भी लिए हैं अवतार

नृसिंह भगवान का क्रोध शांत किया था शरभ देव ने हनुमान और अश्वत्थामा भी हैं शिवजी के अवतार

सावन महीने में शिव जी की पूजा के साथ ही उनकी कथाएं पढ़ने-सुनने की भी परंपरा है। शिव जी से जुड़ी कई कथाएं प्रचलित हैं, कुछ कथाएं उनके अवतारों से जुड़ी हैं। विष्णु जी की तरह ही शिव जी ने भी कई अवतार लिए हैं। शिव पुराण में भगवान के अलग-अलग अवतारों की कथाएं हैं। जानिए शिव जी के कुछ खास अवतारों के बारे में...

नृसिंह भगवान का क्रोध शांत किया शरभ अवतार ने

विष्णु जी ने हिरण्यकश्यप का वध करने के लिए नृसिंह अवतार लिया था। नृसिंह विष्णु जी का रोद्र स्वरूप हैं, उनका क्रोध शांत ही नहीं हो रहा था। तब शिव जी ने शरभ अवतार लिया। इस अवतार का आधा स्वरूप हिरण और आधा शरभ पक्षी की तरह था। शरभ आठ पैर वाला एक जानवर था, जो कि शेर से भी ज्यादा शक्तिशाली था। शरभ देव में नृसिंह से युद्ध किया और उनका क्रोध शांत किया था।

पिप्पलाद मुनि के नाम के जप से दूर होते हैं शनि दोष

दधीचि ऋषि के पुत्र पिप्पलाद मुनि भी शिव जी के अवतार माने गए हैं। दधीची अपने पुत्र बालक पिप्पलाद को छोड़कर चले गए थे। बड़े होने के बाद एक दिन पिप्पलाद मुनि ने देवताओं से इसकी वजह पूछी तो देवताओं ने बताया कि शनि ग्रह की वजह से ऐसा कुयोग बना था, जिसकी वजह से पिता-पुत्र बिछड़ गए। ये सुनकर पिप्पलाद ने शनि को नक्षत्र मंडल से गिरने का शाप दे दिया था। शाप की वजह से शनि गिरने लगे। देवताओं ने पिप्पलाद मुनि से शनि को क्षमा करने की प्रार्थना की। तब पिप्पलाद ने शनि देव को किसी बच्चे के जन्म के बाद उसे 16 साल कष्ट न देने का वरदान मांगा था, शनि ने ये बात मान ली। इसके बाद से पिप्पलाद मुनि के नाम का जप करने से शनि दोष दूर हो जाते हैं।

नंदी अवतार

एक शिलाद नाम के मुनि थे। उन्होंने विवाह नहीं किया था, वे ब्रह्मचारी थे। एक दिन पितरों ने शिलाद मुनि से संतान पैदा करने के लिए कहा, ताकि उनका वंश आगे बढ़ सके।

शिलाद ने संतान पाने के लिए भगवान शिव की तपस्या की। तब शिव जी ने स्वयं शिलाद के यहां पुत्र रूप में जन्म लेने का वरदान दिया। कुछ समय बाद हल चलाते समय शिलाद मुनि को भूमि से एक बालक मिला। शिलाद ने उसका नाम नंदी रखा। शिव जी ने नंदी को गणाध्यक्ष बनाया। इस तरह नंदी नंदीश्वर बन गए।

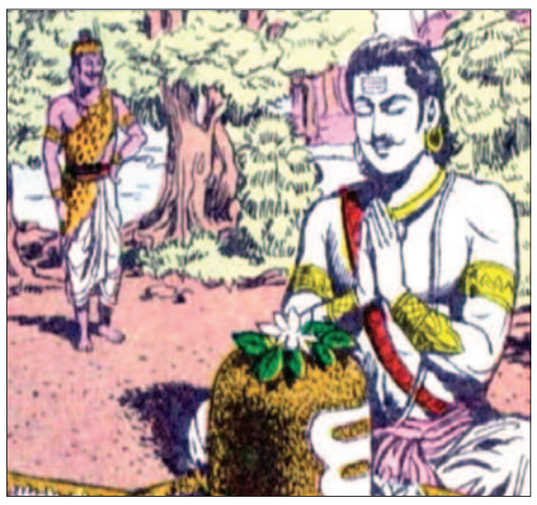

श्रीकृष्ण ने अश्वथामा को हमेशा भटकते रहने का शाप दिया

महाभारत के समय द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा को शिव जी का ही अंशावतार माना जाता है। द्रोणाचार्य ने शिव जी को पुत्र रूप में पाने के लिए तप किया था। शिव जी ने उन्हें वर दिया था कि वे उनके पुत्र के रूप में अवतार लेंगे। श्रीकृष्ण ने अश्वत्थामा के माथे पर लगी मणि निकालकर कलियुग के अंत तक भटकते रहना का शाप दिया था।

श्रीराम की मदद के लिए शिव जी ने लिया था हनुमान अवतार

त्रेतायुग में रावण वध के लिए भगवान विष्णु राम अवतार लेने वाले थे, उस समय सभी देवताओं ने राम जी मदद के लिए वानरों के रूप में और शिव जी ने हनुमान अवतार लिया था। हनुमान जी देवी सीता के वरदान की वजह से अजर-अमर हैं यानी हनुमान जी कभी बूढ़े नहीं होंगे और अमर रहेंगे। हनुमान जी की मदद से ही श्रीराम देवी सीता की खोज कर सके और रावण का वध हुआ।

अर्जुन का घमंड तोड़ने के लिए शिव जी ने लिया किरात अवतार

महाभारत में अर्जुन शिव जी से दिव्यास्त्र पाने के लिए तप कर रहे थे। उस समय एक असुर सूअर के रूप में अर्जुन को मारने के लिए पहुंच गया था। जब अर्जुन ने सूअर पर बाण छोड़ा तो उसी समय एक किरात वनवासी ने बाण सूअर को मारा था। एक साथ दोनों के बाण उस सूअर को लगे। इसके बाद अर्जुन और किरात के बीच उस सूअर पर अधिकार पाने के लिए युद्ध हुआ था। अर्जुन खुद को श्रेष्ठ धनुर्धारी मानते थे, उन्होंने वनवासी को सामान्य योद्धा समझा था, लेकिन युद्ध में किरात ने अर्जुन को हरा दिया। इसके बाद शिव जी अपने मूल स्वरूप में प्रकट हुए और अर्जुन को घमंड न करने की सीख दी। अर्जुन को अपनी गलती समझ आ गई और घमंड न करने का संकल्प लिया। इसके बाद शिव जी ने अर्जुन को दिव्यास्त्र दिए।

खेड़ापति हनुमान मंदिर का इतिहास

रामभक्त हनुमान का यह प्रसिद्ध मंदिर जिला केंद्र शाजापुर से 10 किमी दूर पिपरोदा गांव में स्थित है। मध्य प्रदेश में बसा यह मंदिर अपने अंदर प्रकृति को समाए हुए इस मंदिर से कई किंवदंतियाँ जुड़ी हुई है। इस मंदिर के इतिहास की बात करें तो कहा जाता है कि यह करीब 500 साल पुराना है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मंदिर के स्थानीय साधुओं और यहां पिछले कई पुजारी के रूप में कार्यरत पुजारी ने बताया कि हनुमान जी स्वयं यहां प्रकट हुए थे।

यहां हनुमान जी संकट हरण मंगल करण के रूप में विद्यमान हैं और माना जाता है कि वे अपने भक्तों की सभी समस्याओं को दूर कर सकारात्मक परिणाम देते हैं। पौराणिक काल में इस मंदिर के पास एक छोटा चबूतरा बना हुआ था। जिसके बाद खुदाई के दौरान, हनुमान की यह चमत्कारी मूर्ति मिली थी।

सपने में आये बालाजी महाराज

ऐसी मान्यता है की यह मंदिर पहले नहीं बना है बल्कि इस गांव के एक बुजुर्ग को सपने में बालाजी महाराज ने दर्शन दिए थे। जिसके बाद वर्ष 2000 में इस मंदिर का निर्माण किया गया। मंदिर निर्माण के दौरान ग्रामीणों ने बहुत सहयोग किया, जिसके बाद विधि-विधान से यहां हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की गयी।

मंदिर में स्थापित चमत्कारी पेड़

गांव के ही एक निवासी के अनुसार, यहां एक बहुत पुराना इमली का पेड़ है। इस पेड़ की एक खास बात है कि यह पूरी तरह से खोखला हो गया है। लेकिन उसके बाद भी यह पेड़ हरा-भरा है, यह बालाजी महाराज का ही चमत्कार है कि वह खुद इस पेड़ को रक्षा प्रदान करते हैं।

चमत्कारी हनुमान यंत्र खरीदें ऐसे लगाएं मंदिर में अर्जी

पिपरोदा गांव के स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मंदिर बहुत पुराना है। कहा जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालु यदि इस मंदिर में एक नारियल और सवा रुपये चढ़ाता है, तो हनुमान जी महाराज उसकी सभी मनोकामनाओं को जरूर पूरा करते है। मान्यता है की इस मंदिर से कभी भी कोई व्यक्ति खाली हाथ नहीं लौटा है।

नए घर की नींव में चांदी के धातु के सांप रखने के फायदे

हमारे शास्त्रों में घर के निर्माण से जुड़े कई नियम बताए गए हैं। माना जाता है कि अगर आप इन नियमों का पालन करते हैं तो घर में और परिवार के सदस्यों के बीच शांति बनी रहती है। इस लेख में आप नए घर की नींव में चांदी के धातु के सांप रखने के महत्व के बारे में जान सकते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में बताए गए अलग-अलग नियमों और सिद्धांतों से आप अपने नए घर में सकारात्मकता को आकर्षित कर सकते हैं। अपने नए घर की नींव में चांदी के धातु के सांप रखने का एक आम रिवाज है।

बुरी शक्तियों से सुरक्षा

नए घर की नींव में चांदी के सांप रखने से उसे किसी भी नकारात्मक शक्तियों से बचाने में मदद मिल सकती है। शास्त्रों के अनुसार, माना जाता है कि सांप आपको बुरी आत्माओं और दुष्ट शक्तियों से बचाते हैं। इसलिए, घर की नींव में चांदी के सांपों का एक जोड़ा आपके घर के चारों ओर आध्यात्मिक सुरक्षा कवच के प्रतीक के रूप में रखा जाता है।

नवीनीकरण का प्रतीक

जैसे साँप अपने पुराने शरीर से केंचुल उतारकर नया रूप धारण कर लेते हैं, वैसे ही घर की नींव में चाँदी की धातु से बने नर-नागिन के जोड़े को रखना परिवर्तन का प्रतीक है। अगर आपका घर पहले से मौजूद किसी दूसरे घर या

इमारत की जगह बनाया जा रहा है, तो साँपों के जोड़े को रखने से घर का सार नवीनीकृत होता है।

सकारात्मक वातावरण का प्रतीक

ज्योतिष के अनुसार, आपको अपने नए घर में सकारात्मक कंपन फैलाने के लिए इस अभ्यास का पालन करना चाहिए। चांदी की धातु चंद्रमा से जुड़ी होती है और ग्रहणशीलता, अंतर्ज्ञान और सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करती है, इसलिए, नए घर की नींव में चांदी का सांप रखने से यह सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है, जिससे आपका निवास एक सामंजस्यपूर्ण और आध्यात्मिक रूप से रहने योग्य स्थान बन जाता है।

इसके अतिरिक्त—

श्रीमद भागवत महापुराण के पांचवें स्कंद में वर्णन है कि धरती के नीचे पाताल लोक है और पाताल लोक के स्वामी शेषनाग हैं। इसलिए भूमि पूजन के दौरान चांदी के नाग-नागिन को रखते हैं, जिससे कि शेष नाग संपत्ति और घर की हमेशा रक्षा करते रहें। नाग को धन रक्षक भी माना गया है।

श्रीमद्भागवत के 10वें अध्याय के 29वें श्लोक में भगवान कृष्ण ने कहा है- अनन्तश्चास्मि नागानां यानी- मैं नागों में शेषनाग हूं। यही वजह है कि मकान की नींव में चांदी के नाग-नागिन का जोड़ा इसलिए डाला जाता है ताकि घर में भगवान का वास हो, नकारात्मक शक्तियां कभी प्रवेश न कर पाएं।

चांदी को शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। कहते हैं घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन रखने से घर में हमेशा शांति, शुद्धता बनाए रखने में मदद करता है।

वास्तु शास्त्र की मानें तो नाग-नागिन के जोड़े से वास्तु दोषों से भी छुटकारा मिलता है। घर की नकारात्मकता दूर होती है।

जूनियर एनटीआर ने ऋतिक की तारीफों के बांधे पुल, 'वॉर 2' में दिखेगा धांसू डांस सीक्वेंस

जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन जल्द ही फिल्म 'वॉर 2' में नजर आएंगे। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। ऐसा पहली बार होगा, जब दोनों स्टार्स एक ही फिल्म में एक साथ नजर आने वाले हैं। बता दें 'वॉर 2' साल 2019 में आई फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। इन दिनों 'वॉर 2' की शूटिंग तेजी से चल रही है। जूनियर एनटीआर और ऋतिक के प्रशंसक इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'वॉर 2' को लेकर प्रशंसकों में उत्साह

जब से फिल्म 'वॉर 2' की आने की घोषणा हुई है तभी से प्रशंसकों में इस फिल्म को लेकर कुछ ज्यादा ही उत्साह देखने को मिल रहा है। दरअसल, इस फिल्म में जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन का आमना-सामना होगा, जिसे देखने के लिए प्रशंसक बेकरार हैं। 'वॉर' के सीक्वल 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के अलावा कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 'वॉर 2' में अपने सह कलाकार के बारे में जूनियर एनटीआर ने एक ऐसी बात बोली है, जिसे सुनकर कोई भी दंग रह जाएगा।

फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग लगातार चल रही है ऐसे में प्रशंसक फिल्म की शूटिंग खत्म होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ताकि वह इस फिल्म को जल्द से जल्द देख सकें। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'वॉर 2' में एक धमाकेदार डांस नंबर होगा, जो ऋतिक और जूनियर एनटीआर के बीच फिल्माया जाएगा। जैसे कि पिछली 'वॉर' में ऋतिक और टाइगर के बीच 'जय जय शिवशंकर' देखने को मिला था। इस

बीच, जूनियर एनटीआर के एक पुराने वीडियो सामने आया है, जिसमें वह ऋतिक के डांस की तारीफ करते नजर आए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जब जूनियर एनटीआर से पूछा कि उनके और ऋतिक के बीच कौन बेहतर डांसर है तो बिना किसी देरी के जूनियर एनटीआर ने कहा, ऋतिक, किसी भी दिन। मैं ऋतिक की तुलना में कुछ भी नहीं हूं। सच में, मुझ पर विश्वास करें। वैसे जूनियर एनटीआर फिल्म 'आरआरआर' के गाने 'नाटू-नाटू' में अपने दमदार डांस से सभी को प्रभावित कर चुके हैं। इस गाने में उनके डांस की एनर्जी को कोई भी अभिनेता मैच नहीं कर सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'वॉर 2' में ऋतिक और जूनियर एनटीआर का आमने-सामने डांस देखने को मिलेगा। दोनों स्टार्स एक ही ट्रैक पर धमाकेदार डांस करते नजर आएंगे, जैसे कि दोनों के बीच कोई कॉम्पटिशन हो। इस गाने को प्रीतम ने कंपोज किया है और इसे फिल्म की सबसे बड़ी हाइलाइट्स में से एक माना जा रहा है।

वैसे देखा जाए तो ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर दोनों ही अपने डांस मूव्स के लिए जाने जाते हैं। प्रशंसक इस बात को लेकर ज्यादा उत्साहित हैं कि जह 'जय जय शिवशंकर' और 'नाटू नाटू' के दोनों स्टार्स एक साथ डांस फ्लोर पर आएंगे को क्या धमाल मचाएंगे। बहरहाल, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक अयान मुखर्जी 'वॉर 2' को सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं बल्कि एक मनोरंजक फिल्म बता रहे हैं। 'वॉर 2' के लिए प्रशंसकों को थोड़ा ज्यादा इंतजार करना होगा क्योंकि यह फिल्म इस साल नहीं बल्कि अगले साल 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एआर रहमान को अपने इस गुण के कारण मिली है अपार सफलता : गीतकार गुलजार

एआर रहमान भारत में अब तक के सबसे प्रतिभाशाली संगीतकारों में से एक हैं। पूर्वी और पश्चिमी दोनों संगीत शैलियों में महारत हासिल करने वाले रहमान ने इंडस्ट्री को कई बेहतरीन गानों से गुलजार किया है। भारत में कई सम्मान हासिल कर चुके रहमान को दो अकादमी पुरस्कार, ग्रैमी पुरस्कार, एक बाफ्टा और एक गोल्डन ग्लोब जैसे पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। रहमान अपने संगीत से वैश्विक म्यूजिक इंडस्ट्री को प्रभावित और प्रेरित करते रहे हैं। इसी बीच एक अन्य दिग्गज गीतकार गुलजार रहमान की तारीफों के पुल बांधते नजर आए हैं। गुलजार ने रहमान को बेहद धार्मिक इंसान बताया है। साथ ही उनके एक के बाद एक बेहतरीन गानों के पीछे की प्रेरणा का भी खुलासा करते देखे गए हैं।

अधिकांश लोग माते हैं कि संगीत निर्देशक एआर रहमान अपनी हर धुन में जादू लाते हैं। वहीं गीतकार गुलजार सोचते हैं कि यह उनकी आध्यात्मिकता है जो उनके गानों को दिव्य बनाती है। हाल ही में एक इंटरव्यू में गुलजार ने कहा कि रहमान एक बहुत धार्मिक व्यक्ति हैं। उन्होंने

कहा कि रहमान आध्यात्मिकता में विश्वास करते हैं और ईश्वर में आस्था रखते हैं।

गुलजार ने यह भी कहा कि अगर एयरपोर्ट के रास्ते में कोई दरगाह है, तो रहमान प्रार्थना किए बिना आगे नहीं बढ़ेंगे। जब भी वह अकेलापन महसूस करते हैं, अपने भीतर की शक्ति के साथ फिर से जुड़ना चाहते हैं, या ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। इसके लिए वह हाजी अली या अजमेर शरीफ जाते हैं।

गुलजार ने एआर रहमान को आध्यात्मिक व्यक्ति बताया। उन्होंने यह भी कहा कि जब भी एआर रहमान धैर्य का अनुभव करना चाहते हैं और खुद को संभालना चाहते हैं, तो वह अजमेर शरीफ जाने का प्लान बनाते हैं। इस बीच, एआर रहमान और गुलजार का सहयोग हमेशा सफल साबित हुआ है। दोनों ने मिलकर इंडस्ट्री को बेहतरीन गानों से सजाया है।

गुलजार की बात करें तो वह साल 1963 में आई फिल्म 'बंदिनी' के बाद से ही इंडस्ट्री के लिए गाने लिख रहे हैं। गुलजार ने 'मोरा गोरा अंग' गाने के साथ एक गीतकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। गुलजार ने आखिरी बार साल 2019 में आई फरहान अख्तर और प्रियंका चोपड़ा जोनस की फिल्म 'द स्काई इज पिंक'के लिए गाने लिखे थे। गीतकार ने अपनी कलम से 'मुसाफिर हूं यारों,' 'तुझसे नराज नहीं जिंदगी,' 'सत्रंगी रे,' 'वो शाम कुछ अजीब थी,' 'मेरा कुछ सामना' और 'मैंने तेरे लिए' जैसे यादगार गाने लिखे हैं।

काम से छुट्टी लेकर परिवार को समय दे रहे हैं बिग बी, शादीशुदा जोड़ों की दिया खास संदेश

दिग्गज कलाकार अमिताभ बच्चन उम्र के इस पड़ाव पर भी काफी सक्रिय हैं। हाल में ही उन्होंने फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अपनी अदाकारी से दर्शकों को मोहित कर दिया था। वही, अब अभिनेता 'कौन बनेगा करोड़पति' के एक और सीजन के साथ दर्शकों के बीच लौट आए हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने सोशल मीडिया पर बताया है कि वह काम में काफी व्यस्त हैं, उन्होंने अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक दिन की छुट्टी ली थी।

उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा, एक शांत दिन.. शरीर पर काम करते हुए बिताया.. और परिवार के साथ.. वह अजीब छुट्टी का दिन जब सभी लंबित कार्यों को पूरा करने की आवश्यकता होती है... पिछले कुछ दिन स्टूडियो में इतने व्यस्त रहे कि एक पूरा ब्लॉग नहीं भेज पाया.. लेकिन आने वाले दिनों में उम्मीद है कि संपर्क के लिए समय बिताने के लिए थोड़ा और समय निकाला जाएगा।

उन्होंने कहा, हम सभी के लिए प्रेरणा हमेशा से दर्शक और उनका प्यार और स्नेह रहा है, या उनके कमेंट, जिन पर हमारा ज्यादा ध्यान जाता है ... हां, उनके लिए एक अच्छा इंसान बनने का प्रयास हमेशा किया जाता है, और यह जारी रहेगा... आप हमें बनाते हैं... हम आपके लिए क्या बनाते हैं...

केबीसी 16 की बात करें तो इसका पहला एपिसोड सोमवार को प्रसारित हुआ। बिग बी ने सीजन के पहले कंटेस्टेंट को हॉट सीट पर लाने से पहले उन सभी लोगों के साथ एक भावुक संदेश साझा किया, जिन्होंने केबीसी में उनके सफर को देखा और उनका समर्थन किया। अभिनेता के इस संदेश ने कुछ दर्शकों को भावुक कर दिया।

बता दें कि हाल ही में, बिग बी ने शादीशुदा जोड़ों को सलाह दी कि वे जहां भी जाएं, वीडियो जरूर बनाएं। उन्होंने कहा कि इस तरह की चीजें रोमांस को जिंदा रखती हैं। "बहुत अच्छा आपने आइडिया दिया है पति पत्नी को। बिग बी ने बॉलीवुड शादियों के हवाले से कहा, भैया जितने भी पति-पत्नी हैं आप लोग, जहां जितने भी हैं, जहां कहीं भी घूमें, एक बना दीजिएगा रील।

लाइमलाइट में आने के लिए रणवीर शौरी का बड़ा दांव, जया बच्चन के नाम पर बटोर रहे सुर्खियां

अभिनेता रणवीर शौरी हाल ही में बिग बॉस ओटीटी 3 में नजर आए थे। शो में आखिरी पांच फाइनलिस्ट की लिस्ट में शामिल थे। अनिल कपूर का शो खत्म होने के बाद भी लगातार चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में अभिनेता ने जया बच्चन से जुड़े अपने एक बयान को लेकर सफाई दी है। दरअसल, जब 2020 में संसद में भाई-भतीजावाद की बहस के बीच जया बच्चन ने बॉलीवुड का समर्थन किया। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था, जिस पर लोगों ने निराशा जताई थी। रणवीर शौरी ने भी इस पर अपनी निराशा व्यक्त की थी।

जया बच्चन को लेकर रणवीर शौरी की सफाई

रणवीर शौरी ने चार साल बाद इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि वह सीधे तौर पर जया बच्चन पर हमला नहीं कर रहे थे। हाल ही में एक बातचीत में रणवीर ने कहा, 'मैंने जया जी की टिप्पणी पर ऐसा नहीं कहा था। उन्होंने उस समय जो कुछ भी कहा वह इंटरनेट पर था। हर कोई उस थाली पर बात कर रहा था। इसलिए मैंने भी अपनी राय दी थी। मगर यह उनके जवाब को लेकर नहीं था।' उन्होंने कहा, 'मुझे यह लिखते हुए बहुत गुस्सा आया होगा। पहले भी लोगों ने मुझसे कहा है कि मैं सोशल मीडिया पर काफी मोटिवेट होकर लिखता हूं। इसलिए शायद पीछे हट जाना बेहतर है।' जया बच्चन ने की थी भाई-भतीजावाद पर बात

अभिनेता ने आगे कहा, 'आज अगर मुझे यही बात कहनी पड़े। तो शायद मैं इसे इतने व्यंग्य की तरीके से व्यक्त नहीं करूंगा। मुझे इस पर इतना गुस्सा होने की जरूरत नहीं थी। मैंने ये तब लिखा है, जब मेरे अंदर वो गुस्सा पनप रहा था। बॉलीवुड में दोहरा व्यवहार किया गया। इसलिए मुझे लगता है कि इससे मेरा गुस्सा व्यक्त होता है।' गौरतलब है कि जया बच्चन ने संसद में कोरोनावायरस महामारी के दौरान बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद का आरोप लगाने वालों पर निशाना साधा था।

रणवीर शौरी ने दी थी ये प्रतिक्रिया

जया बच्चन ने कहा था, 'जिस थाली में खाते हो, उसी में छेद करते हो।' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शौरी ने एक्स पर लिखा था, 'थालियां सजाती हैं ये अपने बच्चों के लिए। हम जैसे को फेंके जाते हैं, मसाले के टुकड़े। हम अपना टिफिन खुद पैक करके काम पे जाते हैं। किसी ने कुछ नहीं दिया।' वर्क फ्रंट की बात करें तो रणवीर शौरी हाल ही में 'बिग बॉस ओटीटी 3' में अपनी भागीदारी के लिए सुर्खियों में आए थे। वह शो के दूसरे रनर-अप थे। इसके अलावा वह वेब सीरीज शेखर होम में केके मेनन के साथ नजर आए हैं।

जब शाहरुख बोले थे- मैं काम नहीं करना चाहता : फिल्म जीरो के फ्लॉप होने के बाद यह फैसला लिया था

शाहरुख खान फिल्म जीरो की रिलीज के तुरंत बाद राकेश शर्मा की बायोपिक 'सारे जहां से अच्छा' में काम करने वाले थे। लेकिन आखिरी समय में उन्होंने काम करने से मना कर दिया था। यह फैसला उन्होंने जीरो के फ्लॉप होने के तुरंत बाद लिया था।

बता दें, फिल्म 'सारे जहां से अच्छा' को महेश मथाई डायरेक्ट करने वाले थे और सिद्धार्थ रॉय कपूर प्रोड्यूस कर रहे थे।

जीरो के फ्लॉप होने के बाद काम नहीं करना चाहते थे शाहरुख

इंटरव्यू में शाहरुख ने कहा, 'मैंने प्रोड्यूसर को फोन किया और कहा कि मैं एक साल तक काम नहीं करना चाहता। इस पर मेकर्स ने कहा- यह संभव नहीं है। आप एक मिनट भी काम किए बिना नहीं बैठ सकते। अगर आपको फिल्म पसंद नहीं आई तो आप यह बताइए, लेकिन यह मत कहिए कि आप एक साल तक काम नहीं करेंगे।'एक्टर ने कहा- उस वक्त मैं एक्टिंग नहीं करना चाहता था। एक्टिंग करने का मेरा बिल्कुल भी मन नहीं था और मैं बिना मन के एक्टिंग नहीं कर सकता था।

शाहरुख ने आगे कहा- मैंने हमेशा कहा है कि जिस दिन मेरा सुबह उठने और शूटिंग पर जाने का मन नहीं करता, मैं काम नहीं करना चाहता। यह बहुत अनप्रोफेशनल है। मैं सोकर उठा और कहा- मैं जाकर फिल्म 'सारे जहां से अच्छा' की शूटिंग नहीं करना चाहता।

शाहरुख खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वे आने वाले समय में सुजॉय घोष की फिल्म किंग में नजर आए।

मुन्ना भाई एमबीबीएस की रिलीज के वक्त थिएटर्स खाली थे विधु विनोद बोले- हिरानी का दिल टूट गया, उन्हें लगा पैसे डूब गए

फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस एक बड़ी हिट थी। रिलीज के 26वें हफ्ते में भी फिल्म पूरे भारत में 300 स्क्रीन्स पर चल रही थी। लेकिन रिलीज के पहले दिन पूरा थिएटर खाली था। रिलीज के एक हफ्ते बाद भी सिनेमाघरों में दर्शकों की बिल्कुल भीड़ नहीं थी। इस वजह से मेकर्स को लग रहा था कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिट जाएगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में विधु विनोद चोपड़ा ने 2003 की फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा- मुन्ना भाई एमबीबीएस खाली थिएटर में रिलीज हुई। राजू (राजकुमार हिरानी) यह सोचकर बहुत परेशान थे कि मैंने बहुत सारा पैसा डूबा दिया है। उस वक्त मैंने राजू को 11 हजार रुपए दिए। यह पैसे देने के बाद मैंने राजू से कहा- मैं कुछ नहीं लूंगा और यह अगली फिल्म के लिए है। एक और फिल्म बनाओ। यह एक बेहतरीन फिल्म है।उस वक्त हमारे पास करीब 4 करोड़ रुपए थे। मैं एक और फिल्म बनाना चाहता था। मुझे परवाह नहीं थी कि मुन्ना भाई चलेगी या नहीं। हालांकि सोमवार के बाद फिल्म ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी थी, लेकिन वीकेंड के

दौरान सीटें खाली रहीं। मैंने वास्तव में दूसरी फिल्म बनाने के लिए फिल्म के सफल होने का इंतजार नहीं किया।इससे पहले, केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के एक इवेंट के दौरान राजकुमार हिरानी ने खुलासा किया था कि कोई भी डिस्ट्रीब्यूटर फिल्म के राइट्स खरीदने को तैयार नहीं था। बाद में किसी तरह तमिलनाडु के एक डिस्ट्रीब्यूटर राइट्स खरीदने को तैयार हुए। हालांकि बाद में उन्होंने भी मुंह मोड़ लिया। मुन्ना भाई एमबीबीएस, संजय दत्त के पिता सुनील दत्त की आखिरी रिलीज फिल्म थी। फिल्म का दूसरा लगे रहो मुन्ना भाई 2006 में रिलीज हुआ था।

'अगले साल तक हमारा राष्ट्रगान सीखकर रील बनाना होगा' तापसी पन्नू ने पति से की यह खास रिक्वेस्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'खेल खेल में' और 'फिर आई हसीन दिलरुबा' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक महीने में अभिनेत्री की दो फिल्में रिलीज हुई हैं। इसके अलावा अभिनेत्री अपनी निजी लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। अब हाल ही में, तापसी ने अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो से एक खास रिक्वेस्ट की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर तापसी पन्नू ने अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो के लिए एक मजेदार अनुरोध किया है। हाल ही में, मैथियास बो ने डेनमार्क में एक कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के साथ पोज देकर भारत के स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया। सोशळ मीडिया पर हर कोई उनकी खूब प्रशंसा कर रहा है। मैथियास बो का यह पोस्ट उनके प्रशंसकों को काफी पसंद आया है। लोगों ने जमकर तारीफ की है कि विदेश की धरती पर भी मैथियास ने तिरंगे के प्रति सम्मान दिखाया है।

तापसी पन्नू ने हाल ही में अपने पति, डेनिश बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो से एक मजेदार रिक्वेस्ट की है। तापसी ने पति से कहा, अब अगले स्वतंत्रता दिवस तक, आपको हमारा राष्ट्रगान गाते हुए एक रील बनाना होगा। तापसी के इस कमेंट की लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'मुझे यह कपल बहुत पसंद है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैथियास सभी को बहुत सम्मान करते हैं।' एक और यूजर ने तापसी और मैथियास को 'मजेदार कपल' का भी टैग दे दिया।

बता दें कि 9 अगस्त को तापसी की फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' रिलीज हुई थी। वही, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर उनकी दूसरी फिल्म 'खेल खेल में' रिलीज हुई है। इस फिल्म में तापसी के अलावा फरदीन खान, वाणी कपूर, एमी विर्क और अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में नजर आए हैं।

'स्त्री 2' को मिली प्रतिक्रिया से चौंक गईं श्रद्धा कपूर, फिर अभिनेत्री ने दिया ऐसा रिएक्शन

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनित फिल्म 'स्त्री 2' 14 अगस्त की रात को ही रिलीज हो चुकी है। रिलीज के बाद से ही 'स्त्री 2' को दर्शकों की साकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बीती रात जब श्रद्धा कपूर मुंबई के सिनेमाघर में अपनी फिल्म 'स्त्री 2' देखने गईं तो उसके बाद प्रशंसकों और पैपराजी से मिली प्रतिक्रिया देखकर वह चौंक गईं और ऐसा रिएक्शन दिया कि जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, उसे आप खुद ही देख लीजिए।

2018 की 'स्त्री' अब 2024 में 'स्त्री 2' बनकर लौट आई है। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर सकारात्मक प्रदर्शन कर रही है। फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी के अलावा भी कई सितारों ने मुख्य भूमिका निभाई है।

मुंबई के एक सिनेमाघर से बाहर निकलते वक्त जब पैपराजी और प्रसंसकों ने श्रद्धा कपूर को घेर लिया और फिल्म के बारे में कई बातें कहीं, जिससे श्रद्धा बेहद खुश नजर आईं साथ ही उन्होंने अपनी फिंगर क्रॉस कीं और सभी को हाथ जोड़कर धन्यवाद दिया। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि श्रद्धा अपनी फिल्म को मिली प्रशंसकों और पैपराजी की प्रतिक्रिया से कितनी खुश हैं।

वह लगातार वहां पर मौजूद प्रशंसकों और पैपराजी का धन्यवाद करती दिखाई दीं। साथ ही उन्होंने बुरी नजर से बचने के लिए अपनी फिंगर भी क्रॉस कर ली थी, ताकि यह फिल्म यूं ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाती रहे और किसी की बुरी नजर ना लगे।

नीले डेनिम जींस के साथ लाल रंग के सोवर टॉप में श्रद्धा बेहद सिंपल और क्यूट नजर आईं। हालांकि, इस दौरान श्रद्धा ने तस्वीरें क्लिक नहीं करवाईं और वह बस दर्शकों और पैपराजी का धन्यवाद देते हुए वह अपनी कार में जाकर बैठ गईं। लेकिन उससे पहले वहां पर मौजूद सभी लोग एक ही बात एक ही सुर में बोलते सुनाई दिए कि "स्त्री 2 'हिट है' तो कुछ दर्शक ने कहां 'पिक्चर हिट है'। बहरहाल, 'स्त्री 2' को मिल रही बॉक्स ऑफिस और

दर्शकों की प्रतिक्रिया से यही लग रहा है कि यह फिल्म अभी काफी समय तक बॉक्स ऑफिस पर राज करने वाली है। इसके अलावा दो और फिल्में 15 अगस्त की रिलीज हुई हैं, जिनमें अक्षय कुमार की 'खेल खेल में' और जॉन अब्राहम की 'वेदा' शामिल हैं।

पूरी कोशिश कर रहा हूं... मोहम्मद शमी ने बताया कब होगी टीम इंडिया में उनकी वापसी

सर्जरी के बाद पूरी तरह से ठीक हो चुके मोहम्मद शमी ने लगभग तीन हफ्ते पहले इंस्टाग्राम पर लगातार दो पोस्ट किए थे, जिनमें से एक का कैप्शन था, 'गेंद हाथ में और दिल में जुनून, खेल को पलटने के लिए तैयार।' शमी के इस पोस्ट से उम्मीद जगी कि वह जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे। आखिरकार इंतजार भी काफी लंबा हो गया है। टीम इंडिया के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक शमी पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप के फाइनल के बाद से ब्लू जर्सी में नहीं देखा गया है। उन्हें एड़ी चोट की शिकायत थी जिसके बाद उनका सर्जरी किया गया। हालांकि, ठीक होने के बाद जब दलीप ट्रॉफी की चारों टीमों में शमी का नाम नहीं आया तो उनकी वापसी पर सवाल उठ खड़े हुए।

कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और स्टार ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन को छोड़कर, अन्य सभी प्रमुख भारतीय क्रिकेटरों को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए चुना गया है। दलीप ट्रॉफी के साथ ही भारत को बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसके बाग न्यूजीलैंड के साथ तीन और टेस्ट होंगे।

बता दें कि बीसीसीआई ने साफ तौर से यह कहा है कि किसी भी खिलाड़ी को अगर टीम इंडिया में वापसी करना है तो उसे पहले घरेलू क्रिकेट खेलना होगा, लेकिन शमी को दलीप ट्रॉफी के किसी भी टीम में नहीं चुना गया है। इससे पहले उम्मीद थी कि शमी बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं। शमी को लेकर जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत के रवाना होने से पहले अगरकर ने कहा था कि पहला टेस्ट 19 सितंबर को है मुझे नहीं पता कि यह उनकी रिकवरी का समय है या नहीं, इस बारे में एनसीए के लोगों से पूछना होगा।

हालांकि, अब स्थिति यह है कि खुद शमी को नहीं पता कि वह कब वापसी करेंगे। इस महीने की शुरुआत में ईस्ट बंगाल क्लब द्वारा सम्मानित किए जाने के दौरान शमी ने कहा, 'यह कहना मुश्किल है कि मैं कब वापसी करूंगा।' शमी ने कहा, 'मैं बहुत कोशिश कर रहा हूं, लेकिन उम्मीद है कि आप मुझे भारत की जर्सी पहनने से पहले बंगाल के रंगों में देखेंगे। मैं बंगाल के लिए दो-तीन मैच खेलने आऊंगा और इसके लिए पूरी तरह तैयार होकर आऊंगा।'

विश्व कप में शमी ने मचाया था धमाल

बता दें कि मोहम्मद शमी ने पिछले साल वनडे विश्व कप में रिकॉर्ड तोड़ गेंदबाजी की थी। उन्होंने सात मैचों में 24 विकेट लिए थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने सर्जरी करवाई। इस चोट के कारण वह गुजरात टाइटंस के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और वेस्टइंडीज और अमेरिका में आईसीसी टी20 विश्व कप से चूक गए, जिसे भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर जीता।

वहीं टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो शमी का आखिरी टेस्ट पिछले जून में द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल था। शमी का मुख्य लक्ष्य नवंबर से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में जगह बनाना है। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने सोमवार को बातचीत में कहा, 'वह उस दौरे पर जाना चाहते हैं। लेकिन उन्हें खुद को साबित करने के लिए रणजी ट्रॉफी खेलनी होगी।'

राहुल द्रविड़ के बेटे समित ने किया महाराज ट्रॉफी में डेब्यू, पहले मैच में कैसा रहा प्रदर्शन?

कर्नाटक की टी20 लीग महाराज ट्रॉफी की शुरुआत हो गई है। 15 अगस्त को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने गुलबर्गा मिस्टिक्स को हराया। लीग का दूसरा मैच शिवमोग्गा लायंस और मैसूर वॉरियर्स के बीच खेला गया। भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच और दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ मैसूर वॉरियर्स के लिए ही खेल रहे हैं। उन्हें पहले मैच में प्लेइंग इलेवन में मौका भी मिला।

समित द्रविड़ का बल्ला रहा शांत

मध्यक्रम के बल्लेबाज समित द्रविड़ पहली बार महाराजा ट्रॉफी में हिस्सा ले रहे हैं। अपने डेब्यू मुकाबले में 18 साल के समित कोई कमाल नहीं कर पाए। उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला। 9 गेंद की अपनी पारी में सिर्फ सिर्फ 7 रन ही बना पाए। इसमें एक चौका शामिल था। हार्दिक राज की गेंद पर आनंद डोडामनी ने द्रविड़ का कैच लिया। टेस्ट में भारत के लिए तिहरा शतक लगा चुके करुण नायर टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज के खिलाफ समित ने टर्न के अगेंस्ट जाकर शॉट लगाने की कोशिश की। पैर मोड़कर वह गेंद को मिड विकेट पर उड़ाना चाहते थे। हालांकि गेंद ठीक से बैट पर नहीं आई और डीप स्क्वायर लेग पर खड़े फील्डर के हाथ में चली गई।

मैसूर वॉरियर्स को मिली जीत

समित द्रविड़ का बल्ला भले ही नहीं चला हो लेकिन उनकी टीम ने सीजन के अपने पहले मैच में जीत हासिल की।

पहले खेलते हुए वॉरियर्स ने 8 विकेट पर 159 रन बनाए। 9वें नंबर पर उतरे मनोज भांडगे ने सिर्फ 16 गेंदों पर 42 रन ठोक दिए। इसमें चार छक्का भी शामिल थे। बारिश से प्रभावित इस मैच में लायंस की टीम 9 विकेट पर 5 विकेट पर 80 रन ही बना सकी। अभिनव मनोहर ने 29 गेंदों पर 52 रनों की नाबाद पारी खेली। इसके बाद भी लायंस को मैच में डीजेडी मैथ्ड से 7 रनों से हार झेलनी पड़ी।

शमार जोसेफ के आगे थर-थर कांपने लगे बल्लेबाज

साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने पंजा खोलकर कमाल कर दिया। शमार की इस दमदार गेंदबाजी के कारण ही वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को उसके पहली पारी में सिर्फ 160 रन के स्कोर पर समेट दिया। शमार ने वेस्टइंडीज के लिए पहली पारी में 14 ओवर की गेंदबाजी की, जिसमें उन्होंने सिर्फ 33 रन खर्च कर 5 विकेट अपने नाम किए। शमार की घातक गेंदबाजी के आगे साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज थर-थर कांपने लगे थे। शमार के बाद रही सही कसर जेडन सील्स ने पूरी कर दी।

जेडन ने भी वेस्टइंडीज के लिए तीन विकेट झटक कर साउथ अफ्रीका की कमर तोड़ने का काम किया। वेस्टइंडीज की खतरनाक गेंदबाजी के आगे साउथ अफ्रीका की टॉप ऑर्डर बुरी तरह से लड़खड़ा गई। टीम के लिए सबसे ज्यादा दसवें नंबर के बल्लेबाज डेन पीड्ट ने 38 रन बनाए। इस तरह साउथ अफ्रीका की टीम जैसे-तैसे 160 रन के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। टॉप ऑर्डर बल्लेबाजी में साउथ अफ्रीका के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 26 और डेविड बेडिंघम ने 28 रनों का योगदान दिया।

लक्ष्य सेन भारतीय बैडमिंटन स्टार जिसने विश्व में बनाई भारत की धाक

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने अपनी तेज प्रगति से बैडमिंटन की दुनिया को चकित और स्तब्ध कर दिया है। इस खेल के बड़े-बड़े दिग्गजों का मानना है कि इस युवा स्टार के पास वो क्षमता है, जिससे वो भविष्य में भारत के सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी बन सकते हैं। 16 अगस्त 2024 को लक्ष्य अपना 23 वां जन्मदिन मना रहे हैं।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में जन्मे लक्ष्य सेन को बैडमिंटन विरासत में मिली है। उनके दादा को अल्मोड़ा में बैडमिंटन का भीष्म पितामह कहा जाता है, जबकि लक्ष्य के पिता डीके सेन नेशनल लेवल पर बैडमिंटन खेल चुके हैं और राष्ट्रीय स्तर के कोच भी हैं।

कुल मिलाकर ये कहना गलत नहीं होगा कि ये परिवार अपनी नई पीढ़ी को ये खेल विरासत में देता है, क्योंकि इस युवा भारतीय स्टार का भाई चिराग सेन भी इंटरनेशनल लेवल पर बैडमिंटन में भारत का प्रतिनिधित्व कर चूका है।

लक्ष्य सेन का पेरिस ओलंपिक में मेडल जीतने का सपना पूरा नहीं हो पाया लेकिन इससे उनकी काबिलियत पर सवाल उठाना जायज़ नहीं, क्योंकि ये उनका पहला ओलंपिक था और उनका सफर अभी बहुत लंबा है। इस बार भी भी वो मेडल के करीब थे लेकिन चोटिल होने के कारण चूक गए।

लक्ष्य सेन ने अपनी मेहनत और संघर्ष के बूते सफलता का स्वाद चखा। 23 वर्षीय शटलर, जूनियर स्तर पर धाक जमाने के बाद दिग्गज खिलाड़ियों की फेहरिस्त में शामिल हो गए। कई बड़ी प्रतियोगिताओं में लक्ष्य ने वो कर दिखाया जो अपेक्षा से परे था। पदक जीते, देश का नाम ऊंचा किया और खुद को भारतीय पुरुष बैडमिंटन के चेहरे के रूप में स्थापित किया।

2021 में लक्ष्य सेन ने खूब सुर्खियां बटोरी, जब उन्होंने नियमित रूप से पोडियम पर जगह पाने के लिए उच्च रेटिंग वाले विरोधियों को हराना शुरू कर दिया। हालांकि, उन्हें सबसे बड़ी सफलता तब मिली, जब उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के पुरुष बैडमिंटन एकल में स्वर्ण पदक जीता।

23 वें जन्मदिन पर, आइए भारत के लिए उनके शीर्ष प्रदर्शनों पर एक नज़र डालते हैं। उन्होंने एशियाई जूनियर चैंपियनशिप (2018) में स्वर्ण पदक, डच ओपन 2019 में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीता, राष्ट्रमंडल खेल 2022 में स्वर्ण पदक, थॉमस कप 2022 में स्वर्ण पदक तो ऑल इंग्लैंड ओपन 2022 में रजत पदक अपने नाम किया।

लक्ष्य सेन की तरह ही क्रिकेट वर्ल्ड में भी एक बड़ी शख्सियत 16 अगस्त को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इयान मोरन 45 साल के हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मोरन ने स्कॉटलैंड के लिए लिस्ट ए क्रिकेट और न्यू साउथ वेल्स , सिडनी सिक्सर्स और सिडनी थंडर के लिए टी 20 क्रिकेट खेला है। बेशक वो बड़े मुकाम तक नहीं पहुंच पाए लेकिन घरेलू सर्किट में उन्होंने खूब नाम कमाया।

ओसाका-वावरिंका सहित चार खिलाड़ियों को यूएस ओपन में मिला वाइल्ड कार्ड, कब से शुरू होगा टूर्नामेंट

यूएस ओपन में दो बार की चैंपियन नाओमी ओसाका तथा तीन अन्य पूर्व विजेताओं स्टेन वावरिंका, डोमिनिक थिएम और बियांका एंड्रीस्कू को 26 अगस्त से शुरू होने वाले वर्ष के अंतिम ग्रैंडस्लैम के लिए वाइल्ड कार्ड दिए गए हैं। ओसाका ने अभी तक चार ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब 2018 में यूएस ओपन में ही जीता था। इसके बाद वह 2020 में भी यहां चैंपियन बनी थीं लेकिन वाइल्ड कार्ड पाने वाले अन्य खिलाड़ियों की तरह वह भी हाल में अधिकतर टूर्नामेंट में नहीं खेल पाईं जिससे वह विश्व रैंकिंग में नीचे खिसक गईं जो यूएस ओपन में सीधे प्रवेश पाने के लिए पर्याप्त नहीं थी।

ओसाका पिछले साल एक बेटी को जन्म देने के बाद इस सत्र में डब्ल्यूटीए टूर पर लौटीं, लेकिन अब भी उन्हें उस फॉर्म की तलाश है जिसके दम पर वह कभी विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनी थीं। यूएस ओपन में 2019 में सेरेना विलियम्स को हराकर खिताब जीतने वाली कनाडा की खिलाड़ी एंड्रीस्कू पिछले साल फ्रेंच ओपन में वापसी करने से पहले पीठ की चोट से परेशान थीं।

थिएम को अंतिम ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने इस साल की शुरुआत में घोषणा की थी कि वह इस सत्र के बाद संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रिया के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब 2020 में यूएस ओपन के रूप में जीता था लेकिन पिछले तीन वर्षों से वह कलाई की चोट से जूझ रहे हैं। स्विट्जरलैंड के 39 वर्षीय वावरिंका ने अपने तीन ग्रैंडस्लैम खिताबों में से एक 2016 में यूएस ओपन में जीता था। हाल में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिसके कारण वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 से बाहर हो गए।

महिला वर्ग में अमांडा अनिसिमोवा, मेकार्टनी केसलर, एलेक्सा नोएल और इवा जोविच के अलावा फ्रांस की क्लो पैक्वेट और ऑस्ट्रेलिया की तायला प्रेस्टन को भी वाइल्ड कार्ड दिया गया है। वाइल्ड कार्ड पाने वाले पुरुष खिलाड़ियों में अमेरिका के क्रिस यूबैंक, लर्नर टीएन, ज़ाचरी स्वज्दा और मैथ्यू फोर्ब्स के साथ-साथ फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर और ऑस्ट्रेलियाई ट्रिस्टन स्कूलकेट भी शामिल हैं।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सीजन की 50वीं जीत हासिल की

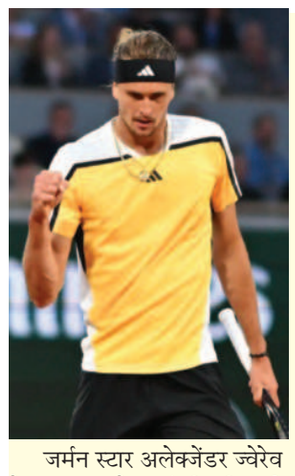

जर्मन स्टार अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुरुवार को यहां सिनसिनाटी ओपन में कारेन खाचानोव को सीधे सेटों में हराया और इस सीजन में 50 टूर-लेवल जीत हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। ज्वेरेव ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में शुरुआती जीत के लिए खाचानोव को 6-3, 6-2 से हराया। जर्मन खिलाड़ी ने पूरे 78 मिनट के संघर्ष में अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे सेट में 10 मिनट की बारिश की देरी का सामना किया। 27 वर्षीय ने बेसलाइन से जमकर खेलते हुए खाचानोव के नौ की तुलना में 16 विनर लगाए, जिससे ज्वेरेव इस जोड़ी की लेक्सस एटीपी हेड2हेड श्रृंखला में 5-2 से आगे हो गए।

2021 में सिनसिनाटी में ट्रॉफी उठाने वाले ज्वेरेव तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई मैक्स परसेल या स्पैनियार्ड पाब्लो कारेनो बुस्ता से खेलेंगे। ज्वेरेव ने अपने करियर में पांच बार एक सीज़न में कम से कम 50 टूर-स्तरीय जीत हासिल की है, उन्होंने 2017, 2018, 2021 और 2023 में भी यह मील का पत्थर हासिल किया था। इस साल की शुरुआत में, एटीपी रैंकिंग में नंबर 4 खिलाड़ी ने अपनी छठी जीत हासिल की। रोम में एटीपी मास्टर्स 1000 का खिताब और ओहियो में वह इस खिताब को बढ़ाने के लिए उत्सुक होंगे, जहां वह तीसरी वरीयता प्राप्त हैं। ज्वेरेव इस सीज़न में सर्वाधिक जीत के मामले में 50 जीत और 15 हार के साथ सबसे आगे हैं, जबकि जानिक सिनर 45 जीत और पांच हार के साथ दूसरे स्थान पर हैं। कैस्पर रूड इस सीज़न में 44-13 रिकॉर्ड के साथ तीसरे स्थान पर थे, उसके बाद कार्लोस अल्काराज हैं, जिनका रिकॉर्ड 38-7 है।

सिनसिनाटी में शानदार प्रदर्शन से ज्वेरेव की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को भी बढ़ावा मिलेगा। साल के अंत में दो बार के चैंपियन, ज्वेरेव एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में तीसरे स्थान पर हैं।

डेब्यू मैच में जमाया शतक, प्रवीण ने छोटे से करियर में कमाया खूब नाम और अब कोचिंग में बनाई धाक

रन तो हर बल्लेबाज बनाता है लेकिन क्रिकेट फैंस के दिलों में वो बल्लेबाज जगह बनाता है, जो रन के साथ-साथ अपना इम्पैक्ट भी छोड़ जाए। विदेशी जमीन पर रन बनाना आसान नहीं रहता और कोई जब विदेशी जमीन पर जाकर डेब्यू टेस्ट में ही शतक जमा दे तो उस बल्लेबाज में कितना दम होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। ये बल्लेबाज कोई और नहीं दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे हैं।

14 अगस्त 1968 को मुंबई में जन्में इस खिलाड़ी ने भारतीय क्रिकेट में अपनी धाक खूब जमाई है। आमरे एक बांए हाथ के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और लेग ब्रेक स्पिन गेंदबाज रहे हैं। पूर्व भारतीय

क्रिकेट खिलाड़ी प्रवीण आमरे आज अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज के बारे में कुछ रोचक तथ्य और आंकड़े पर एक नजर डालते हैं।

प्रवीण आमरे का पूरा नाम प्रवीण कल्याण आमरे है। उनका जन्म 14 अगस्त 1968 को हुआ था, जिन्होंने 1991 और 1999 के बीच भारतीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 11 टेस्ट मैच और 37 वनडे मैच खेले हैं और टीम में एक बल्लेबाज ऑलराउंडर की भूमिका निभाते थे।

उन्होंने 1992-93 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 103 रनों की पारी खेलकर विदेशी धरती पर अपने टेस्ट डेब्यू में शतक बनाया था। ऐसा करने के साथ ही वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले नौवें खिलाड़ी बन गए।

1991 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू में अर्धशतक बनाया था। उन्होंने ईरानी कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर (246 रन) का रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जिसे बाद में 2012 में मुरली विजय के 266 रनों ने तोड़ दिया था।

मुंबई, राजस्थान, बंगाल और रेलवे जैसी विभिन्न घरेलू टीमों के लिए खेलने के अलावा, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में बोलैंड के लिए भी खेला। प्रवीण आमरे को रमाकांत आचरेकर ने कोचिंग दी थी, जिन्होंने सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली जैसे खिलाड़ियों को भी कोचिंग दी थी। बताया जाता है कि आचरेकर ने एक बार दावा किया था कि प्रवीण आमरे, सचिन से भी बेहतर बल्लेबाज होंगे। मौजूदा दौर में आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच के तौर पर प्रवीण आमरे देश के युवा क्रिकेटरों को तैयार कर रहे हैं।

कौन हैं मानस धामने, जिसने टेनिस की दुनिया को हैरान कर दिया, बन सकते हैं भारत के रोजर फेडरर

भारतीय टेनिस खिलाड़ी मानस धामने ने कमाल कर दिया है। उन्होंने रोमानिया में आईटीएफ एफ13 के क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीय और दुनिया के 378वें नंबर के खिलाड़ी इयोनेल निकोलस डेविड को 4-6, 7-6(5), 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। गुरुवार को हुए मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी ने यह जीत हासिल की। 16 साल के मानस धामने अभी दुनिया में 1213वें नंबर के खिलाड़ी हैं। उन्होंने तीसरे सेट में तीन मैच पॉइंट बचाने के बाद जीत हासिल की। यह जीत धामने के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मोल्दोवन टेनिस खिलाड़ी इल्या स्नीतारी से है।

नागल को हरा चुके इयोनेल

21 साल के रोमानिया के खिलाड़ी इयोनेल निकोलस डेविड पिछले साल रैंकिंग में 184वें नंबर पर थे। उन्होंने पिछले साल ही भारत के नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को क्ले कोर्ट पर 7-5, 7-6 से हराया था। इसके ठीक एक हफ्ते बाद नागल ने रोम चैलेंजर का खिताब जीता था। इयोनेल ने 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जूनियर का भी खिताब अपने नाम किया था। मानस की यह जीत भले ही एक बड़ा उलटफेर हो, लेकिन यह हैरान करने वाली नहीं है। वह पिछले कुछ महीनों में काफी अच्छा खेल दिखा रहे हैं। इयोनेल पर उनकी जीत उनके टैलेंट और जज्बे को दिखाती है।

कौन हैं मानस धामने?

मानस मनोज धामने का जन्म 29 दिसंबर 2007 को महाराष्ट्र के मालेगाव में हुआ था। वह भारत के एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2023 टाटा ओपन से एटीपी टूर में डेब्यू किया। वह 2007 में जन्मे पहले खिलाड़ी बने जिन्होंने टूर के मुख्य ड्रॉ मैच में भाग लिया। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन जूनियर में भी हिस्सा लिया था। वह पहले राउंड में जीत हासिल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। वह पिछले साल विंबडलन जूनियर में भी उतरे थे।

ऑलटाइम हाई से विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, 4.80 बिलियन डॉलर घटकर आ गया 670 बिलियन डॉलर पर

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। ऑलटाइम हाई से विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट आई है. 9 अगस्त को खत्म सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.80 बिलियन डॉलर की कमी के साथ 670.119 बिलियन डॉलर पर आ गया है जो इसके पहले हफ्ते में 675 बिलियन डॉलर के ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा था. बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार 16 अगस्त 2024 को विदेशी मुद्रा भंडार का आंकड़ा जारी किया है. इस डेटा के मुताबिक फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व 9 अगस्त 2024 को 4.80 बिलियन डॉलर की कमी के साथ 670.119 बिलियन डॉलर पर आ गया है. इसके पहले हफ्ते में फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व 675 बिलियन डॉलर के लाइफटाइम हाई पर जा पहुंचा था. आरबीआई के डेटा के मुताबिक इस अवधि में फॉरेन करेंसी एसेट्स भी 4.079 बिलियन डॉलर की कमी के साथ 587.96 बिलियन डॉलर रहा है. आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में भी कमी आई है और ये 860 मिलियन डॉलर घटकर 59.23 बिलियन डॉलर रहा है. एसडीआर 121 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 18.28 बिलियन डॉलर और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड में मौजूद रिजर्व 18 मिलियन डॉलर के उछाल के साथ 2.63 बिलियन डॉलर पर आ गया है. विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट की वजहों को देखें तो हाल के दिनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बाजार में जमकर बिकवाली की है ऐसे में डॉलर की मांग बढ़ने के चलते फॉरेन करेंसी रिजर्व में कमी आई है. साथ ही डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी जारी है जिसे थामने के लिए आरबीआई के दखल दिए जाने की संभावना जताई जा रही है जिसके चलते रिजर्व घटा है. 8 अगस्त 2024 को मॉनिटरी पॉलिसी का एलान करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि मुख्य इंडीकेटर्स में लगातार सुधार के चलते भारत का एक्सटर्नल सेक्टर गतिशील बना हुआ है. उन्होंने कहा, हमे पूरा विश्वास है कि हम अपने एक्सटर्नल फाइनेंसिंग जरूरतों को आसानी से पूरा कर सकेंगे. आरबीआई गवर्नर ने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू बाजार में जून 2024 से लेकर 6 अगस्त के बीच 9.7 बिलियन डॉलर की खरीदारी की है जबकि अप्रैल और मई के दौरान 4.2 बिलियन डॉलर का आउटफ्लो देखने को मिला था. 2024-25 के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भी तेजी आई है और अप्रैल-मई 20254 के दौरान ग्रॉस एफडीआई में 20 फीसदी का उछाल आया है जबकि नेट एफडीआई पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले दोगुना बढ़ा है।

सोना 403 घटकर 70,390 पर आया

चांदी 734 रुपए बढ़कर 81,655 प्रति किलो में बिक रही

मुंबई,16 अगस्त (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 16 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 403 रुपए घटकर 70,390 रुपए पर आ गया है। बुधवार को इसके दाम 70,793 रुपए प्रति दस ग्राम थे। हालांकि, चांदी 734 रुपए बढ़कर 81,655 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले बुधवार को चांदी 80,921 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल सोना मई में 74,222 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 71,770 रुपए है। मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 71,620 रुपए है। कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 65,650 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 71,620 रुपए है। चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 71,620 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 71,670 रुपए है। हैदराबाद में सोने की कीमत 22 कैरेट सोने के लिए 6692.1 प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने के लिए 7305.8 प्रति ग्राम है, जिसे 999 सोना भी कहा जाता है। आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 7,038 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 70,390 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 81,655 रुपए पर पहुंच गए हैं।

एलन मस्क के पास भी नहीं है उतनी दौलत

जितना पड़ा है वारेन बफे की कंपनी के पास कैश

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया भर के शेयर बाजारों के निवेशक इन दिनों दिग्गज इन्वेस्टर वारेन बफे की नकदी के जमा होते पहाड़ से हैरान हो रहे हैं. मुख्य रूप से शेयरों में पैसे लगाकर कमाई करने वाले वारेन बफे लगातार अपनी होल्डिंग कम कर रहे हैं और कैश रिजर्व बढ़ा रहे हैं. अभी तो हाल ऐसा हो गया है कि कैश के विशाल पहाड़ के सामने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कुल संपत्ति छोटी लगने लगी है.

वारेन बफे की कंपनी के पास कैश का आंकड़ा

जून तिमाही के समाप्त होने के बाद वारेन बफे की कंपनी बर्कशायर हाथवे के पास कैश रिजर्व रिकॉर्ड 276.9 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है. यह बर्कशायर हाथवे की कुल संपत्ति के 25 फीसदी के बराबर है. कुल संपत्ति में कैश की इतनी हिस्सेदारी इससे पहले 2005 में देखी गई थी, जब आर्थिक मंदी के चलते वारेन बफे ने अपनी होल्डिंग कम कर दी थी और कैश रिजर्व बढ़ाने पर फोकस शिफ्ट कर दिया था.

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की कुल संपत्ति

वारेन बफे के की कंपनी के भंडार में पड़ा कैश का यह आंकड़ा दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की कुल दौलत से काफी बड़ा है. फोर्ब्स की रियलटाइम बिलेनियर्स लिस्ट के हिसाब से एलन मस्क अभी 243.7 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं. वहीं ब्लूमबर्ग की बिलेनियर्स लिस्ट के हिसाब से वह 239 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले पायदान पर हैं.वारेन बफे भी दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में टॉप-10 में शामिल हैं. ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स पर वरेन बफे की नेटवर्थ 139 बिलियन डॉलर बताई गई है और उन्हें 9वें स्थान पर रखा गया है. वहीं फोर्ब्स की रियलटाइम लिस्ट में वारेन बफे 138.7 बिलियन डॉलर की दौलत के साथ दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में छठे स्थान पर हैं.

एक तिमाही में 110 बिलियन डॉलर बढ़ा कैश

वारेन बफे की कंपनी के पास कैश का आंकड़ा जून तिमाही में बेतहाशा बढ़ा है. उससे पहले मार्च तिमाही में वारेन बफे की कंपनी बर्कशायर हाथवे का कैश रिजर्व 167.6 बिलियन डॉलर से बढ़कर 189 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह	मे	सिंह-	06-05 बजे
चंद्र-	धनु	मे	कन्या-	08-12 बजे
मंगल	वृष	मे	तुला-	10-16 बजे
बुध-	सिंह	मे	वृश्चिक-	12-26 बजे
गुरु-	वृष	मे	धनु-	14-40 बजे
शुक्र-	सिंह	मे	मकर...	16-48 बजे
शनि-	कुंभ.	मे	कुंभ-	18-37 बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	20-16 बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष--	21-52 बजे
			वृष..	23-45 बजे
			मिथुन..	01-36 बजे
			कर्क..	04-36 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-02 सूर्यास्त. - 18-39
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल .. पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 08-05 तक उपरान्त त्रयोदशी क्षय
मास - श्रावण शुक्ल , शनिवार 17 August
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 11-48 तक उप उत्तराषाढ़ा
योग - प्रीती 10-46 तक उप आयुष्मान
करण- बालव 08-05 तक उप कौलव
विशेष:- शनि प्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:10 से 10:45 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	06:02 - 07:36 अशुभ	लाभ.	18:38 - 20:04 शुभ
शुभ.	07:36 - 09:10 शुभ	उत्पात	20:04 - 21:30 अशुभ
रोग	09:10 - 10:45 अशुभ	शुभ	21:30 - 22:55 शुभ
उत्पात	10:45 - 12:20 अशुभ	अमृत	22:55 - 00:20 शुभ
चंचल	12:20 - 13:55 शुभ	चंचल	00:20 - 01:45 शुभ
लाभ	13:55 - 15:30 शुभ	रोग.	01:45 - 03:10 अशुभ
अमृत	15:30 - 17:04 शुभ	काल	03:10 - 04:36 अशुभ
काल	17:04 - 18:38 अशुभ	लाभ	04:36 - 06:02* शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है । यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है , तो पूर्वार्द्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आपको कुछ छुपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है । यह व्यक्ति आपके साथ मित्रतापूर्ण भाव से आपके साथ काम कर रहा है पर जैसे की इतिहास अपने आप को दोहराता है यह व्यक्ति प्रतिकार कर सकता है या इसके विचार आपसे भिन्न हो सकते है ।आज आपके लिए ये अछा होगा की आप अपने सारे कार्यो का निष्पादन सही समय पर कर ले।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं । आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कार्यो को कुछ समय के लिए अधर में लटका दिया था , लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी बुरी तरह से आवश्यकता है , हालाँकि अगर आप ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें पाये तो इसमें कोई बुराई नहीं है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

जिस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आपने नींव बिछाने का कार्य किया था उसका फल आज से आपको मिलने लगेगा । हालांकि कुछ महत्वपूर्ण संकेतो को आप शायद न देख पाओ और निराशा और आलसीपन आप में विकसित हो सकता है। अगर आप अपने प्रयासों में कमी लाएंगे तो आपकी सारी की गई मेहनत पर पानी फिर सकता है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

ये समय महान प्रभाव के लोगों के साथ वार्तालाप करने के लिए अति उत्तम है। आप इन लोगो से जितना संवाद बढ़ा पाये बढ़ाये , क्यों की एक बेहतर जगह तक पहुँचने के लिए या अपने वर्तमान स्थिति का उन्नयन करने के लिए ये बहुत जरुरी है । आप अभी काफी दुविधा में है की ये अवसर आपकी धन वृद्धि कर सकते है की नहीं या आप उन्हें पकड़ पाएँगे की नहीं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप अच्छे स्वभाव के व्यक्ति हैं और सामाजिक कार्यो में भी भाग लेते रहे है । आज आपके इन गुणों की बहुत सराहना की जाएगी और उनके लिए पुरस्कार भी दिया जाएगा । आपको अपने आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए अदभुत सलाह भी मिल सकती है और आप वो सब पा सकते है जो अपने बलबूते पर पाना इतना आसान नहीं था ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज इस बात के जबरदस्त संकेत है की आप अपने कार्य क्षेत्र का परिवर्तन कर सकते है या आप के कार्य क्षेत्र से जुडी दिशा का बदलाव हो सकता है । अभी तक आप जिस चीज़ को शौकिया तौर पर लेते थे वही चीज़ आपके लिए धन उपार्जन का रास्ता बन सकती है यहाँ तक की आप अपनी नौकरी भी इस काम के लिए छोड़ सकते है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्या जिंदल करेंगे अडानी-बिड़ला की छुट्टी?

लाने वाले हैं 4000 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जिंदल ग्रुप जिस तरह से सीमेंट सेक्टर में अपना दायरा बढ़ा रहा है, कॉरपोरेट की दुनिया में एक नई चर्चा शुरू हो गई है कि क्या वह आदित्य बिड़ला ग्रुप और अडानी ग्रुप की छुट्टी कर देगा? अभी देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बिड़ला ग्रुप की अल्ट्राटेक सीमेंट है। जबकि दूसरे नंबर पर अंबुजा सीमेंट और एसीसी लिमिटेड को मिलाकर अंबुजा सीमेंट बनती है। अब अपना कारोबार बढ़ाने के लिए जेएसडब्ल्यू सीमेंट जल्द ही 4,000 करोड़ रुपए का आईपीओ लेकर आने वाली है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट बहुत जल्द अपने आईपीओ से जुड़े ड्राफ्ट पेपर्स को मार्केट रेग्युलेटर सेबी के पास जमा करा सकती है। कंपनी के आईपीओ लाकर वैल्यू अनलॉक करने की चर्चा इस साल की शुरुआत से ही चल रही है।

2021 के बाद पहला सीमेंट आईपीओ

सीमेंट सेक्टर में ये 2021 के बाद पहला बड़ा आईपीओ होगा। तब अगस्त के महीने में 'निरमा' ग्रुप की कंपनी नुवोको विस्टास ने 5,000 करोड़ रुपए का आईपीओ लाया था। मनी कंट्रोल की खबर के मुताबिक जेएसडब्ल्यू सीमेंट अपने आईपीओ के ड्राफ्ट पेपर्स अगले ही कुछ दिन जमा कर सकती है। इस आईपीओ में कंपनी 2,000 करोड़ रुपए के नए शेयर और 2,000 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल पेश कर सकती है।

अभी जुटाए हैं 1500 करोड़ रुपए

जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने इससे पहले 2 ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी इंवेस्टर्स से 1,500 करोड़ रुपए जुटाए थे। कंपनी ने ये पैसे अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट इंक और सिनर्जी मेटल इंवेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड से जुटाए थे। इसके अलावा कंपनी में एसबीआई ने भी बड़ा निवेश किया हुआ है।इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी के तीनों निवेशक जेएसडब्ल्यू सीमेंट से स्ट्रैटेजिक एग्जिट लेंगे। जेएसडब्ल्यू ग्रुप की भी किसी कंपनी का ये 13 साल बाद आने वाला आईपीओ है। इससे पहले समूह जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर का ही आईपीओ आया था। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने देश की टॉप-5 कंपनी में शामिल होने का लक्ष्य रखा है। हाल में कंपनी ने सीके बिड़ला ग्रुप के सीमेंट बिजनेस के अधिग्रहण का प्लान बनाया है। इसे हासिल करने की दौड़ में अडानी और बिड़ला ग्रुप भी शामिल हैं।

हिंदुस्तान जिंक का शेयर आज करीब 10% गिरा

वेदांता ओएफएस से कंपनी की 3.17% हिस्सेदारी बेच रही, इस वजह से ही शेयरों में आई गिरावट

मुंबई,16 अगस्त (एजेंसियां)। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का शेयर आज शुक्रवार (16 अगस्त) को करीब 10% गिरा। कंपनी का शेयर 9.40% की गिरावट के साथ 518 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दरअसल, वेदांता ग्रुप हिंदुस्तान जिंक में ऑफर फॉर सेल के जरिए अपनी 3.17% हिस्सेदारी बेच रहा है। वेदांता ओएफएस में 486 रुपए के भाव से हिंदुस्तान जिंक के शेयर बेच रही है, जो कंपनी के शेयर की मौजूदा कीमत से 50 रुपए कम है।

वेदांता ओएफएस में टोटल 13.37 करोड़ शेयर्स बेचेगी

इस वजह से ही कंपनी के शेयर में यह गिरावट देखने को मिल रही है। वेदांता दो दिन में ओएफएस के जरिए 16 अगस्त और 19 अगस्त को हिंदुस्तान जिंक के टोटल 13.37 करोड़ शेयर्स बेचेगी। हिंदुस्तान जिंक, वेदांता ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनी है।

इस साल 67% चढ़ा हिंदुस्तान जिंक का शेयर

हिंदुस्तान जिंक का शेयर बीते 5 दिन में 10.79% और एक महीने में 18.49% गिरा है। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर ने 72.35% और एक साल में 67% का रिटर्न दिया है। इस साल यानी 1 जनवरी 2024 से अब तक की बात करें तो हिंदुस्तान जिंक का शेयर 69.53% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 2.27 लाख करोड़ रुपए है।वेदांता ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया था कि ओएफएस के लिए फ्लोर प्राइस 486 प्रति शेयर तय किया गया है, जो बुधवार को हिंदुस्तान जिंक के क्लोजिंग प्राइस से 15% डिस्काउंट पर है। ओएफएस के फ्लोर प्राइस पर बेचे गए 13.37 करोड़ शेयरों से वेदांता को 6500 करोड़ की राशि मिलेगी। इससे पहले मंगलवार को अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली वेदांता ने घोषणा की थी कि वह ओएफएस के जरिए हिंदुस्तान जिंक में 11 करोड़ शेयर्स या टोटल इक्विटी का 2.6% बेचने का प्लान बना रही है।ओएफएस का बेस साइज 5.14 करोड़ शेयर्स या टोटल इक्विटी का 1.22% है, साथ ही एडिशनल 8.23 करोड़ शेयर्स या टोटल इक्विटी का 1.95% बेचने का ओप्शन भी है। हिंदुस्तान जिंक का ओएफएस नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए 16 अगस्त को और रिटेल निवेशकों के लिए 19 अगस्त को ओपन होगा।

सेंसेक्स 1330 और निफ्टी 400 अंकों के उछाल के साथ बंद, 7.25 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई निवेशकों की संपत्ति

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। हफ्ते का आखिरी कारोबारी सेशन भारतीय शेयर बाजार और उसके निवेशकों के लिए शानदार रहा है. देसी-विदेशी निवेशकों की खरीदारी के चलते बाजार में भारी तेजी रही. निवेशकों को आईटी, बैंकिंग और ऑटो स्टॉक्स में भारी खरीदारी करते देखा गया. आज का कारोबार खत्म होने 1330 अंकों की तेजी के साथ 80,000 के ऊपर 80,437 अंकों पर क्लोज हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 400 अंकों के उछाल के साथ 24,541 अंकों पर बंद हुआ है.

मिड-कैप इंडेक्स में 1100 अंकों की तेजी

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 29 स्टॉक्स तेजी के साथ और एक शेयर गिरकर बंद हुआ. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 47 तेजी के साथ और 3 गिरकर बंद हुए. बाजार में आज के सेशन में मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में भी भारी खरीदारी देखने को मिली है. निफ्टी का मिड-कैप इंडेक्स में 1100 अंकों की तेजी रही और इंडेक्स 1109 अंकों के उछाल के साथ 57,656 अंकों पर बंद हुआ है. स्मॉल-कैप स्टॉक्स में भी रौनक देखने को मिली और निफ्टी स्मॉल-कैप 100 इंडेक्स 350 अंकों के उछाल के साथ 18,437 अंकों पर बंद हुआ है.

तेजी-गिरने वाले शेयर्स

आज के कारोबार में टेक महिंद्रा के शेयर में 4.02 फीसदी, टाटा मोटर्स 3.47 फीसदी, महिंद्र एंड महिंद्रा 3.45 फीसदी, टीसीएस 2.91 फीसदी, एचसीएल टेक 2.65 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 2.60 फीसदी, टाटा स्टील 2.29 फीसदी, आईटीसी 2.17 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 2.17 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 2.07 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले स्टॉक्स में माक्स फाइनेंशियल 2.21 फीसदी, ऑरोबिंदो फार्मा 1.12 फीसदी, वोल्टास 0.98 फीसदी, पीएनबी 0.47 फीसदी, एसआरएफ 0.42 फीसदी और अपोलो टायर्स 0.26 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है.

निवेशकों की संपत्ति में 7 लाख करोड़ का इजाफा

शेयर मार्केट में शानदार तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में जोरदार उछाल आया है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप फिर 451.54 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 444.29 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के सेशन में निवेशकों को 7.25 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ है.

रक्षाबंधन पर बहन को दें सुनहरे भविष्य का गिफ्ट

स्टॉक्स से एसआईपी तक कई बेहतरीन ऑप्शन

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आ चुका है. इसके साथ ही देश में त्योहारी सीजन का आगाज होने जा रहा है, जो अब महीनों तक चलेगा. इससे बाजार और अर्थव्यवस्था दोनों को ही मदद मिलेगी. रक्षाबंधन के मौके पर बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उनसे जीवन भर के लिए रक्षा का वचन लेती है. भाई भी इस शुभ मौके पर अपनी बहन को गिफ्ट देते हैं. अगर इस रक्षाबंधन आप अपनी बहन को ऐसा गिफ्ट देने के बारे में सोच रहे हैं जो तोहफा होने के साथ उसके भविष्य को सुरक्षित कर दे तो इसके लिए आपके पास कई विकल्प हैं.आजकल फाइनेंशियल फ्रीडम यानी आर्थिक आजादी को बेहद अहम माना जाता है. ऐसे में इस रक्षा बंधन आप अपनी बहन को कोई अन्य गिफ्ट देने के बजाय कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें वित्तीय रूप से सशक्त बनाने में मदद करें. मार्केट में कई ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो आपकी बहन के भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं. हम आपको उन तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनके जरिए आप अपनी बहन को इस रक्षा बंधन पर आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं.आजकल के वक्त में वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के लिए एक बैंक खाता होना बेहद आवश्यक है.

क्या अमेरिका में दिख रहा मंदी का असर?

8 महीने में फायर किए जा चुके हैं 74 सीईओ

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)।माइक्रोसॉफ्ट, ट्वटिर, फेसबुक, अमेजन और गूगल साल 2022 के आखिर में इन सभी अमेरिकी कंपनियों में बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू हुई थी. तब ही लगने लगा था कि मंदी दस्तक दे रही है. ये छंटनी हाल में जून तक जारी रही और अब इनकी गाज कंपनियों के बड़े अधिकारियों पर भी गिरती नजर आ रही है. बीते 8 महीनों में करीब 74 सीईओएस को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है. ताजा मामला स्टारबक्स से जुड़ा है. अमेरिका की सबसे बड़ी कॉफी चेन में से एक स्टारबक्स कॉर्प ने अपने सीईओ लक्ष्मण नरसिम्हा हो विदाई दे दी है. कंपनी ने इसकी ठोस वजह नहीं बताई है, लेकिन खबर ये है कि पिछली 2 तिमाही से कंपनी की सेल लगातार गिर रही है और ये 20 प्रतिशत तक घटी है. इसलिए कंपनी से लक्ष्मण नरसिम्हा की विदाई तय हुई है.

क्या दिख रहा मंदी का असर?

अमेरिका इस समय एक अजीब परिस्थिति से गुजर रहा है. अमेरिका की इकोनॉमी अभी भी कोविड के झटके से पूरी तरह उबर नहीं पाई है. महंगाई और बेरोजगारी अपने चरम पर हैं. मंदी आने की पूरी आशंका है और फेडरल रिजर्व से भी जल्द बड़ी राहत मिलती नहीं दिख रही है. इसके अलावा अमेरिका पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है जिसकी वजह से स्थिति और भयावह है और अब वहां पर राष्ट्रपति चुनाव भी इसी साल होने हैं.ये सब फैक्टर अमेरिका की स्थिति को काफी अजीब बना देते हैं. कंपनियों में वर्कर्स, एचआर और अन्य जनरल मैनेजमेंट से लेकर फाइनेंशियल और सेल्स रोल तक में कटौती देखी गई है और अब ये स्थिति सीईओएस के लेवल तक आ चुकी है. पिछले महीने भी अमेरिका की जो एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट आई थी, उसने मंदी की आशंका को बढ़ाया ही है.

8 महीने 74 सीईओएस की विदाई

अमेरिका में बीते 8 महीने में 74 सीईओ की विदाई हुई है. लेकिन बात सिर्फ यहीं तक नहीं रुकती है. इस बारे में एक्सचेंज डॉट कॉम ने पूरी रिपोर्ट तैयार की है. वहीं रसेल इंडेक्स से एक अलग ही तस्वीर सामने उभरकर आती है. एक्सचेंज डॉट कॉम की रिपोर्ट में कहा गया है कि रसेल 3000 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में 191 सीईओएस ने इस साल अपनी कंपनियों को अलविदा कहा है. इसमें करीब 74 को बाहर जाने के लिए मजबूर किया गया।

इतने नक्सली मारे की ट्रकों में भरकर ले जाना पड़ा

गैलेंट्री अवॉर्ड पाने वाले छत्तीसगढ़ के 26 जवानों की कहानी, इनमें 11 को मरणोपरांत सम्मान

रायपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। मुठभेड़ में नक्सलियों को भी काफी नुकसान हुआ है। सूचना के आधार पर 3 से 4 ट्रकों से घायल और मृत नक्सलियों को उनके साथियों ने ट्रांसपोर्ट किया है। बासागुड़ा और जगरगुंडा में तर्रेम के बाद कैंप बनना था। इसके बनने से हम दक्षिण में नक्सली कॉरिडोर को बंद कर देते।

ये कहना था, डीजीपी (तब डीजी नक्सल ऑपरेशन रहे) अशोक जुनेजा का। बीजापुर में 3 अप्रैल 2021 को हुई इस मुठभेड़ में 23 जवान शहीद हो गए थे। इस दौरान रेस्क्यू कराने गए जवानों पर भी लौटते समय हमला किया गया था।

करीब 3 साल पहले हुए इस एनकाउंटर में शामिल 16 जवानों को गैलेंट्री अवॉर्ड दिया गया है। इनमें 11 को यह सम्मान मरणोपरांत मिला है। इनके अलावा 10 जवानों को भी अलग-अलग मुठभेड़ के लिए वीरता पुरस्कार दिया गया है। बीजापुर के तर्रेम क्षेत्र के सिलगेर के जंगल में जोनागुड़ा के पास सीआरपीएफ की कोबरा, बस्तरिया बटालियन, डीआरजी और एसटी एफ के करीब 2000 जवान पिछले दो दिनों से अलग-अलग ऑपरेशन पर निकले हुए थे। 3 अप्रैल की सुबह फोर्स को सूचना मिली कि जोनागुड़ा के पास नक्सलियों का जमावड़ा है।

पहले भी यहां सैटेलाइट तस्वीरों में कुछ हलचल दिखाई दे रही थी। यह सूचना फोर्स के पास आई तो जोनागुड़ा का ऑपरेशन अधिकारियों ने प्लान किया। इसके बाद सभी तरह की फोर्स, जो उस समय आसपास के जंगलों में सर्चिंग कर रही थी, उसे मैसेज दिन जाने लगे कि वो जोनागुड़ा की ओर बढ़े। पहले से यू शेप में घात लगाकर बैठे नक्सली इसी इंतजार में थे। फोर्स जैसे ही इस जोन में घुसी, एंबुश में फंस गई। नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग की। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ की सूचना मिलने पर, एसटीएफ और कोबरा 210 पुलिस पार्टियों भी घटनास्थल पर पहुंच गईं। मुठभेड़ में बहादुरी से लड़ते हुए एसआई दीपक भारद्वाज, हेड कॉन्स्टेबल रमेश जुरी, सोढ़ी नारायण, कॉन्स्टेबल रमेश कोरसा, सुभाष नायक, सहायक आरक्षक भोसाराम करटामी, किशोर एंड्रिक, सनकू राम सोढी, एसटीएफ हेड कॉन्स्टेबल श्रवण कश्यप, कॉन्स्टेबल रामदास कोर्राम, जगतराम कंवर, सुख सिंह, रमाशंकर सिंह, शंकर नाग शहीद हो गए। करीब 5 घंटे चली मुठभेड़ में कई नक्सली मारे गए। तमाम घायल हुए। एक महिला नक्सली के शव के साथ जवानों ने कई हथियार बरामद किए। वहीं जवानों ने मुठभेड़ के दौरान कई लोगों की जान बचाई। नारायणपुर के नक्सली इलाके कडेमेटा में फरवरी में ही कैंप खोला गया था। इसके लिए वहां सड़क का निर्माण होना था। यह रोड धौड़ई थाना होकर सातधार-पारसुल की ओर जाती है। यहां नक्सलियों ने 1996 में फॉरेस्ट की 7 गाड़ियों में आग लगा दी थी। इसके बाद से यह बंद थी। डीआरजी में तैनात इंस्पेक्टर मालिक राम अपने साथी एएसआई सुक्कू राम नाग, हेड कॉन्स्टेबल संतोष चंदन सहित 50 जवानों के साथ 29 अप्रैल 2020 को सड़क निर्माण में लगे वर्करों की सुरक्षा के लिए निकले। सुबह 8 बजे फोर्स पहुंची और रोज की तरह शाम को लौटने लगी। वहां से करीब एक किमी तक नक्सलियों ने एंबुश लगा रखा था।

इससे पहले कि जवान कुछ समझ पाते नक्सलियों ने हमला कर दिया। अचानक झाड़ियों में हलचल हुई और गोलियां चलनी शुरू हो गईं। जवानों ने भी पोजिशन ली। मुठभेड़ में 8-8 लाख के इनामी 2 नक्सली मारे गए। इनमें नक्सलियों का स्नाइपर और कम्युनिकेशन कमांडर सन्नू उर्फ जयलाल मंडावी भी था।

रानू-विश्नोई, सौम्या के 19 ठिकानों पर छत्तीसगढ़ एसीबी की रेड

राजस्थान, झारखंड, बेंगलुरु भी पहुंची टीम, रायगढ़ में ट्रांसपोर्टर का बंगला सील

रायपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ एसीबी/ईओडब्ल्यू की टीम ने शुक्रवार को कोल लेवी और आय से अधिक संपत्ति मामले में राजस्थान, बेंगलुरु और झारखंड सहित 19 जगहों पर छापा मारा है। ये निलंबित आईएएस समीर विश्नोई, रानू साहू और राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सौम्या चौरसिया के ठिकाने बताए जा रहे हैं। तीनों अफसर फिलहाल रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। सूत्रों के मुताबिक, तीनों राज्यों में रेड की कार्रवाई के लिए 12 से ज्यादा टीमें तैयार की गई थीं। दूसरे राज्य जाने वाली कई टीमों को 14 अगस्त को ही रवाना कर दिया था। राजस्थान के अनूपगढ़ में समीर विश्नोई का ससुराल है। वहीं गरियाबंद में रानू साहू के मायके में भी दबिश दी है। रायगढ़ में एसीबी ने ट्रांसपोर्टर का बंगला सील कर दिया है। एसीबी टीम ने सुबह करीब 7 बजे राजस्थान के अनूपगढ़ में के व्यापारी गौरव गोदारा के घर में छापा मारा। यह कार्रवाई दोपहर करीब डेढ़ बजे तक चली। गौरव, समीर के रिश्तेदार हैं। सर्च अभियान के दौरान एसीबी के डीएसपी राहुल शर्मा ने अपनी टीम के साथ मौजूद थे। टीम ने घर को पूरी तरह से बंद कर दिया था। फिलहाल किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी जा रही है। सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही अफसरों ने किसी भी तरह की जानकारी साझा करने की बात कही थी। वहीं गरियाबंद में निलंबित आईएएस रानू साहू के मायके में भी एसीबी टीम ने छापा मार दिया है। 2 गाड़ियों में 10 से 12 सदस्यों की टीम उनके पांडुका स्थित मायके पहुंची है। घर के अंदर दस्तावेजों और 4 साल में खरीदी गई चल-अचल संपत्ति जांच के दायरे में है। टीम ने 3 माह में दूसरी बार रानू साहू के मायके में छापा मारा है। इसके अलावा एसीबी की टीम छत्तीसगढ़ में भी कार्रवाई कर रही है। भिलाई में टीम ने होटल कारोबारी अनिल कुमार पाठक के नेहरू नगर ईस्ट स्थित घर में छापा मारा। आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में कार्रवाई की गई है। पहले अनिल पाठक के होटल और अब निवास पर टीम पहुंची है। बताया जा रहा है कि 4 गाड़ियों में अधिकारी पहुंचे हैं। कोरबा के टीपी नगर स्थित आशीर्वाद पॉइंट के पास ठेकेदार एमएस पटेल के घर भी एसीबी की टीम पहुंची है। बताया जा रहा है कि यहां तड़के सुबह 2 गाड़ियों में 10 सदस्यीय टीम ने दबिश दी है। टीम सुबह से ही दस्तावेजों की खोजबीन कर रही है। वहीं एक टीम रायगढ़ में बंदे अली फातमी नगर स्थित ट्रांसपोर्टर नवनीत तिवारी के घर भी दबिश देने पहुंची, लेकिन वहां ताला लटका मिला।

इस पर टीम ने घर के बाहर नोटिस चस्पा कर दिया है। साथ ही घर को सील कर दिया गया है। पड़ोसियों से भी पूछताछ की गई, लेकिन ट्रांसपोर्टर के परिवार के बारे में जानकारी नहीं मिली।

छत्तीसगढ़ में हटाए जा सकते हैं 50 कांग्रेस प्रदेश सचिव

रायपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में नगरीय निकाय चुनाव तक अभी बदलाव के आसार नजर नहीं आ रहे हैं, लेकिन खाली पदों पर नियुक्तियों के लिए मंजूरी मिल गई है, जल्द नियुक्तियां की जाएंगी। बताया जा रहा है कि करीब 50 प्रदेश सचिवों की कुर्सी खतरे में है। वर्तमान में 140 प्रदेश सचिव हैं, जो हटाने के बाद सिर्फ 90 ही बचेंगे। कांग्रेस अभी निकाय चुनाव पर फोकस कर रही है। पार्टी में बदलाव के बजाए कई संगठनात्मक और राजनीतिक टास्क को पूरा करने पर जोर है। विधानसभा और लोकसभा में अच्छे रिजल्ट नहीं आने पर छत्तीसगढ़ की सीधे दिल्ली से निगरानी हो रही है। पार्टी के रणनीतिकार एक विधानसभा में एक ही सचिव की नियुक्ति के पक्ष में हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ सचिव पार्टी छोड़कर चले गए थे। कई सचिव पद पर बने तो रहे, लेकिन निष्क्रिय रहे।

झारखंड चुनाव को लेकर हेमंत बिस्वा सरमा ने दिया बड़ा अपडेट

चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले बता दिया अनुमान

रांची, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय निर्वाचन आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले असम के मुख्यमंत्री और बीजेपी के फायरब्रांड नेता हेमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी घोषणा कर दी है। हेमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा- मेरा अपना हिसाब है कि आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में झारखंड का मुद्दा नहीं होगा। क्योंकि झारखंड का चुनाव आगे है। मैं तो बोल नहीं सकता हूं, लेकिन मेरा इतना जरूर मानना है कि आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में झारखंड मुद्दा नहीं होना चाहिए, ये मेरा आंकलन है।' उनसे जब पूछा गया कि पीएम मोदी वन नेशन वन इलेक्शन की बात करते हैं, इसपर हेमंत ने कहा कि उनस बातों पर मत जाइए, आज पर बात करते हैं।

बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान चुनाव आयोग शुक्रवार दोपहर बाद कर सकता है। चुनाव आयोग

दोपहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके तारीखों की घोषणा करेगा। हरियाणा विधानसभा में कुल 90 सीटें हैं। माना जा रहा है कि चुनाव एक ही चरण में होंगे। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दल कांग्रेस के बीच होगा। आम आदमी पार्टी (आप) ने भी सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए चुनाव आयोग के अधिकारी इस महीने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा का दौरा कर चुके हैं। आयोग के अधिकारी अगले कुछ दिनों में महाराष्ट्र का भी दौरा कर सकते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने अपने साथी चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और एस.एस. संधू के साथ चंडीगढ़ में हरियाणा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की थी। हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर को समाप्त हो रहा है। चुनाव आयोग की दो दिवसीय समीक्षा यात्रा के दौरान आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, सीपीआई (एम), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय लोक दल और जननायक जनता पार्टी के प्रतिनिधियों ने आयोग से मुलाकात की थी। इस दौरान राजनीतिक दलों ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पर्याप्त केंद्रीय बलों की तैनाती का मुद्दा उठाया था। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के अनुसार, राज्य में 2.01 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें लगभग 1.06 करोड़ पुरुष और 95 लाख महिला मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में 4.52 लाख मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके अलावा 2.55 लाख 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक और 1.5 लाख दिव्यांग मतदाता पंजीकृत हैं। 10,000 से अधिक मतदाता ऐसे हैं जिनकी उम्र 100 साल से भी ज्यादा है।

चुनाव आयोग जल्द ही चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करेगा, जिसके बाद राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। सभी पार्टियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं और जनता के बीच जाकर समर्थन मांग रही हैं। देखना होगा कि इस बार जनता किस पार्टी पर भरोसा जताती है और राज्य की सत्ता किसके हाथ आती है।

झारखंड में बारिश का रेड अलर्ट

कई जिलों के लिए यलो अलर्ट, 24 घंटे में सबसे ज्यादा पलामू में 74एमएम बारिश

रांची, 16 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में एक हफ्ते से सुस्त पड़ा मौसम आज फिर से एक्टिव होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून की एक टर्फ लाइन श्रीगंगानगर, रोहतक, दिल्ली, कानपुर, पुरुलिया होते हुए दीघा तक बना हुआ है। इस टर्फ लाइन की वजह से आज भी राज्य के कई हिस्सों में बारिश होगी। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 17 और 18 अगस्त को भारी से भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से रेड अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार की रात राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य जिलों में घंटे भर की तेज बारिश हुई है। सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम उमस वाला हो गया है। लगभग ऐसी ही स्थिति राज्य के दूसरे जिलों में भी है। आज राज्य के 8 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। बीते 24 घंटे में झारखंड के हर हिस्से में तेज बारिश हुई है। वहीं बादल के गर्जन भी हुए हैं। हालांकि की अभी तक वज्रपात से किसी तरह की क्षति की सूचना नहीं मिली है। बारिश की बात करें तो सबसे अधिक बारिश पलामू-लातेहार के नेतरहाट कॉर्नर में हुई है। यहां 74 मिमी बारिश हुई है। इसके अतिरिक्त हजारीबाग के मरकच्चो में 73, गुमला के भरनो में 64.4, लातेहार के बरवाडीह में 61.8, डाल्टेनगंज के सरयू में 60 मिमी बारिश हुई है। वहीं राज्य में अन्य हिस्सों में औसत बारिश 30 से 56 मिमी है। मौसम विभाग ने 17 और 18 अगस्त को भारी से भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। इस दो दिन में 64.5 मिमी से 115.5 मिमी तक बारिश हो सकती है।

रायपुर दक्षिण उप चुनाव के लिए भाजपा से 4 दावेदार

बृजमोहन की पसंद पर लग सकती है मुहर, कांग्रेस से 6 नामों की चर्चा

रायपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भाजपा ने रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए चार दावेदारों के नाम तय कर हाईकमान के पास दिल्ली भेज दिया है। बीजेपी के इंटर्नल सर्वे में जो नाम सामने आए हैं उनमें संजय श्रीवास्तव, सुभाष तिवारी, केदार गुप्ता और सुनील सोनी है। इनमें बृजमोहन की पसंद पर मुहर लग सकती है।

वहीं कांग्रेस से मेयर एजाज ढेबर, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, कांग्रेस के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल, सन्नी अग्रवाल, सतनाम पनाग और सुमीत दास के नामों की चर्चा है। आधिकारिक रूप से किसी ने अब तक लिखित में आवेदन नहीं किया है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने दक्षिण से दूधाधारी मठ के संचालक महंत रामसुंदर दास को मैदान में उतारा था। संगठन सूत्रों के मुताबिक बृजमोहन अग्रवाल के पसंदीदा कैंडिडेट सुनील सोनी हैं। हाल ही में तिरंगा यात्रा निकाली गई तो बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी गाड़ी में सुनील सोनी को साथ ही रखा। इसे भी लोग सुनील सोनी की दावेदारी से जोड़कर चर्चा कर रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार सुनील कुमार के मुताबिक बृजमोहन अग्रवाल विधानसभा चुनाव में बड़ी लीड से विजयी हुए थे। इसलिए उप चुनाव में बृजमोहन अग्रवाल की पसंद को पार्टी मौका दे सकती है। भाजपा बृजमोहन से पूछ सकती है कि हम दक्षिण से किसे उम्मीदवार बनाएं। भाजपा ने संगठन के नेता शिवरतन शर्मा और श्याम बिहारी जायसवाल को उप चुनाव का प्रभारी बनाया है। वहीं कांग्रेस ने अब तक ऐसी कोई नियुक्ति नहीं की है। दिसंबर के आस-पास छत्तीसगढ़ में नगरी निकाय के चुनाव हो सकते हैं। माना जा रहा है कि इसी दौरान रायपुर दक्षिण विधानसभा में भी उपचुनाव हो जाए। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के पास 5 हजार करोड़ की संपत्ति

दावा- इसमें से 90% पर अवैध कब्जा जब आवेदन दिया- आधा दुर्ग हमारा

रायपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। 'विधेयक में संशोधन के नाम पर टारगेट किया जा रहा है। जब हम दूसरे समुदाय की किसी समिति में सदस्य नहीं हैं, तो वे हमारी समिति में क्यों शामिल किए जाएं? जिस तरह से वक्फ बोर्ड चल रहा है, उसी तरह से चलने देना चाहिए। बोर्ड की ताकत को बढ़ाने की जरूरत है, ताकि अपनी संपत्ति की वो रक्षा कर सके।'

ये कहना है छत्तीसगढ़ के मुस्लिम समुदाय के लोगों का। दरअसल, केंद्र सरकार ने 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश किया। इसके बाद देश की सबसे बड़ी और ताकतवर मुस्लिम संस्था वक्फ बोर्ड चर्चा में है। प्रदेश में मुस्लिम इस बिल का विरोध कर रहे हैं। बोर्ड का दावा है कि छत्तीसगढ़ में 5 हजार करोड़ की संपत्ति उनके पास है। उनका दावा है कि रायपुर के पंडरी बस स्टैंड के सामने जमीन उनकी है। हालांकि ज्यादातर जमीनों पर कब्जा है। इसके चलते उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। राज्य वक्फ बोर्ड ने 2022 में एक आवेदन दिया था। उसमें कहा गया कि 1993 में संशोधन के बाद एक अधिनियम लाया गया। उसमें दावा किया गया

कि दुर्ग शहर की आधे से अधिक जमीन उनकी है। इसके बाद तहसीलदार दुर्ग ने दावा आपत्ति मंगाई। इस पर स्थानीय लोगों की नाराजगी और बीजेपी नेताओं के हस्तक्षेप के बाद मामला आज तक लंबित है। बिलासपुर जिले के बृहस्पति बाजार स्थित निगम की जमीन पर जनवरी 2017 में वक्फ बोर्ड ने अपना दवा किया। यह दावा वक्फ बोर्ड ने तब किया था, जब निगम अपनी जमीन में वर्किंग वुमंस के लिए हॉस्टल का निर्माण कर रहा था। इस पर जांच कराई गई तो जमीन निगम की ही निकली।

सेक्स रैकेट का भंड़ाफोड़

होटल के कमरे में पकड़ी गईं 5 लड़कियां और 2 लड़के

रांची, 16 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के रांची में पुलिस ने होटल में चलने वाले सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मामला अरगोड़ा थाना क्षेत्र में स्थित होटल मौर्या का है। यहां पुलिस ने छापा मारकर एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि होटल में देह व्यापार चल रहा है। इस छापेमारी में पुलिस ने होटल से 5 लड़कियों और 2 लड़कों को आपत्तिजनक हालत में हिरासत में लिया है। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। यह घटना बुधवार को हुई जब एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को गुप्त सूचना मिली थी कि होटल मौर्या में देह व्यापार चल रहा है। सूचना मिलते ही उन्होंने अरगोड़ा थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम बनाई। टीम ने होटल में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने होटल से पांच लड़कियों और दो लड़कों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा। होटल के कमरे से पुलिस को कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिला है। पुलिस पांचों लड़कियों और दोनों लड़कों को लेकर थाने ले आई। यहां सभी लोगों से पूछताछ की जा रही है। बता दें, पिछले तीन महीनों में होटल मौर्या में यह दूसरी बार छापेमारी हुई है। इससे पहले जून में भी पुलिस ने यहां छापेमारी की थी और दो लड़कियों को देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बुधवार को ही होटल मौर्या के पास एक स्पा सेंटर में भी छापेमारी की थी। हालांकि, वहां कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। पुलिस को सूचना मिली थी कि स्पा सेंटर में भी देह व्यापार चल रहा है।

महंत बोले- नेताओं की फूट से चुनाव हारी कांग्रेस

नेता प्रतिपक्ष ने कहा-छत्तीसगढ़ पीसीसी चीफ का ठुकरा चुका हूं ऑफर, संगठन में होगा बदलाव

बिलासपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि, नेताओं में फूट की वजह से पार्टी को विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हम एकजुट होकर, एक साथ होकर नहीं लड़े। इसलिए हारे हैं। इसको हम भी मानते हैं और कांग्रेसी भी।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत शुक्रवार को बिलासपुर दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात की। डॉ. महंत ने कहा कि, इस बार एकजुट होकर, एक मन से लड़ेंगे। अगली बार फिर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। महंत ने कहा कि, हार के बाद चुनाव में हर दल के नेता समीक्षा करते हैं। पार्टी के बड़े नेताओं की समीक्षा के बाद संगठन में बदलाव की जरूरत बताई गई है। जाहिर है कि अब यहां संगठन में बदलाव होगा। उन्होंने संकेत देते हुए कहा कि पार्टी के अंदरूनी मतभेदों को दूर करने के लिए

संगठन में बदलाव किया जाएगा। डॉ. महंत ने कहा कि मैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस में नहीं हूं। उन्होंने कहा कि मैंने यह ऑफर पहले ही ठुकरा दिया है। छोटे-मोटे कर 6 चुनाव मैंने निपटाए हैं। अब मुझे प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनना है। डॉ. महंत ने कहा कि, कुछ लोगों को लगा था कि, सीजीपीएससी में भ्रष्टाचार हुआ है। उसमें जांच हो रही है। उसमें जितने लड़के पास हुए हैं, वे कांग्रेसियों के हैं या कांग्रेस समर्थकों के हैं। कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला के घर पर सीबीआई की दबिश का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि उनके घर से कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि, न बच्चों का कम नंबर है, न बच्चियों का कम नंबर है। इस तरह का कोई भी रिकॉर्ड उसके घर से नहीं जब्त हुआ। मुझे खुशी की है कि हम साफ-सुथरे हैं। जो गंदे हैं, वो होंगे। उन पर कार्रवाई होगी। जब अभी तक रिपोर्ट नहीं आने का पूछा गया तो बोले कि जानकारी मिली है।

नक्सलियों ने लगाए बैनर

जमीन दलाल को जन अदालत में मौत की सजा देने की लिखी बात

जगदलपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा थाना क्षेत्र के ग्राम पालनार में नक्सलियों ने बैनर पोस्टर लगते हुए जमीन दलाल को जन अदालत में मौत की सजा देने की बात लिखी है। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँच बैनर पोस्टर को जब्त करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू कर दिया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि दंतेवाड़ा जिले के पालनार साप्ताहिक बाज़ार में नक्सलियों के द्वारा बैनर पोस्टर लगाया गया, नक्सलियों ने अपने बैनर पोस्टर पर जमीन बेचने वाले दलाल को मौत की सजा देने की बात लिखी। मामले की जानकारी लगते ही कुआकोंडा पुलिस मौके पर पहुँचकर बैनर पोस्टर को जप्त कर लिया है। साप्ताहिक बाजार में इस तरह से बैनर पोस्टर मिलने से आमजन के साथ ही ग्रामीणों मे दहशत देखी जा रही है, बताया जा रहा है यह पोस्टर कुआकोंडा थाना क्षेत्र के पालनार में दरभा डिवीजन के नक्सलियों के द्वारा बैनर पोस्टर लगाया गया है। दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा थाना क्षेत्र के ग्राम पालनार में नक्सलियों ने बैनर पोस्टर लगते हुए जमीन दलाल को जन अदालत में मौत की सजा देने की बात लिखी है।

बंगाल में डॉक्टर की हत्या का मामला

जिला अस्पताल में ओपीडी बंद कर जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर बैठे

कांकेर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बंगाल में पश्चिम ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में जूनियर डॉक्टर्स हड़ताल पर उतर आए हैं। कांकेर मेडिकल कालेज के डॉक्टर ओपीडी बंद कर अस्पताल के बाहर हड़ताल पर बैठ गए। उनका कहना है कि जिस तरह पश्चिम बंगाल में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ घटना हुई है उससे सभी क्षुब्ध है। कांकेर जिले के अस्पतालों में भी कोई सुरक्षा डॉक्टरों को नहीं मिल रही है जबकि लम्बे समय से पुलिस चौकी और सुरक्षा की समूची व्यवस्था की मांग करते आये हैं। उनकी मांग है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। जूनियर डॉक्टरों का मांग है कि आरजी कार मेडिकल कालेज कोलकाता में 36 घंटे से ड्यूटी कर रही महिला डॉक्टर के साथ

हुए बलात्कार एंव हत्या की कड़ी जाँच, सभी दोषियों की पहचान एव कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। मेडिकल / सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट डॉक्टरो एंव हेल्थ केयर स्टॉफ के साथ आये दिन अमानवीय घटना होते रहती है। जिसके लिए मेडिकल / सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट एवं नियम लागू होना चाहिए।

हर अस्पताल में पुलिस चौकी पुलिस कांस्टेबल हर वार्ड में प्रशिक्षित सुरक्षागार्ड और सीसीटीवी होना चाहिए। कोमलदेव एंव एमसीएच अस्पताल काकेर में कई बार ऐसी घटनांए हो चुकी है, कई बार मांग करने के बाद भी हमको सुरक्षा नहीं मिल रहा है दोनों अस्पताल में पुलिस चौकी कांस्टेबल एंव सुरक्षा गार्ड तुरंत मिलना चाहिए। कांकेर में व्यवस्थित अस्पताल एवं कॉलेज परिसर का जल्द निर्माण हो। सुरक्षित माहौल हो। अस्पताल परिसर को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

पाकिस्तान में मिला मंकीपॉक्स का केस

डब्ल्यूएचओ ने एक दिन पहले ही इसे हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया, इस साल 500 से ज्यादा मौत

इस्लामाबाद, 16 अगस्त (एजेंसियां)। स्वीडन के बाद अब पाकिस्तान में भी मंकीपॉक्स का केस मिला है। रॉयटर्स के मुताबिक पाकिस्तान में शुक्रवार(16 अगस्त) को मंकीपॉक्स के तीन केस मिले। सभी यूएई की यात्रा करके लौटे थे। अभी पता नहीं चल पाया है कि मरीजों में कौन सा वैरिएंट है। तीनों मरीजों को अलग-अलग रखा गया है। इससे पहले गुरुवार को स्वीडन में मंकीपॉक्स का मामला सामने आया था। अफ्रीका के बाद यह पहला मामला था। रिपोर्ट्स के मुताबिक मरीज में मंकीपॉक्स का क्लेड आई वैरिएंट पाया गया, जो कि एक जानलेवा वैरिएंट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को एमपाक्स यानी मंकीपॉक्स को ग्लोबल पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है। यह दो साल में दूसरी बार है जब इस बीमारी को हेल्थ इमरजेंसी बताया गया है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के

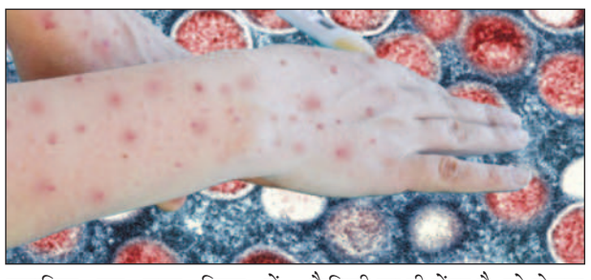

मुताबिक इस साल विश्व में मंकीपॉक्स से अब तक 537 मौत हो चुकी है। कांगो में इस बीमारी का प्रकोप फैला हुआ है। इसकी चपेट में पड़ोसी देश भी आ रहे हैं।

मंकीपॉक्स चेचक जैसी एक वायरल बीमारी है। आमतौर इस वायरस से संक्रमण के ज्यादा दुष्प्रभाव नहीं होते हैं, लेकिन दुर्लभ मामलों में यह घातक हो सकता है। इसके चलते फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं और शरीर पर मवाद से भरे घाव हो जाते हैं। यह वायरस ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस फैमिली का ही मेंबर है, जो चेचक (स्मालपॉक्स) के लिए भी जिम्मेदार है। डब्ल्यूएचओ इसलिए भी चिंतित है क्योंकि मंकीपॉक्स के अलग-अलग प्रकोप में मृत्यु दर अलग-अलग देखी गई है। कई बार तो यह 10% से भी अधिक रही है। यह इसलिए अधिक खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि यह संक्रामक बीमारी है। इसलिए डब्ल्यूएचओ ने इसे लेकर सबसे उच्च स्तर का अलर्ट जारी किया है। अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) के मुताबिक इस साल अब तक अफ्रीकी महाद्वीप पर एमपाक्स के 17,000 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जबकि 517 मौतें रिपोर्ट की गई हैं। पिछले साल इसी अवधि की तुलना में इस साल मामलों में 160% की बढ़ोतरी हुई है। कुल मिलाकर 13 देशों में एमपाक्स के मामले दर्ज किए गए हैं। कांगो में प्रकोप की शुरुआत एक स्थानिक प्रकार के फैलाव से हुई, जिसे क्लेड-I के नाम से जाना जाता है। लेकिन एक नए स्ट्रेन क्लेड-आईबी सामने आया है जो नॉर्मल कॉन्टैक्ट से आसानी से फैलता है। इसमें सेक्शुअल कॉन्टैक्ट भी शामिल है। यह कांगो के पड़ोसी देशों जैसे कि बुरुंडी, केन्या, रवांडा और युगांडा में फैल गया है। इसके चलते डब्ल्यूएचओ को यह एक्शन लेना पड़ा।

डायनासोर का खात्मा करने वाला उल्कापिंड कहां से आया था

अंतरिक्ष में यहां बनी थी महाविनाश की चट्टान, स्टडी में खुलासा

वॉशिंगटन, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पृथ्वी पर आज से 6.6 करोड़ साल पहले डायनासोर का राज हुआ करता था। इनके विलुप्त होने के बीछे एक उल्कापिंड को कारण माना जाता है, जिसके पृथ्वी पर गिरने से ऐसी तबाही मची कि पूरी धरती से डायनासोर मिट गए। साइंस जर्नल में गुरुवार को इससे जुड़ा एक नया अध्ययन प्रकाशित हुआ है। इसमें वैज्ञानिकों ने बताया कि आखिर डायनासोर को धरती से खत्म करने वाला उल्कापिंड कहां से आया था। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह उल्कापिंड बृहस्पति की कक्षा से दूर पैदा हुआ था। उल्कापिंड के गिरने से मेक्सिको में एक विशाल गड्ढा बना जिसे चिक्सुलब क्रेटर कहा जाता है। इसका ज्यादातर हिस्सा समुद्र में है। वैज्ञानिकों ने क्रेटर के तटछट के नमूनों का विश्लेषण किया, जिससे यह पता चला कि ये एक सी-टाइप का एस्टेरॉयड था। यह पहले के उन दावों का खंडन करता है, जिसके मुताबिक यह

एस्टेरॉयड नहीं बल्कि धूमकेतु था। ये स्टडी पृथ्वी पर आकाशीय पिंडों की उत्पत्ति और प्रभावों के बारे में ज्यादा जानकारी देती है। शोधकर्ताओं ने प्रभाव के समय तलछट के नमूनों में रूथेनियम के आइसोटोप मापने के लिए एक अनोखी तकनीक का इस्तेमाल किया। रूथेनियम तत्व एस्टेरॉयड में आम है, लेकिन पृथ्वी पर दुर्लभ है। इससे वैज्ञानिकों को यह पुष्टि करने में मदद मिली कि नमूनों में तत्व विशेष रूप से टक्कर से प्रभाव से आया।

कहां से आया था उल्कापिंड?

कोलोन विश्वविद्यालय के भू-रसायनज्ञ मारियो फिशर-गोडे इस स्टडी के प्रमुख लेखक हैं। उन्होंने अपनी स्टडी के निष्कर्षों के महत्व पर जोर दिया। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा, 'हम अपनी सभी जानकारी के आधार पर कह सकते हैं कि यह एस्टेरॉयड बृहस्पति से भी आगे से आया था।' निष्कर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस प्रकार के एस्टेरॉयड के साथ टक्कर दुर्लभ है। इन घटनाओं को समझ कर हम भविष्य में ऐसे किसी भी खतरे से बच सकते हैं। साथ ही यह सुराग मिल सकता है कि आखिर पृथ्वी पर पानी कहां से आया।

एस्टेरॉयड बेल्ट में था उल्कापिंड

रूथेनियम के आइसोटोप के इस्तेमाल से शोधकर्ता बाहरी सौर मंडल के सी-टाइप के कार्बनयुक्त उल्कापिंडों और सौर मंडल के अंदर एस-टाइप के सिलिकेट उल्कापिंड के बीच अंतर कर सकते हैं। अध्ययन ने पुष्टि की है कि डायनासोर को खत्म करने वाला उल्कापिंड बृहस्पति से परे बना एक कार्बनिक उल्कापिंड था। पहले भी अध्ययनों ने इसका सुझाव दिया था, लेकिन तब बेहद कम सटीकता थी। गोडे ने कहा कि ज्यादातर उल्कापिंड या एस्टेरॉयड के टुकड़े जो पृथ्वी पर गिरते हैं वह एस-प्रकार के होते हैं। अध्ययन यह भी बताता है कि पृथ्वी पर टक्कर से पहले यह बृहस्पति के एस्टेरॉयड बेल्ट से होकर गुजरा होगा। हालांकि स्टडी यह नहीं बता सकी है कि टक्कर से पहले यह कहां था।

पाकिस्तान सरकार ने पहली बार मानी इंटरनेट में गड़बड़ी की बात

इस्लामाबाद, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सरकार ने पहली बार माना है कि वह अपने वेब मैनेजमेंट सिस्टम को अपग्रेड कर रही है, ताकि साइबर सुरक्षा की चुनौतियों से निपटा जा सके। दरअसल पाकिस्तान में इन दिनों इंटरनेट की समस्या बनी हुई है और लाखों लोग इंटरनेट में गड़बड़ी की शिकायत कर रहे हैं। खासकर मोबाइल इंटरनेट में सबसे ज्यादा परेशानी आ रही है। हालांकि पाकिस्तान सरकार की तरफ से इसे लेकर अनभिज्ञता जताई जा रही थी या फिर इसे टेलीकॉम और इंटरनेट सर्विस प्रदाताओं की जिम्मेदारी बताया जा रहा था। अब गुरुवार को सूचना तकनीक पर पाकिस्तानी सीनेट की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक के बाद आईटी और टेलीकम्युनिकेशन मंत्री शाजा फातिमा ख्वाजा ने कहा कि सरकार ने पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी से रिपोर्ट मांगी है। ख्वाजा ने कहा कि 'इंटरनेट धीमा नहीं होना चाहिए। हम 5 जी तकनीक पाकिस्तान में लाने की बात कर रहे हैं और इसमें कोई शक नहीं है कि उच्च गति की इंटरनेट स्पीड को लेकर बातचीत चल रही है।' ऐसी चर्चाएं हैं कि पाकिस्तान सरकार फायरवॉल सिस्टम को इंस्टॉल कर रही है। जब इसे लेकर मंत्री से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सरकार एक वेब मैनेजमेंट सिस्टम संचालित कर रही है और सिस्टम अब अपग्रेड हो चुका है। हालांकि उन्होंने इसे रूटीन काम बताया और कहा कि इससे इंटरनेट की स्पीड बेहतर होगी।

हालांकि इसे लेकर उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। पाकिस्तान में इंटरनेट संबंधी समस्या पुरानी है। यही वजह है कि लाहौर उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें इंटरनेट पर प्रतिबंध को खत्म करके तुरंत इंटरनेट सेवाओं को बहाल करने की मांग की गई है।

चक्रवात एम्पिल के कारण घरों को खाली करने के निर्देश

रेलवे-विमान सेवाएं रद्द

टोक्यो, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जापान में चक्रवात एम्पिल के प्रभाव को देखते हुए टोक्यो के तट के पास रहने वाले कुछ निवासियों को तुरंत घर खाली करने का आदेश दिया गया। शुक्रवार को कुछ लोगों के घरों में बिजली चली गई। चक्रवात अब टोक्यो में तट के पास पहुंच चुका है। संयुक्त तूफान चेतावनी केंद्र (जेटीडब्ल्यूसी) के अनुसार, दो दिनों में चक्रवात एम्पिल अधिक शक्तिशाली हो चुका है। अगले 12 घंटों तक चक्रवात के और तेज होने की आशंका है। जापान के पास से गुजरते हुए यह चक्रवात का असरन चरम पर होगा।

घरों को खाली करने के दिए गए निर्देश

चक्रवात को देखते हुए इसुमी के तटीय क्षेत्रों के अधिकारी ने लगभग 17000 घरों को खाली करने का नोटिस जारी किया। इसी के साथ उन्होंने बुजुर्गों और दिव्यांगों से सुरक्षा की तलाश करने का भी आग्रह किया। शुक्रवार देर रात तक इस क्षेत्र में तूफान आने की संभावना है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ भारी बारिश भी हो सकती है।

योकोहामा शहर में भी नोटिस जारी कर स्थानीय निवासियों को भी सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश जारी किए गए। शुक्रवार सुबह तक तटीय इलाकों में तेज बारिश और हवा के कारण हजारों घरों में बिजली गुल हो गई। तूफान को लेकर जारी नोटिस के बाद रेलवे और एयरलाइंस ने सेवाएं रद्द कर दी। दो प्रमुख एयरलाइंस जापान एयरलाइंस और ऑल निप्पॉन एयरलाइंस ने 500 उड़ाने रद्द कर दीं। चक्रवात एम्पिल के कारण रेलवे को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छह बुलेट रेल लाइन सेवाएं निलंबित कर दी गई।

मौसम विभाग ने उत्तरी और पूर्वी जापान के लिए भारी बारिश, तेज हवाएं, बांढ़ की स्थिति और भूस्खलन की चेतावनी जारी की। अधिकारियों ने सभी लोगों से आवश्यक सावधानी बरतने और तूफान के प्रभाव के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। चक्रवात का केंद्र तट से थोड़ा दूर है।

गाजा में फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 40 हजार पहुंचा

18 लाख लोग बेघर, इजराइल-हमास के बीच 11 महीने से जंग जारी

यरूशलम, 16 अगस्त (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग में मरने वाले फिलिस्तीनियों लोगों का आंकड़ा 40 हजार के पार हो गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार 15 अगस्त को इसकी जानकारी दी। गाजा पर इजराइली हमलों में अब तक 90 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय की तरफ से जारी किए आंकड़ो में हमास के आतंकवादियों को भी शामिल किया गया है। मरने वालों की संख्या इससे भी अधिक हो सकती है। अभी भी कई शव मलबे में दबे हुए हैं। इजराइल और हमास बीच इस जंग को लगभग 11 महीनों का वक्त बीत गया है। बीते साल 7 अक्टूबर को हमास के आतंकियों ने इजराइल पर हमला किया था। इस हमले में लगभग 1200 इजराइली नागरिकों की मौत हो गई थी। वहीं आंतकवादी लगभग 250 लोगों बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। इजराइल के मुताबिक अभी भी 111 लोग हमास की कैद में मौजूद है। इनमें 39 शव भी शामिल हैं। बंधकों में 15 महिलाएं और 5 साल से कम उम्र के 2 बच्चे शामिल हैं। 7 अक्टूबर के हमले के बाद इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया था। इस जंग में अब तक इजराइल के 329 सैनिकों की भी मौत हो गई है। वहीं इजराइली सेना के मुताबिक उन्होंने अब तक हमास के 15 हजार से अधिक आतंकियों का मार गिराया है। जंग की वजह से गाजा में लगभग 18 लाख लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। इजराइल और दक्षिणी लेबनान में भी हजारों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। जंग की वजह से गाजा में मानवीय संकट खड़ा हो गया है। इजराइली हमलों की मार झेल रहे गाजा के नागरिकों के सामने भुखमरी की समस्या पैदा हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक गाजा के लगभग 5 लाख लोगो को आने वाले महीनों में खाद्य संकट का सामना करना पड़ेगा। ये आंकड़ा गाजा की कुल आबादी का लगभग एक चौथाई हिस्सा है।

इजराइल- हमास के बीच सीजफायर और बंधकों की अदला-बदली के लिए कतर में 15 अगस्त से बातचीत शुरू हो गई है। ये बातचीत दो दिन चलेगी। इस सीजफायर डील में इजराइल के अलावा कतर, अमेरिका और मिस्त्र के नेताओं ने हिस्सा लिया। हमास की कोई भी प्रतिनिधि इस बातचीत में शामिल नहीं हुआ। इस प्लान के मुताबिक हमास 7 अक्टूबर को बंधक बनाए कुछ लोगों को रिहा करेगा। साथ ही इजराइली सेना गाजा के इलाके से पीछे हटेगी।

इसके अलावा इजराइल की जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा।

यूक्रेन को 50 डॉलर चंदा दिया, 12 साल की कैद

दादी से मिलने रूस आई अमेरिकी महिला को सुनाई गई सजा

कीव, 16 अगस्त (एजेंसियां)। रूस में एक महिला को 12 साल के जेल की सजा सुनाई गई है। उसने यूक्रेन से जुड़ी एक चैरिटी संस्था रजोम को 50 डॉलर (करीब 4200 रुपए) चंदा दिया था। महिला का नाम कसेनिया खवाना (33) है। उसके पास अमेरिकी नागरिकता है। कसेनिया को इस साल फरवरी में रूसी शहर येकातेरिनबर्ग से गिरफ्तार किया गया था। यह मॉस्को से 1600 किमी दूर पूर्व में स्थित है। यहां वह अपनी दादी से मिलने आई थी। शादी से पहले उसका नाम कसेनिया कैरिलिना था। उस पर पिछले हफ्ते ट्रायल चला था, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया। कोर्ट में कसेनिया पर आरोप लगा कि उसने यूक्रेनी संगठन को पैसे दिए जो यूक्रेनी सेना को हथियार और गोला-बारूद खरीदने में मदद करती है। कसेनिया के वकील ने कहा कि वो कोर्ट के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे। वकील ने कहा कि कसेनिया ने पैसे ट्रांसफर करने

की गलती मानी है, लेकिन उसे नहीं पता था कि ये संस्था यूक्रेनी सेना को पैसा भेजती है जिसका इस्तेमाल रूस के खिलाफ होता है। उसे कहा गया था कि इस फंड का इस्तेमाल रूस-यूक्रेन जंग के पीड़ितों को मदद पहुंचाने में होगा। कसेनिया पूर्व बैले डांसर है। उसने एक अमेरिकी नागरिक से शादी की और अमेरिका जाने के बाद 2021 में वहां की नागरिकता ले ली। कसेनिया जनवरी में रूस पहुंची थी। अमेरिका से आने की वजह से पुलिस ने उसका फोन जब्त कर लिया गया था। पुलिस को फोन में फंडिंग का सबूत मिला। वह अमेरिकी वापस लौटने वाली थी लेकिन इससे पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उस पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया। बाइडेन सरकार में नेशनल सिक्योरिटी प्रवक्ता जॉन किर्बी ने खवाना की सजा की निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी खवाना के मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ 50 डॉलर दान देने के लिए किसी को देशद्रोही कहना और उसे 12 साल की सजा देना बेतुका है। कसेनिया के पति क्रिस ने सीएनएन से कहा कि वह इस फैसले सै हैरान है। वह अपनी पत्नी को छोड़ने के लिए तुर्की में इंस्तांबुल एयरपोर्ट तक आया था। वह बस एक महीने के लिए रूस गई थी, लेकिन अब उसे 12 सालों की सजा मिल गई है। क्रिस ने कहा कि उसकी पत्नी को पॉलिटिक्स से कोई मतलब नहीं है। उसने किसी दोस्त के कहने पर चंदा दिया होगा। क्रिस ने कहा कि पिछले बुधवार को उसने अपनी पत्नी को चिट्ठी लिखी है। हालांकि वह जानता है कि वो उसे कभी पढ़ने को नहीं मिलेगी। लेकिन फिर भी वो ऐसा कर रहा है। कसेनिया का ये मामला तब आया है इसी महीने की शुरुआत में अमेरिका- रूस और पश्चिमी देशों के बीच कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली हुई है। इस डील को तुर्किये की राजधानी अंकारा में कराया गया।

इसके तहत अमेरिका, रूस और जर्मनी सहित 7 देशों की जेलों में कैद 26 कैदी रिहा किए गए। इसे शीत युद्ध के बाद से अब तक की सबसे बड़ी माना गया। इनमें से 2 नाबालिग सहित 10 कैदियों रूस भेजा गया। वहीं 13 कैदियों को जर्मनी और 3 कैदी अमेरिका भेजे गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस डील के लिए पहले ही मंजूरी दे दी थी। पिछले 3 सालों में अमेरिका और रूस की बीच कैदियों की अदला-बदली से जुड़ी ये तीसरी डील थी।

बांग्लादेश ने अमेरिका-रूस समेत 7 देशों से राजदूत बुलाए

पिछली सरकार में हुई थी नियुक्ति, हिंसा की जांच करने ढाका जाएगी यूएन टीम

ढाका, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अमेरिका, रूस, सऊदी अरब, जापान, जर्मनी, यूएई और मालदीव में तैनात अपने राजदूतों को वापस बुलाने का फैसला किया है। इन्हें शेख हसीना के कार्यकाल में नियुक्त किया गया था। बांग्लादेश में 8 अगस्त को अंतरिम सरकार के गठन के बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर 7 देशों के राजदूतों को वापस बुलाने से जुड़ी अलग-अलग नोटिफिकेशन भी जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि राजदूतों और उच्चायुक्तों का ढाका ट्रांसफर कर दिया गया है। इन्हें मौजूदा जिम्मेदारी छोड़कर ढाका वापस लौटने का आदेश दिया गया है। अच्चायुक्त और राजदूतों के अलावा वाशिंगटन में सचिव वहीदुज्जमां नूर और काउंसलर आरिफा रहमान रूमा, कनाडा के ओटावा में काउंसलर अपर्णा रानी पाल और काउंसलर मोबशवीरा फरजाना और न्यूयॉर्क में सचिव

असिब उद्दीन अहमद की संविदा नियुक्ति रद्द कर दी गई हैं। इन पांचों को 31 अगस्त से पहले तक देश बुलाया गया है। बांग्ला अखबार ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों की एक टीम अगले सप्ताह बांग्लादेश का दौरा करेगी। टीम पीएम हसीना के इस्तीफे से पहले और बाद में हुई प्रदर्शनकारियों की हत्याओं की जांच करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि 1971 में बांग्लादेश की आजादी के बाद पहली बार होगा जब संयुक्त राष्ट्र की टीम मानवाधिकारों के हनन की जांच करने के लिए पहुंचेगी।

भारत ने एक साल पहले अमेरिका पर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर दबाव न डालने के लिए जोर डाला था। ये दावा वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में किया गया है। बांग्लादेश में 7 जनवरी को आम चुनाव हुए थे। इससे पहले हसीना ने अपने विरोधी नेताओं को जेल भेज दिया था। अमेरिका ने इसकी आलोचना की थी। अमेरिका ने सिंतबर 2023 में शेख हसीना की पार्टी से जुड़े कई नेताओं पर वीजा से जुड़ा बैन लगा दिया था। इसके पहले अमेरिका ने दिसंबर 2021 में बंगलादेश की रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) पर बैन लगा दिया था। आरएबी पर आरोप था कि वह विपक्षी नेताओं पर अत्याचार कर रही है। इन घटनाओं के बाद भारतीय अधिकारियों ने अमेरिका से हसीना सरकार के साथ नरम रुख अपनाने को कहा था। उन्होंने तर्क दिया कि अगर विपक्ष सत्ता हासिल करता है, तो इससे बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथी समूह हावी हो सकते हैं, जिससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पहुंच सकता है। बांग्लादेश में पूर्व पीएम शेख हसीना को वापस देश बुलाए जाने और उनपर मुकदमा चलाने को लेकर हिंसा शुरू हो गई है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में गुरुवार को शहीद मीनार पर अलग-अलग छात्र गुटों ने हजारों की संख्या में पहुंचकर प्रदर्शन किया।

रूस में यूक्रेनी सेना 35किमी तक दाखिल, सुद्जा पर कब्जा

10 दिनों में 82 गांव छीने, 2 लाख से ज्यादा लोगों ने घर छोड़ा

मास्को, 16 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि यूक्रेन ने रूसी शहर सुद्जा पर कब्जा कर लिया है। यूक्रेनी सेना रूस में 35 किमी अंदर तक घुस चुकी है। जेलेंस्की ने गुरुवार को वीडियो संदेश में कहा कि सुद्जा में अब यूक्रेनी मिलिट्री कमांडेंट का सेंटर खुल चुका है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना ने बीते 10 दिनों में रूस के 82 गांवों पर कब्जा कर लिया है। सुद्जा, यूक्रेनी सीमा से लगभग 10 किमी दूरी पर है। इसकी आबादी करीब 5,000 है। यहां रूस का एक गैस पाइपलाइन स्टेशन है। इसकी मदद से वह यूरोपीय देशों को गैस सप्लाई करता है। ब्रिटिश वेबसाइट द

गार्जियन के मुताबिक सुद्जा पर यूक्रेन का कब्जा एक बड़ी घटना है। रूस सुद्जा के रास्ते से यूरोपीय देशों को करीब 3% गैस भेजता है। रूस के पूर्व उप विदेश मंत्री आंद्रेई फेडोरोव ने एक सरकारी टेलीविजन टॉक शो में कहा कि सुद्जा पर यूक्रेन का कंट्रोल होने से रूस से अधिक यूरोप को नुकसान होगा। हंगरी और स्लोवाकिया तक जाने वाली गैस की सप्लाई ठप हो जाएगी।

रानिल विक्रमासिंघे को मिला 30 पार्टियों के गठबंधन का समर्थन

राष्ट्रपति पद की दावेदारी हुई मजबूत

कोलंबो, 16 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को शुक्रवार को 30 से ज्यादा राजनीतिक दलों के महागठबंधन ने समर्थन देने का एलान किया है। श्रीलंका में अगले महीने ही राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होना है। राष्ट्रपति पद की रेस में रानिल विक्रमसिंघे फिलहाल सबसे आगे चल रहे हैं। 75 वर्षीय विक्रमसिंघे ने गुरुवार को राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन किया। विक्रमसिंघे बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

रानिल विक्रमसिंघे को श्रीलंका पोडुजना पेरामुना पार्टी से अलग हुए राजपक्षे परिवार ने भी समर्थन देने का एलान किया है। श्रीलंका

में पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के शासनकाल में गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद श्रीलंका में विद्रोह हुआ और गोटबाया राजपक्षे को राष्ट्रपति पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद रानिल विक्रमसिंघे को श्रीलंका का अस्थायी राष्ट्रपति चुना गया। विक्रमसिंघे के नेतृत्व में श्रीलंका की अर्थव्यवस्था संकट से निकलती दिखी है।

सऊदी के युवराज को सता रहा अपनी हत्या का डर

अमेरिकी अधिकारियों के सामने जताई आशंका

रियाद, 16 अगस्त (एजेंसियां)। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान को अपनी हत्या का डर सता रहा है। ये खुलासा किसी और ने नहीं बल्कि खुद मोहम्मद बिल सलमान ने ही किया है। दरअसल सऊदी युवराज को डर है कि अगर वे इस्राइल, अमेरिका और सऊदी अरब की संभावित डील पर आगे बढ़ते हैं तो उनकी हत्या हो सकती है। पॉलिटिको में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद बिन सलमान से इस्राइल-सऊदी अरब-अमेरिका की संभावित डील को लेकर अमेरिकी अधिकारियों ने मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान ही सऊदी युवराज ने कहा कि अगर वे इस डील पर आगे बढ़ते हैं तो उनकी हत्या भी हो सकती है। इस पर जब अमेरिकी अधिकारियों ने उनकी सुरक्षा का कथित आश्वासन दिया तो मोहम्मद बिन

सलमान ने अमेरिकी अधिकारियों से पूछा कि जब मिस्त्र के राष्ट्रपति अनवर सादात को साल 1981 में इस्लामिक आतंकियों ने मार डाला था, तब अमेरिका ने क्या किया था? सऊदी युवराज ने संभावित खतरे के बावजूद डील पर आगे बढ़ने का आश्वासन दिया क्योंकि यह समझौता उनके देश के भविष्य के हित में है। समझौते के तहत अमेरिका, सऊदी अरब की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, साथ ही अमेरिका, सऊदी अरब के नागरिक परमाणु कार्यक्रम में भी मदद करेगा। अमेरिका समझौते के तहत अमेरिका, सऊदी अरब में तकनीक के क्षेत्र में भी निवेश करेगा। इसके बदले में सऊदी अरब को चीन के साथ अपने संबंधों को सीमित करना होगा और साथ ही इस्राइल के साथ अपने कूटनीतिक रिश्तों को कायम करना होगा। अगर सऊदी अरब, इस्राइल के साथ अपने कूटनीतिक संबंध स्थापित करता है तो इससे इस्राइल को बड़ा फायदा मिलेगा क्योंकि अरब दुनिया में सऊदी अरब का बहुत बड़ा प्रभाव है। हालांकि सऊदी अरब के युवराज इसी बात से डरे हुए हैं कि अगर उन्होंने फलस्तीन को अलग देश का दर्जा दिलाए बगैर इस्राइल के साथ कूटनीतिक रिश्ते स्थापित किए तो वह इस्लामिक कट्टरपंथियों के निशाने पर आ सकते हैं।

कोयला घोटाला- आईएएस समीर बिश्नोई के ससुराल में छापेमारी

छत्तीसगढ़ एसीबी अधिकारी राजस्थान के कारोबारी के घर पहुंचे, 6 घंटे चला सर्च

अनूपगढ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे अनूपगढ़ (राजस्थान) के व्यापारी गौरव गोदारा के घर में छापेमारी शुरू की। कार्रवाई दोपहर करीब डेढ़ बजे तक चली। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी (छत्तीसगढ़ कैडर) समीर बिश्नोई का यहां ससुराल है। गौरव, समीर के रिश्तेदार हैं। आय से अधिक संपत्ति के मामले में यह कार्रवाई की गई है। इसके अलावा टीम ने झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी सर्च जारी है। राजस्थान में कार्रवाई के लिए 48 घंटे पहले ही टीम को छत्तीसगढ़ से रवाना कर दिया गया था। समीर बिश्नाई के अलावा छत्तीसगढ़ सरकार में अफसर रहे रानू साहू और सौम्या चौरसिया के ठिकानों पर भी जांच चल रही है। तीनों अफसरों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज है। फिलहाल तीनों कोयला लेवी मामले में सेंट्रल जेल में बंद हैं।

घर को पूरी तरह से बंद किया

सर्च अभियान के दौरान एसीबी के डीएसपी राहुल शर्मा ने अपनी टीम के साथ मिलकर गौरव गोदारा के घर की तलाशी ली। इस दौरान किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप से बचने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एसीबी की टीम ने घर को पूरी तरह से बंद कर दिया है। फिलहाल किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी जा रही है। सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही अफसरों ने किसी भी तरह की जानकारी साझा करने की बात कही है।

2 साल पहले समीर बिश्नोई को निलंबित किया गया था

छत्तीसगढ़ सरकार ने 2 साल पहले आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई को निलंबित कर दिया था। प्रवर्तन निदेशालय ने विश्नोई के यहां छापा मारकर 47 लाख रुपए कैश और दो करोड़ रुपए कीमत के गहने बरामद किए थे। उसके बाद विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया गया था। 2016 बैच के आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई को ईडी ने कोयला कारोबारियों से मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति के आरोपों में गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी की भूमिका 2020 में खुद विश्नोई के हस्ताक्षर से जारी एक अधिसूचना से रखी गई थी।

समीर बिश्नोई ने जारी की थी अधिसूचना

ईडी ने अदालत में पेश अपने दस्तावेजों में अधिसूचना को 'भ्रष्टाचार का पेंडोरा बॉक्स' बताया था। कहा गया था, इस अधिसूचना ने ही खनिज परिवहन में अवैध वसूली का रास्ता खोला। अदालत में ईडी की कहानी भी 15 जुलाई 2020 को जारी एक अधिसूचना से शुरू होती है। इसे खनिज संसाधन विभाग के तत्कालीन संचालक समीर विश्नोई ने जारी किया था। इस अधिसूचना ने किसी भी तरह के खनिज के परिवहन की अनुमति के लिए चल रही ऑनलाइन व्यवस्था को खत्म कर दिया था।

कौन हैं समीर बिश्नोई

- 2009 बैच के IAS अफसर।
- **छत्तीसगढ़ में कई अहम पदों पर रहे।**
- कानपुर (UP) के रहने वाले हैं।
- **IIT कानपुर में भी पढ़ाई की है।**
- IIT से इंजीनियरिंग के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा में आए।
- **समीर बिश्नोई की पत्नी का नाम प्रीति बिश्नोई है।**
- छत्तीसगढ़ में कलेक्टर सहित बीज निगम, खनिज विभाग में प्रमुख पदों पर रहे।
- **घूमने के शौकीन समीर कई देशों की यात्रा कर चुके हैं।**
- 2 साल पहले ED ने समीर के आवास पर छापेमारी की थी।
- **ED ने 2 करोड़ की कीमत का 4 किलो सोना, 20 कैरेट हीरा के साथ ही 47 लाख रुपए कैश बरामदगी का दावा किया था।**

स्कूल जा रहे बच्चे को लेपर्ड ने मार डाला

बड़ा भाई साथ में था जंगल के रास्ते में हमला; ग्रामीणों का शव उठाने से इनकार

उदयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर में 10 साल के बच्चे को लेपर्ड ने मार डाला। बच्चा सुबह करीब 7 बजे अपने बड़े भाई के साथ स्कूल जा रहा था। दोनों भाइयों के साथ उनकी दो रिश्तेदार भी थीं। तभी रास्ते में लेपर्ड ने हमला कर दिया और बच्चे को दबोच लिया। उसके भाई और महिलाओं ने शोर मचाया तो ग्रामीण दौड़कर आए और बच्चे को छुड़वाया। तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। घटना फलासिया थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिछीवाड़ा की है।

ग्रामीण घटना स्थल पर वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि दो महीने पहले भी लेपर्ड के हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। उसके परिजन को आज तक मुआवजा नहीं दिया गया। जब तक उस युवक और इस बच्चे के परिजनों

को मुआवजा नहीं दिया जाएगा, तब तक शव नहीं उठाएंगे।

घर से कुछ दूरी पर हमला

जानकारी के अनुसार, पीपली फला निवासी शिव कुमार पुत्र लालू खराड़ी शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे घर से स्कूल जाने के लिए निकला था। शिव राजकीय प्राथमिक विद्यालय बीड़ा फला में पांचवीं क्लास में पढ़ता था। साथ में उसका बड़ा भाई प्रेम भी था, जो गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिछीवाड़ा में दसवीं क्लास में पढ़ता है।

दोनों के स्कूल जाने का सेम रास्ता है। दोनों भाइयों के साथ दो महिला रिश्तेदार भी थीं। चारों पीपली फला से बीड़ा फला के लिए निकले थे। घर से कुछ ही दूरी पर गोपा माता तालाब (बड़ा भीलवाड़ा) के पास धरेल महादेव के जंगल के रास्ते में अचानक लेपर्ड ने शिव पर हमला कर दिया। घटना के बाद पुलिस और वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। बच्चा लहूलुहान हालत में पड़ा था। उसकी मौत हो चुकी थी। वन विभाग की टीम लेपर्ड को रेस्क्यू करने की कोशिश कर रही है। घटना स्थल पर उदयपुर से वन विभाग की रेस्क्यू टीम को बुलाया गया है। घना जंगल होने की वजह से रास्ता नहीं है और वहां केवल पगडंडी ही है। ऐसे में वहां पर पिंजरा ले जाना भी चुनौती बना हुआ है। अब जेसीबी मंगवाई है, जिससे घटना स्थल तक रास्ता बनवाकर पिंजरा भेजा जाएगा। वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी दिलीप गुर्जर ने कहा- वे विभागीय काम से जयपुर आए हुए हैं। सूचना मिलते ही मौके पर स्टाफ को भेज दिया है। वे भी जयपुर से निकल गए हैं।

फलासिया के बिछीवाड़ा ग्राम पंचायत से 3 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर पीपला फला नाम की बस्ती है, जहां करीब 50 घर हैं।

पिकनिक मनाने गए 53 पर्यटक जंगल में फंसे

तेज बारिश से बरसाती नाला उफान पर; एसडीआरएफ ने सभी का रेस्क्यू किया

रावतभाटा (चित्तौड़गढ़), 16 अगस्त (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा में तेज बारिश के कारण बरसाती नाला उफान आ गया। शहर के अलग-अलग इलाकों से 15 अगस्त को छुट्टी मनाने 15 किलोमीटर दूर रावतभाटा के पाड़ाझर झरने पर पिकनिक मनाने गए 53 लोग जंगल में नदी और नाले के बीच फंस गए।

यहां लुहारिया समेत 2 पंचायतों के 20 गांव टापू बन गए हैं। फंसे लोगों को निकालने के लिए गुरुवार रात 10 बजे एसडीआरएफ की टीम पहुंची लेकिन बारिश और तेज बहाव के कारण रेस्क्यू शुरू नहीं हो सका। शुक्रवार सुबह 7.30 बजे से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। सुबह 10.30 बजे तक सभी 53 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। लुहारिया गांव के सरपंच प्रतिनिधि सुल्फीराम ने बताया- पुलिया ही 20 गांवों से निकलने का एक रास्ता है। इस पर 100 मीटर में पानी तेज बहाव से बह रहा है। पिकनिक मनाने आए लोगों को रात में ट्रैक्टर से हम लुहारिया गांव ले गए और वहां सरकारी स्कूल में ठहराया। उन्हें नाश्ता पानी कराया। हालात ये हैं कि इन गांवों में कोई बीमार हो जाए तो ले जाने का कोई रास्ता नहीं है। समझ लीजिये कि 5 हजार लोग फंसे हुए हैं।

पाड़ाझर जंगल के सभी रास्ते कच्चे हैं और बारिश से उन पर कीचड़ होने से वे बंद हो गए हैं। जंगल में इन रास्तों पर पर्यटकों के वाहन खड़े नजर आए।

मई में लू तो अगस्त में बारिश जानलेवा

हर 10 साल में ट्रेंड बदल रहा मानसून, 123 साल पहले जहां रेत, अब वहां बाढ़

जयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। मई का महीना याद कीजिए। पारा 50 डिग्री पहुंच गया था। पूरे राजस्थान में 31 दिन तक ऐसी लू चली कि 67 लोगों की जान चली गई थी। अब तबाही ला देने वाली मानसून की बारिश। प्रदेशभर के सैकड़ों गांव टापू बन गए हैं। तीन दिन की भारी बारिश में 25 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ती है, यह तथ्य तो पहले से प्रमाणित है। चौंकाने वाली बात यह है कि देश में औसत बारिश घट रही है और राजस्थान में बढ़ रही है। जहां 123 साल पहले रेत का समंदर था, उन इलाकों में अब बाढ़ जैसे हालात हैं। आखिर राजस्थान में मौसम की ऐसी मार क्यों पड़ रही है? क्या मानसून का पैटर्न बदल रहा है या जलवायु परिवर्तन का कोई बड़ा असर है

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा बताते हैं- बीते 50 साल के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पूरे देश में 12 मिमी बारिश में कमी आई है, लेकिन राजस्थान में इस अवधि में 21.1 मिमी की वृद्धि हुई है। देश के जिन इलाकों में मूसलाधार बारिश होती थी वहां भी बारिश में कमी दर्ज की गई है। इसके उलट राजस्थान के सूखा क्षेत्रों में बारिश का औसत बढ़ा है। इस बदलाव का प्रमुख कारण जलवायु परिवर्तन है। दो दशक पहले तक जो थ्योरी किताबों में थी, वह आज हकीकत बनकर सामने खड़ी है।

पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के कारण औसत तापमान में वृद्धि हुई है। जलवायु परिवर्तन ने मानसून की अनिश्चितता को बढ़ा दिया है। प्रदेश में औसत तापमान बढ़ने के कारण ही मानसून कि औसत बारिश में वृद्धि हुई है।

एक्सपर्ट बताते हैं- मई में औसतन एक सप्ताह ही हीटवेव का दौर रहता है, लेकिन इस साल दो स्पेल (दौर) बने। मई के कुल 31 दिनों में से 21 दिन लू और भीषण लू का दौर रहने से पारा काबू से बाहर हो गया। ग्लोबल स्केल पर होने वाली गर्मी का असर मौसम को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों पर भी पड़ता है। जैसे तापमान ज्यादा होने पर हवा की नमी ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ जाती है।

युवक को हनीट्रेप में फांसा, 10 लाख रुपए मांगे

झूठी शादी कर किया ब्लैकमेल, धमकी देकर ऐंठे 6 लाख रुपए

जयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में एक युवक को हनीट्रैप में फंसाकर 10 लाख रुपए की डिमांड करने का मामला सामने आया है। डरा-धमकाकर झूठी शादी की फोटो को सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 6 लाख रुपए ऐंठ लिए। करधनी थाने में पीड़ित युवक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। एसआई चमन लाल ने बताया- गोविन्दपुरा करधनी निवासी 25 साल के युवक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। साल-2020 में एक शॉप पर जॉब के दौरान उसकी मुलाकात शीतल (बदला हुआ नाम) से हुई थी। खरीदारी करने आने के दौरान मोबाइल नंबर लेकर कॉल कर बातचीत करने लगी। मिलने के बहाने बुलाकर साथ घुमना-फिरना शुरू कर दिया। बातचीत के दौरान अनवर नाम के लड़के के चुंगल से बचाने के लिए कोर्ट गवाह बनाने का दबाव बनाया। दिसंबर 2023 में बातों में आने पर कोर्ट ले जाकर बिना पढ़े गवा के तौर पर रियाजूदीन कुरैशी नाम के व्यक्ति ने डॉक्यूमेंट पर साइन करवा लिए। आरोप है कि मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के कहकर आरोपी शीतल उसे साथ ले गई। मंदिर में पहुंचने पर आरोपी शीतल के साथ रियाजूदीन, युसुफ और अनवर नकवी ने जबरन फूल माला एक-दूसरे को पहनाकर फोटो खींच लिए। कहने लगे तुम्हारी शादी हो गई है और डॉक्यूमेंट पर तुमने साइन कर ही रखे है।

कांग्रेस सांसद बोले-जिन्होंने अंगुली तक नहीं कटाई, राष्ट्रभक्त बन रहे

लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान पर भड़के मुरारीलाल; कहा- उपचुनाव में जवाब मिल जाएगा

दौसा, 16 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद पहली बार स्वतंत्रता दिवस समारोह में सार्वजनिक मंच पर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया गया। इन्हें मीसा बंदी भी कहा जाता है।1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सरकार की ओर से लगाए गए आपातकाल के बाद विरोध आंदोलन करने वालों को जेल में डाल दिया गया था। इनका सम्मान करने पर दौसा से कांग्रेस सांसद मुरारीलाल मीणा ने कटाक्ष किया है।

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा- जिन लोगों ने आजादी के आंदोलन में अंगुली तक नहीं कटवाई वे तो राष्ट्रभक्त बन रहे हैं। जिन लोगों ने कभी तिरंगे का सम्मान नहीं

किया वे तिरंगा फहरा रहे हैं। जिन्होंने 30 साल तक बाबा साहब का संविधान ही नहीं माना था वे लोग आज संविधान के भक्त बन रहे हैं। यह प्रकृति का परिवर्तन है और जनता सब समझती है कि कौन व्यक्ति किस भावना से काम कर रहा है। समय आने पर जवाब भी मिल जाएगा।

सांसद मुरारीलाल ने कहा- अभी लोकसभा चुनाव में जनता इन्हें (भाजपा) जवाब दिया और उपचुनाव में भी जवाब मिल जाएगा। मैं समझता हूं कि आने वाले 5-6 साल में पूरे देश में इन्हें जवाब मिल जाएगा कि वास्तविकता क्या है और फर्जीवाड़ा क्या है।

उन्होंने कहा कि आज देश की आजादी का पर्व है।

चचेरे भाई के लिए तस्करी कर रहे थे जवान व जेल-प्रहरी

19 लाख की अफीम के साथ पकड़े गए; रुपयों के लालच में जुड़े, छुट्टी लेकर सप्लाई देने आए थे

जोधपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी बस से नशे की खेप आने की सूचना मिलने पर पुलिस ने जेल प्रहरी और सीआरपीएफ जवानों को पकड़ा था। उनसे हुई पूछताछ में मालूम चला कि वो 10 हजार के इनामी तस्कर के लिए पिछले 6 महीनों से काम कर रहे थे। इसमें जेल प्रहरी तो यह खेप सप्लाई करने के लिए छुट्टी लेकर आया था। पुलिस ने दोनों को 19 लाख कीमत के अफीम के दूध के साथ पकड़ा था। उन्हीं की निशानदेही पर इनामी तस्कर भी पकड़ा गया। पूछताछ हुई तो तीनों चचेरे भाई निकले। यही नहीं तस्कर का पूरा परिवार ही नशे का आदी था ऐसे में सरगना को रोजाना अफीम लाना पड़ता था। उसका संपर्क मारवाड़ के तस्करों से हुआ और अफीम खरीदने वाला अब तस्कर बन चुका था।

जोधपुर ग्रामीण पुलिस 30 मार्च देर रात सूचना मिली थी कि ब्यावर से जोधपुर आने वाली रोडवेज बस में नशे की सप्लाई होनी है। टीमें बस के आने से पहले वहां पहुंच चुकी थी। जैसे ही 2 युवक बस से उतरे तो सामने पुलिस बिलाड़ा पुलिस के जवान खड़े थे। इन्हें देखते ही दोनों पैदल ही भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। तलाशी लेने के दौरान दोनों के पास से अवैध अफीम का दूध बरामद हुआ। जिसकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत थी 19 लाख। पुलिस को एक युवक के बैग से 2 किलो और दूसरे के पास 1 किलो 800 ग्राम अवैध अफीम दूध मिला। इस तरह से दोनों के कब्जे से कुल 3 किलो 800 ग्राम अवैध अफीम दूध जब्त किया गया।

जोधपुर ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र

रामनिवास विश्नोई (35) विक्रम विश्नोई (32)

यादव ने बताया- इस नशे की खेप के मामले में रामनिवास विश्नोई निवासी जाजीवाल विश्नोइयां, विक्रम विश्नोई निवासी जाजीवाल विश्नोई को गिरफ्तार किया था। पहला रामनिवास अजमेर में जेल प्रहरी था, दूसरा विक्रम विश्नोई जम्मू कश्मीर की श्रीनगर रेंज में सीआरपीएफ जवान है। ये दोनों तस्कर रामनिवास के चचेरे भाई हैं। दोनों को रिमांड पर लेकर पुलिस ने पूछताछ की तो सामने आया कि यह खेप रामनारायण विश्नोईयों की ढाणी पांचला सिद्धा को देने के लिए आ रहे थे। ये मुख्य सरगना था जो दोनों का चचेरा भाई था।

पूछताछ में सामने आया कि करीब साल भर पहले रामनारायण ने दोनों को अपने साथ शामिल किया था। रामनिवास ट्रक ड्राइवर है, वह पिछले कई सालों से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त था। इससे पहले भी वह कई बार पकड़ा जा चुका था। ऐसे में, उसे डर था कि वह अब लगातार तस्करी में पकड़ा गया तो उसे लंबे समय के लिए जेल जाना पड़ सकता है। इसके बाद उसने अजमेर जेल में पोस्टेड जेल प्रहरी चचेरे भाई रामनिवास से संपर्क किया। इसके साथ ही उसने रामनिवास को रुपयों का लालच भी दिया।

बिलाड़ा एसएचओ मूलसिंह ने बताया- आरोपी रामनारायण ट्रक चलाता था। वह पिछले 4 सालों से तस्करी में लगा है। पूछताछ में सामने आया कि उसके परिवार में भी अफीम का सेवन किया जाता था। इसके चलते आरोपी को तस्करों से अफीम खरीदना पड़ता था। ट्रक ड्राइवर होने के कारण धीरे-धीरे उसकी जान-पहचान मारवाड़ के अफीम तस्करों से हो गई। वह भी तस्करी करने लगा।

समितियां गठन को लेकर बीजेपी-कांग्रेस पार्षदों ने खोला मोर्चा

जनता हो रही परेशान, मेयर-अधिकारी मचा रहे लूट

जयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम हेरिटेज का कार्यकाल खत्म होने में अब महज कुछ ही महीने का वक्त बचा है। लेकिन अब तक नगर निगम हेरिटेज में संचालन समितियां का गठन नहीं हो पाया है। इसको लेकर अब बीजेपी और कांग्रेसी पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है। दोनों दलों के पार्षदों ने नगर निगम मेयर और अधिकारियों की लचर कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए जल्द समितियों के गठन की मांग की है।

भारतीय जनता पार्टी के पार्षद विमल अग्रवाल ने कहा- नगर निगम हेरिटेज में समितियों का गठन नहीं होने की वजह से आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारी मनमर्जी से काम कर रहे हैं। उनकी मॉनिटरिंग करने वाला तक कोई नहीं है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान शहर की जनता को उठाना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर हमने पहले भी अपनी आवाज उठाई थी।

बीते दिनों में भी हमने पार्टी नेतृत्व को इस बारे में अवगत कराया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मिलकर हमने हमारी समस्याओं को रखा है। हमें उम्मीद ही नहीं बल्कि, पूरा विश्वास है। जल्द ही नगर निगम हेरिटेज के बदहाल हालत को सुधारने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार सख्त फैसले लेकर जनता को राहत देने का काम करेगी। इससे जल्द ही संचालन समितियां का गठन भी होगा।

भारतीय जनता पार्टी की पार्षद कुसुम यादव ने कहा- जिस तरह स्कूल में स्टूडेंट्स को पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत होती है। इसी तरह नगर निगम के सही संचालन के लिए समितियों का गठन होना बेहद जरूरी है। पिछले लंबे वक्त से नगर निगम में समितियों का गठन नहीं होने का सबसे ज्यादा नुकसान जयपुर की जनता को हो रहा है। शहर के विकास से लेकर आम जनता की समस्याओं की कही कोई सुनवाई तक नहीं हो रही है। मेयर मनमर्जी कर जमकर भ्रष्टाचार कर जनता को गाढ़ी कमाई को लूट रही है। यादव ने कहा- कांग्रेस सरकार के वक्त भी हमने संचालन समितियों के गठन की मांग की थी। ताकि शहर का चौमुखी विकास हो सके। आम जनता की समस्याओं की सुनवाई हो सके। अब जब प्रदेश में डबल इंजन की बीजेपी सरकार आ गई है। हमें पूरी उम्मीद है कि सरकार इस मुद्दे पर जनता की सहूलियत को ध्यान में रखकर जल्द फैसला लेकर समितियों का गठन करेगी। कांग्रेस के पार्षद दशरथ सिंह शेखावत ने कहा- नगर निगम जनता के लिए नरक निगम बन चुका है। सफाई से लेकर रोजमर्रा के काम के लिए जनता को निगम में दर-डर की ठोकर खानी पड़ रही है।

उदयपुर के सरकारी स्कूल में स्टूडेंट के बीच चाकूबाजी

लंच के समय जांघ पर दो से तीन वार किए; नाबालिग फरार

उदयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर के सरकारी स्कूल में एक नाबालिग ने दूसरे नाबालिग स्टूडेंट पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। इस घटना के बाद स्कूल में सनसनी फैल गई।

घटना शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में सुबह 10:30 बजे की है। घटना के बाद हमला करने वाला नाबालिग स्टूडेंट फरार हो गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी लोकेश भारती ने बताया कि दोनों नाबालिग की उम्र करीब 15 साल की है। दोनों एक ही क्लास में पढ़ते है। दोनों के बीच पहले क्या विवाद हुआ, इसके बारे में जानकारी नहीं है। लेकिन, जब लंच हुआ तो दोनों के बीच स्कूल के बाहर झगड़ा हुआ। इस झगड़े में एक स्टूडेंट ने दूसरे स्टूडेंट की जांघ में चाकू से दो से तीन बार वार कर घायल कर दिया। इस दौरान घायल स्टूडेंट चिल्लाने लगा तो टीचर दौड़कर बाहर आए। भारती ने बताया कि घायल स्टूडेंट को टीचर महाराणा भूपाल हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है। जबकि हमला करने वाला अन्य स्टूडेंट अभी फरार है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद एसपी योगेश गोयल भी मौके पर पहुंचे। वहीं परिजनों को जब इस घटना की जानकारी मिली तो वे भी एमबी अस्पताल पहुंचे। बच्चे पर हमले की जानकारी मिलने के बाद से परिजनों का भी रो-रो कर बुरा हाल हो रखा है। वहीं स्कूल और हॉस्पिटल में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है।

बीआरएस सरकार की उपलब्धियों का श्रेय ले रहे हैं सीएम : केटीआर

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा बीआरएस शासन के दौरान की गई उपलब्धियों का श्रेय लेने के प्रयासों को चुनौती दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के प्रयासों को ऐसे कार्यों के माध्यम से कम नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए, रामा राव ने कहा कि पूर्व ने 30,000 नौकरियों के सृजन, हैदराबाद में कॉग्निजेंट के नए परिसर और सीताराम लिफ्ट सिंचाई योजना के निर्माण का श्रेय लिया। उन्होंने पूछा कि सरकार कितनी बार बीआरएस सरकार के प्रयासों का परिणाम होने वाली पहल और उपलब्धियों का श्रेय लेने की कोशिश करेगी।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने बीआरएस सरकार की सफलताओं का श्रेय मौजूदा कांग्रेस सरकार को देने के प्रयासों को खारिज करते हुए कहा कि जनता को गुमराह करने के ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग बीआरएस सरकार के प्रयासों को पहचानते हैं और कांग्रेस प्रशासन के घृणित झूठ से प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब आप कोई परियोजना शुरू करते हैं और उसे पूरा करते हैं, तभी वह आपकी कार्यकुशलता का प्रतीक बनती है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य के चार करोड़ नागरिक बीआरएस के नेतृत्व में हासिल की गई उपलब्धियों के साथ खड़े रहेंगे और उनके योगदान को कम करने के किसी भी प्रयास को खारिज करेंगे।

कांस्टेबल यादैया की केटीआर ने की प्रशंसा

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कांस्टेबल चादुवु यादैया की बहादुरी की सराहना की और उन्हें वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। यादैया को 2022 में चेन-स्नेचिंग के संदिग्धों को पकड़ने में उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया, जबकि घटना के दौरान उन्हें कई बार चाकू घोंपा गया था। रामा राव ने चादुवु यादैया के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका साहसी कार्य तेलंगाना पुलिस की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिन्होंने लगातार एक प्रभावी नेतृत्व के तहत लगन से काम किया है। उन्होंने यादैया के अपने कर्तव्य और जनता के कल्याण के प्रति ईमानदार दृष्टिकोण की सराहना की और इसे सभी कर्मचारियों, खासकर सरकारी सेवा में लगे लोगों के लिए प्रेरणा बताया।

साही के कांटों के साथ मिला तेंदुए का शव

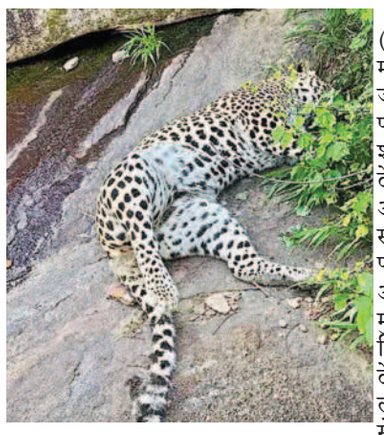

नारायणपेट, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मद्दुर मंडल के अंतर्गत जादवरावपल्ली गांव की पहाड़ियों पर एक तेंदुए का शव मिला। तेंदुए का शव देखकर ग्रामीणों ने वन अधिकारियों को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुचने पर वन अधिकारियों ने तेंदुए के मुंह और शरीर के पिछले हिस्से में साही के कांटे देखे। तेंदुआ साही से लड़ने के बाद घायल होने से मर सकता है। नारायणपेट के प्रभारी डीएफओ नवीन रेड्डी ने कहा कि हमारी टीम ने तेंदुए की पीठ और मुंह पर कांटे देखे। कोई गड़बड़ी नहीं थी और यह एक प्राकृतिक मौत हो सकती है। हालांकि, कोई जोखिम न लेते हुए, तेंदुए की मौत के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शाम को महबूबनगर में उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद, मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार शव को जला दिया जाएगा।

प्रोफेसर को मिला आईईटीई पुरस्कार

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग के प्रोफेसर पेरुमल्ला नवीन कुमार को इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (आईईटीई), नई दिल्ली द्वारा आईईटीई प्रो. के. श्रीनिवासन मेमोरियल अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। प्रो. नवीन कुमार का करियर शानदार रहा है, उनके 120 से ज़्यादा शोध प्रकाशन हैं, उन्होंने इसरो के साथ कई प्रोजेक्ट पूरे किए हैं और ओयू में एडवांस्ड जीएनएसएस रिसर्च लेबोरेटरी की स्थापना की है। उन्होंने यूनिवर्सिटी के पहले सैटेलाइट टीवी 'ओसमानिया टीवी' को लॉन्च करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, इसरो, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विश्व बैंक टीईक्यूआईपी आदि से कई बड़ी और छोटी अनुसंधान परियोजनाएं भी सफलतापूर्वक पूरी कीं।

मदनूर में वरलक्ष्मी पुजा भक्ति भाव से मनाया गया

मदनूर 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) हिंदू धर्म में पंचांग के अनुसार आज का दिन धार्मिक दृष्टि से बहुत ही विशेष है। 16 अगस्त 2024 को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष का आखिरी शुक्रवार है। इस दिन वरलक्ष्मी का व्रत रखने की परंपरा है। मान्यता है कि इस व्रत को विधि पूर्वक करने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करती हैं। धन देवी को लक्ष्मी के रूप में माना ज्याता शास्त्रों में लक्ष्मी जी को धन की देवी बताया गया है। इसके साथ ही ये सुख समृद्धि और वैभव की भी देवी मानी गई है।

वरलक्ष्मी व्रत लक्ष्मी जी और भगवान विष्णु को समर्पित हैं। वरलक्ष्मी व्रत उत्तर भारत भी बड़ी ही भक्तिभाव से मनाया जाता है। स्थानिक पुरोहित महेश महाराज राम महाराज के मंत्र ऊच्चार के साथ भक्ति भाव से किया गया इस समय पुरोहित ने वर लक्ष्मी पुजा वृत का महत्व बताया श्रावण मास में की जाने वाली पूजा विशेष मानी गई है। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। वरलक्ष्मी व्रत सावन मास का एक प्रमुख व्रत है। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से जीवन में समृद्धि आती है। मान सम्मान में बढ़ता है और जिन लोगों के जीवन में धन की कमी बनी हुई है, उन्हें धन की प्रप्ति होती है इस पुजा कार्यकर्म में महा प्रसाद का आयोजन किया गया

मूसारामबाग गवर्मेंट स्कूल में 78वां स्वतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटिनीयल द्वारा मूसारामबाग गवर्मेंट स्कूल में 78वां स्वतंत्र दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के प्रिंसिपल ने सब को आजादी की शुभकामनाएं दी और भारत माता की जय कारा के साथ झंडा लहराया गया। तत्पश्चात स्कूल के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए और सभी का दिल मोह लिया। जिन छात्रों ने 10वीं कक्षा में उत्तीर्ण शैली में नंबर लाए उसे रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटिनल द्वारा राशि भेंट दी गई।

अवसर पर अध्यक्ष पराग शाह, मानद मंत्री विजय सारथी, आशीष अवस्थी, पंकज कुमार संधी, महेश सिंघानिया, चेतन, वैभव सिंघानिया, अनिल कौतता, सुमन, सिंथिया शाह, पायल सिंघानिया, रुचि सिंघानिया आदि उपस्थित थे।

महानगर हैदराबाद स्थित भारतीय जीवन बीमा (एलआईसी) प्रधान कार्यालय पर 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस समारोह में एलआईसी के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारी पुनित कुमार, राजेश भारव्दाज, उथप जोसेफ,एमएमपी श्रीनिवास राव, आरएलएन स्वामी, प्रमोद कुमार साहू ने भाग लिया।

आप और हम की सावण की सैर भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 16 अगस्त(स्वतंत्र वार्ता)। आप और हम की सावण की सैर भव्यता के साथ सम्पन्न हुई।

इस संदर्भ में, आप और हम राजस्थानी एवम् हरियाणा समाज संगठन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, आप और हम राजस्थानी एवम् हरियाणा समाज का सशक्त संगठन की सावण की सैर भव्यता के साथ कार्यक्रम स्थल कृष्णा सरिन रिसोर्ट्स, विलेज पोनल शामिरपेट में बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ संपन्न हुई। गत 4 वर्षों से संस्था शिथिर हो गई थी। उसको ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा धर्मीचन्द कुमावत को अध्यक्ष एवं शशिकान्त अगरवाल को प्रधान संयोजक बनाया गया। जिसमें अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने बताया कि, नई कार्यकारिणी गठन के बाद हमने सर्दियों के मौसम में जरूरतमंदों में 500 कम्बल भी वितरित किया था। उसके बाद संस्था द्वारा सावन की सैर का यह कार्यक्रम जिसमें राजस्थानी एवं हरियाणा समाज के सभी 36 समाज के परिवारों ने बडी उत्सुकता के साथ भाग लेकर कार्यक्रम का आनन्द लिया। बडों व बच्चों के लिए खेलकूद, म्युजिकल चेयर, चांदी तम्बोला आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। रिसोर्ट्स में इण्डोर और आउटडोर गेम्स में केरम बोर्ड चेयर्स टेबल टेनिस, बैडमिन्टन, वालीबाल, फूटबाल, कबड्डी,स्वीमींग, शटल काक, क्रिकेट बायसाईकल आदि का सभी ने आनन्द लिया।

इस कार्यक्रम के विज्ञापन आयोजक शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स थे। जिसमें सम्माननीय अतिथियों में अध्यक्ष जैन सेवा संघ योगेश सिंघी, विनोद कीमती,उमेश बागरेचा, अमितकुमार मृणोत, अन्नराज बाफना, रमेश सांखला(रमसा), रामपाल सिंह सांगवान, रामचंद्र भावर(कुमावत) आदि समाजसेवियों का अतुलनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर कुमावत समाज तेलंगाना अध्यक्ष सोनराम तिलायचा, नारायणलाल घोडावड, रामकिशोर भडलीवाल, राकेश भावर, मोटाराम सीरवी, ओमप्रकाश रेणवाल, अध्यक्ष श्रीराम गौशाला समिति समोखी-नियाज तम्बोला म्युजिकल चेयर, तोल मोल के बोल, इसकी टोपी इसके सर आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कोषाध्यक्ष कोमल शर्मा, इन्द्रा बजाज, संगीता लड्ढा, मिनाक्शी सिखवाल ने मिलकर किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के मंत्री सोहनसिंह राजपुरोहित, गिरिराज पोद्दार, नवीन जैन, राकेश भावर, नारायणलाल घोडावड, रामकिशोर भडलीवाल, जितेन्द्र विजयवर्गीय का पूर्ण सहयोग रहा।

इस शुभावसर पर पदाधिकारियों एवम् कार्यकारिणी के अतिरिक्त सीतादेवी अगरवाल, लीला कुमावत,हर्षिता, चंचल, नेहा, दक्शा, लक्षिता, कुलदीप, हिमान्शी कुमावत, सोनाक्षी-सीमा कोमल राजपुरोहित आदि उपस्थित हुए।

सिकंदराबाद, कुशाईगुडा पुलिस उपनिरीक्षक सैलू ने स्वतंत्र दिवस के मौके पर एमएनआर कैनी एलीट अपार्टमेंट, कुशाईगुडा में झंडा फहराया।

मदनूर में अन्ना भाऊ साठे जयंती भक्ति भाव से मनाया गया

मदनूर, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विस क्षेत्र के विधायक थोटा लक्ष्मी कांता राव ने आज मदनूर मंडल केंद्र में साहित्य रत्न, लोक शाहिर अन्ना भाऊ साठे की 104वीं जयंती समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर विधायक ने मदनूर मंडल केंद्र में अन्ना भाऊ साठे की प्रतिमा को पुजा अर्चना करने के बाद साठे प्रतिमा को फूल माला अर्पित की इस समय जुक्काल विधायक राव ने कहा कि हर वर्ष न केवल साठे जी की जयंती मनाया ज्याए, बल्कि उनके बताये हुए रास्तों पर चलने के साथ-साथ उनकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए फिर से ध्यान केंद्रित करने का उन्होंने सुझाव दिया।

वरलक्ष्मी पूजा के मौके पर श्री भाग्य लक्ष्मी मंदिर में विशेष सजावट

सुबह से मंदिर में श्रद्धालुओं को लगा रहा तांता

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरलक्ष्मी पूजा के मौके पर श्री भाग्य लक्ष्मी मंदिर, चरमीनार में विशेष सजावटकी गई। इस दौरान माता का अद्भुत श्रृंगार किया गया और पूजा अर्चन किया गया। श्री भाग्य लक्ष्मी मंदिर में दर्शन पूजन करने के लिए सुबह से भक्तों की लंबी कतार लगी रही। मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला ने बताया कि हर साल श्रावण माह के अंतिम शुक्रवार को वरलक्ष्मी की पूजा व व्रत किया जाता है। वरलक्ष्मी का व्रत धन की देवी मां लक्ष्मी को समर्पित है। वहीं शुक्रवार का दिन भी मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। लेकिन श्रावण माह का आखिरी शुक्रवार मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना के लिए काफी महत्वपूर्ण है। हालांकि दक्षिण भारत में इस व्रत का अधिक प्रचलन है। मान्यता के अनुसार, इस व्रत को करने से मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही व्यक्ति के घर में धन-धान्य व सुख-समृद्धि का आगमन होता है। महिलाएं अपने पति और बच्चों के अच्छे भविष्य और खुशहाल जीवन की कामना से वरलक्ष्मी का व्रत करती हैं।

चंगीचेरला स्थित कुमावत समाज मंदिर पर 78वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजा रोहन कार्यक्रम में उपस्थित सरंक्षक चंद्रप्रकाश मोटावत, अध्यक्ष बाबुलाल खरनालिया, सचिव नाथुराम लारना, सहसरंक्षक पारसमल रेणवाल व समाज बन्धु ।

बडंगपेट स्थित कृष्णा कुमावत समाज मंदिर प्लॉट पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजा रोहन कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष ओमप्रकाश भोबरिया पद्दाधिकारी व समाज बन्धु ।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर मे सीरवी समाज द्वारा आयोजित ध्वजा रोहन कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, सचिव किशनसिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष जसवंत देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, सचिव सज्जनराज सोलंकी, पद्दाधिकारी व समाज बन्धु ।

करमनघाट स्थित श्री आईमाता मंदिर मे 78वें स्वतंत्रता दिवस पर झंडा रोहन कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज सोयल, पूर्व अध्यक्ष वेनाराम वरपा, मगाराम, चौथाराम व समाज बन्धु।

एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन सीरवी समाज द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित वेनाराम चोयल, प्रकाश सेपटा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

नामपल्ली स्थित श्री बालवीर हनुमान मंदिर पर तेलंगाना वैष्णव नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित 78वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजा रोहन कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष विष्णु रामावत, बाबुलाल, संतोष टीलावत, सम्पतदास, जगदीश, ओमप्रकाश, महिला अध्यक्षा किरनलता व समाज बन्धु ।

महिला को प्रताड़ित करने के आरोप में डिटेक्टिव इंस्पेक्टर के खिलाफ केस

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस मुख्यालय से संबद्ध शादनगर डिटेक्टिव इंस्पेक्टर रामी रेड्डी के खिलाफ पुलिस स्टेशन में एक महिला को कथित तौर पर थर्ड डिग्री टॉर्चर देने का मामला दर्ज किया गया है।

शादनगर के अंबेडकर कॉलोनी में रहने वाली सुनीता नामक महिला को 24 जुलाई को एक घर से सोना और नकदी चोरी के मामले में पुलिस स्टेशन लाया गया था। अंबेडकर नगर निवासी नागेंद्र ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने 24 तोला सोना और 2 लाख रुपये नकद चोरी कर लिए हैं। यह घटना 4 अगस्त को प्रकाश में आई, जब महिला ने मीडियाकर्मियों को बताया कि पुलिस पहले उसे उसके पति भीमैया और 13 वर्षीय बेटे के साथ थाने ले गई। बाद में भीमैया को थाने से छोड़ दिया गया। उसने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों के एक समूह ने उसके हाथ-पैर रस्सी से बाध दिए थे। इसके बाद, पुरुष पुलिसकर्मियों ने उसे चमड़े की बेल्ट से पीटा और उस पर एक ऐसा अपराध कबूल करने का दबाव बनाया जो उसने किया ही नहीं था। उसने आगे आरोप लगाया कि थाने में उसके नाबालिग बेटे के सामने उसे प्रताड़ित किया गया। पुलिस महिला को घर भेजने से पहले उसके पास से नकदी और सोने के आभूषण बरामद करने में सफल रही। शिकायत के बाद घटना की विभागीय जांच के आदेश दिए गए और परिणाम के आधार पर रामी रेड्डी और चार अन्य कांस्टेबलों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने एक महिला को प्रताड़ित करने के आरोपों की जांच लंबित रहने तक रामी रेड्डी को पुलिस आयुक्त कार्यालय में अटैच कर दिया था। मामले की जांच शादनगर एसीपी द्वारा की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'अतीत को भूलकर भविष्य के बारे में सोचो' कोच हरेंद्र की महिला हॉकी टीम को सलाह

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारी में जुटे भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने अपनी टीम को यही सलाह दी है। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी जहां पुरूष टीम ने लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता।

हरेंद्र ने कहा, 'जब मैं इस टीम के साथ फिर जुड़ा तो हमने इस पर विस्तार से बात की। मैं हमेशा सकारात्मक चीजें देखता हूं और मेरा मानना है कि उनके लिए कुछ बेहतर भविष्य के गर्भ में छिपा है। लड़कियां टूटी हुई थी और पूरा देश उनके ओलंपिक नहीं खेल पाने से दुखी था लेकिन मैने उनसे कहा कि कुछ बड़ा आपका इंतजार कर रहा है।' इस साल अप्रैल में भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच बनने के बाद उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि अतीत को भूल जाओ और भविष्य के बारे में सोचो। मैने इस मिशन को 'रोड टू एलए 2028' नाम दिया है और मुझे लगता हे कि यह सफर

खूबसूरत होगा।' इससे पहले 2017-18 में भारतीय महिला टीम के कोच रहे हरेंद्र ने कहा कि उनका लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक है।

उन्होंने कहा, 'भारत ने हॉकी में पहला ओलंपिक पदक 1928 में लॉस एंजिलिस में ही जीता था जब ध्यान चंद जी उस टीम का हिस्सा थे। इससे बेहतर क्या होगा कि हम सौ साल बाद उसी स्थान पर ओलंपिक पदक जीतें।' यह पूछने पर कि वह टीम में क्या बदलाव लाना चाहते हैं, उन्होंने कहा, 'पिछले चार साल में जो अच्छा काम हुआ है, मैं उसे नहीं बदलूंगा । इसके बाद एक एक करके देखेंगे कि कहां गलतियां हुई है। मैंने खिलाड़ियों से कहा है कि प्रो लीग में अच्छे नतीजे नहीं मिल सकते हैं क्योंकि हमें एलए 2028 की नींव तैयार करनी है।' यह पूछने पर कि अमेरिका पुरूष हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में अच्छी तनख्वाह छोड़कर उन्होंने लौटने का फैसला क्यों किया, उन्होंने कहा, 'मैं अपने देश लौटकर और यहां महिला सशक्तिकरण के लिये अपना योगदान देकर खुश हूं। मुझे लगता है कि भारतीय हॉकी की सेवा का यह सुनहरा मौका है।'

उन्होंने कहा, 'मैंने अमेरिका में कोचिंग के दौरान बहुत कुछ सीखा । रियो ओलंपिक के बाद हमें समझ में आया कि अब नहीं जागे तो बहुत देर हो जायेगी । हमारे पास भारत में हॉकी में इतनी प्रतिभा और बेहतरीन बुनियादी ढांचा है जिसने मुझे प्रेरित किया । महिला हॉकी में भी प्रतिभा की कमी नहीं है और पदक जीतना असंभव नहीं है।'

भारतीय जूनियर हॉकी टीम को 2016 विश्व कप जिताने वाले 55 वर्ष के कोच ने कहा कि उनकी प्राथमिकता फिटनेस का स्तर सुधारना है। उन्होंने कहा, 'इस टीम की फिटनेस का स्तर आधुनिक हॉकी के अनुकूल नहीं है । इसमें रफ्तार, दमखम, लचीलापन और निर्णय लेने की क्षमता सब आता है। इनके पास तकनीकी कौशल है और फिटनेस के मानदंडों पर खरे उतरने पर बड़े टूर्नामेंटों में प्रदर्शन अच्छा होगा।'

हरेंद्र ने कहा कि उनकी दीर्घकालिक योजना टीम में 'एसएसटी' यानी साइंस, स्किल और टेक्नॉलॉजी का समावेश करने की है। उन्होंने कहा, 'हमें एसएसटी पर जोर देना होगा । हम यूरोपीय शैली पर खेल रहे हैं जिसका पहले अभाव था । हमने ब्लूप्रिंट तैयार किया है और जमीनी स्तर से राष्ट्रीय शिविर तक कोचिंग का एक मंत्र होना चाहिए।'

'100 ग्राम' से चूक गया मौका, नियमों से पटखनी खा गईं धाकड़ विनेश फोगाट

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक फाइनल से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद विनेश फोगाट की संयुक्त सिल्वर मेडल की अपील को भी खारिज कर दिया गया है। ये सारा मामला '100 ग्राम' से जुड़ा है, जो इस धाकड़ महिला पहलवान के लिए 'जी का जंजाल' बन गया। पेरिस में गोल्ड मेडल पाने के लिए एक ही दिन में विनेश ने तीन धुरंधर पहलवानों को पटखनी दी, लेकिन नियमों के आगे हार गई।

'मां मैं हार गई और कुश्ती जीत गई...', पेरिस ओलंपिक के दौरान ही यह बात कहकर विनेश फोगाट ने संन्यास का ऐलान किया था। इसके पीछे वजह है उनका भाग्य जो बार-बार उनसे वो छीन लेता है, जिसकी वो हकदार हैं। 2016, 2020 और अब 2024 इन तीनों मौकों पर विनेश का साथ उनके भाग्य ने साथ नहीं दिया।

इसमें सबसे बड़ी चोट विनेश को पेरिस ओलंपिक में मिली, जहां वो 50 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में फाइनल में पहुंचने के बाद मात्र

'100 ग्राम' अधिक वजन होने के कारण डिसक्वालीफाई हो गईं।

विनेश ने इसके विरुद्ध अपील दायर की और उन्हें संयुक्त सिल्वर मेडल दिए जाने की मांग की गई थी। विनेश ने रिंग के बाहर सिल्वर मेडल के लिए 8 दिन तक कानूनी लड़ाई लड़ी, लेकिन उन्हें यहां हार झेलनी पड़ी। विनेश अभी पेरिस में ही हैं। हालांकि उन्होंने ओलंपिक विलेज छोड़ दिया है। अब वो होटल में ठहरी हुई हैं। विनेश आज 17 अगस्त को भारत लौटेंगी।

कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन फ़ॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ की गई अपील खारिज कर दी है। विनेश का ये मामला न्यायसंगत और उचित मानकों की आवश्यकता की सख्त याद दिलाता है। हालांकि, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के खिलाफ फोगाट के आवेदन को खारिज करने के सीएएस के फैसले पर अपना आश्चर्य जताया और निराशा व्यक्त की।

उन्होंने अपने बयान में कहा, आईओए का दृढ़ विश्वास है कि दो दिनों में से दूसरे दिन इस तरह के भार उल्लंघन के लिए एक एथलीट को पूरी तरह से अयोग्य घोषित करना गहन जांच का विषय है। हमारे कानूनी प्रतिनिधियों ने एकमात्र मध्यस्थ के समक्ष इस बात को उचित रूप से रखा है।

आईओए की ओर से कहा गया कि 100 ग्राम के मामूली अंतर और उसके परिणाम का न केवल विनेश के करियर पर गहरा प्रभाव पड़ा है, बल्कि ये इन नियमों और उनकी व्याख्या को लेकर भी गंभीर सवाल उठाता है।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शूटर मनु भाकर को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर को सम्मानित किया है। सोनोवाल ने मनु, उनकी मां सुमेधा भाकर और पिता राम किशन भाकर को सम्मानित किया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने मनु को सम्मान के तौर पर 10 लाख रुपये का चेक भी दिया। इसके अलावा मनु के पिता, जो मर्चेंट नेवी में चीफ इंजीनियर के रूप में काम करते हैं, को भी सोनोवाल ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर सोनोवाल ने कहा, 'आज देश के लोग मनु भाकर पर गर्व महसूस करते हैं। निकट

भविष्य में वह देश के लिए कई और पदक जीतने वाली हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है! उनमें क्षमता है, दूरदर्शिता, समर्पण, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत भी दिखती है। मुझे विश्वास है कि ईमानदारी और प्रतिबद्धता की महान भावना के साथ मनु भाकर बार-बार चमकेंगी।

वहीं, डबल ओलिंपिक पदक विजेता मनु भाकर कहती हैं, 'मुझे जो प्यार और सम्मान मिल रहा है, उसके लिए मैं आभार व्यक्त करती हूं। मेरे लिए अब तक का सफर लंबा रहा है। इस खेल में मुझे 8.5 साल हो गए हैं। बचपन से ही मैं लगी हुई थी खेल में। मुझे लगता है कि यह इस पल के लिए मेरी तैयारी का एक हिस्सा था।

मुझे लगता है कि मैं इस परिवार का हिस्सा हूं क्योंकि मेरे पिता मर्चेंट नेवी में चीफ इंजीनियर हैं। इस बार मेरा एक ही लक्ष्य था- प्रदर्शन करना क्योंकि टोक्यो ओलंपिक में मेरा प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं था।

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद का रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में निराशाजनक प्रदर्शन

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद का सेंट लुई रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह रैपिड वर्ग में आखिरी स्थान पर रहे। रैपिड स्पर्धा के तीसरे और आखिरी दिन से पहले उन्होंने तीन मुकाबले हारे और तीन ड्रॉ खेले थे। वह सातवें दौर में अमेरिका के लेनियेर डोमिनिगेज से हार गए और आखिरी मुकाबले में उन्हें अमेरिका के ही हिकारू नकामूरा ने हराया।

आठवें दौर में उन्होंने फ्रांस के अलीरजा फिरोजा से ड्रॉ खेला। उनके कुल 18 में से चार अंक रहे। रूस के इयान नेपाम्नियाश्चि और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव और फिरोजा संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। उनके बाद अमेरिका के लेवोन आरोनियन एक अंक पीछे थे। अब प्रज्ञानंद को वापसी के लिए ब्लिट्ज वर्ग में चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा। टूर रैंकिंग में वह तीसरे स्थान पर हैं। भारत के ही डी गुकेश चौथे स्थान पर हैं और इस टूर्नामेंट के बाद होने वाले सिनक्यूफील्ड कप में खेलेंगे।

पेरिस पैरालंपिक खेलों में सुमित और भाग्यश्री होंगे ध्वजवाहक, करेंगे भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भाग्यश्री जाधव और सुमित अंतिल पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे और उद्घाटन समारोह में 84 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। भारत पेरिस पैरालंपिक में अपने इतिहास का सबसे बड़ा दल भेज रहा है। टोक्यो में भारत के 54 पैरालंपिक एथलीटों ने हिस्सा लिया था। पेरिस पैरालंपिक की शुरुआत 28 अगस्त से हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीत चुकी हैं भाग्यश्री

महाराष्ट्र की भाग्यश्री अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नियमित रूप से प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने 2022 एशियन पैरा गेम्स में गोला फेंक एफ34 स्पर्धा में रजत पदक जीता था और टोक्यो पैरालंपिक में सातवें स्थान पर रही थीं। भाग्यश्री का सफर 2017 में शुरू हुआ था और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार पदक जीतकर अपनी पहचान बना ली थी। उन्होंने इसके साथ ही फेजा विश्व कप और विश्व पैरा एथलेटिक्स गेम्स में भी पदक जीते थे।

गत विश्व रिकॉर्डधारी हैं सुमित

भारत के स्टार पैरा भाला फेंक एथलीट सुमित एफ64 वर्ग में गत विश्व रिकॉर्डधारी हैं। उन्होंने 2020 टोक्यो पैरालंपिक में 68.55 मीटर के विश्व रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। सुमित ने 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता और 2022 एशियन गेम्स में 73.29 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इस बार भारत तीन नए स्पर्धा में चुनौती पेश करेगा जिसमें पैरा साईकिलिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो शामिल है। इस तरह भारत पैरालंपिक में कुल 12 खेलों में चुनौती पेश करेगा। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने इसकी जानकारी दी।

टोक्यो से दोगुना होगी महिला पैरा एथलीटों की संख्या

टोक्यो की तुलना में महिला पैरा एथलीटों की संख्या इस बार दोगुनी है। पिछली बार 14 महिला पैरा एथलीटों ने हिस्सा लिया था, लेकिन पेरिस में 32 भारतीय महिला पैरा एथलीट हिस्सा लेंगी। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में कुल 19 पदक जीते थे और इस बार कोशिश पुरानी उपलब्धि को पीछे छोड़ने की होगी।

विनेश फोगाट मर सकती थी, कोच का हैरान करने वाला खुलासा, बताई खौफनाक रात की कहानी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया रचा, लेकिन 29 वर्षीय पहलवान को फाइनल की सुबह अयोग्य घोषित कर दिया गया। ओलंपिक रजत पदक हासिल करने की उनकी उम्मीदें बुधवार को तब धराशायी हो गईं, जब कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ने फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ फोगाट की अपील को खारिज कर दी। पेरिस खेलों में विनेश फोगट के कोच वोलर अकोस ने सोशल मीडिया पर इस भारतीय पहलवान के साथ पर्दे के पीछे हुई बदसलूकी का खुलासा किया।

हंगरी कोच ने हालांकि फेसबुक पोस्ट को बाद में पता नहीं क्यों हटा दिया। अकोस ने लिखा- सेमीफाइनल के बाद 2.7 किलोग्राम अतिरिक्त वजन बचा था कोई विकल्प नहीं बचा था। आधी रात से सुबह 5:30 बजे तक उसने अलग-अलग कार्डियो मशीनों पर लगातार मेहनत की। सिर्फ दो-तीन मिनट का आराम किया था। एक बार तो वह गिर गई, लेकिन किसी तरह हमने उसे उठाया और उसने सौना में एक घंटा बिताया। मैं जानबूझकर मामले को नाटकीय अंदाज में नहीं लिख रहा, लेकिन मुझे केवल यह सोचना याद है कि वह मर सकती है।

उन्होंने आगे लिखा- उस रात अस्पताल से लौटते समय हमारी एक दिलचस्प बातचीत हुई। विनेश फोगट ने कहा- कोच, दुखी मत हो, क्योंकि आपने मुझे बताया था कि अगर मैं खुद को किसी भी मुश्किल स्थिति में पाती हूं और अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है तो मुझे यह सोचना चाहिए कि मैंने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला पहलवान (जापान की यूई सुसाकी) को हरा दिया है। मैंने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया। मैंने साबित कर दिया कि मैं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पहलवानों में से एक हूं। हमने साबित कर दिया है कि गेमप्लान काम करते हैं। मेडल नहीं मिलना, प्रदर्शन को नहीं छीना जा सकता है।

उन्होंने लिखा- विनेश ने साक्षी और बजरंग से अनुरोध किया था कि वे अपनी मेहनत से अर्जित ओलंपिक पदक नदी में न डालें। उसने उनसे विनती की कि वे उन्हें अपने पास रखें, क्योंकि वे विशेष थे। लेकिन उन्होंने उसे समझाया कि यात्रा महत्वपूर्ण थी और उनका प्रदर्शन पदकों से परिभाषित नहीं था। उन्होंने कहा- हमें अभी भी इस बात पर गर्व होगा कि हमारा पेशेवर शेड्यूल और मेहनत दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला पहलवान को हराने और इतिहास में पहली बार एक भारतीय महिला पहलवान को ओलंपिक फाइनल में ले जाने में सक्षम हो सका।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 के लिए सचिन 2.15 करोड़ में सबसे महंगे खिलाड़ी बने, आठ खिलाड़ियों ने 1 करोड़ का आंकड़ा पार किया

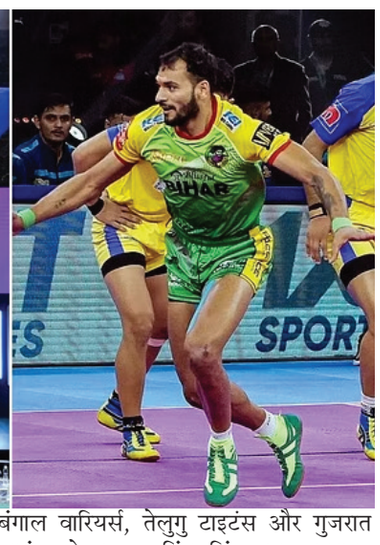

मुंबई , 16 अगस्त (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिए गुरुवार को मुंबई में हुई खिलाड़ियों की नीलामी के पहले दिन सचिन सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे। उन्हें तमिल थलाइवाज ने 2.15 करोड़ रुपये में खरीदा था। मोहम्मदरेज़ा शादलुई चियानेह नीलामी के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बनकर उभरे, जिन्हें हरियाणा स्टीलर्स ने 2.07 करोड़ रुपये में खरीदा। वह लगातार खिलाड़ियों की नीलामी में 2 करोड़ रुपये से अधिक में खरीदे जाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए।

12 फ्रेंचाइजी टीमों को कुल 20 खिलाड़ी बेचे गए, जिसमें पहले दिन तीन फाइनल बिड मैच (एफबीएम) कार्ड का इस्तेमाल किया गया। बंगाल वारियर्स, तेलुगु टाइटंस और गुजरात जायंट्स ने क्रमशः मनिंदर सिंह, पवन सहरावत और सोमबीर के लिए एफबीएम कार्ड का इस्तेमाल किया।

पीकेएल के सितारों ने तोड़ा रिकॉर्ड !

इस खिलाड़ी नीलामी में पीकेएल के इतिहास में 1 करोड़ रुपये के क्लब में रिकॉर्ड संख्या में खिलाड़ी शामिल हुए। गुरुवार को हुई प्लेयर ऑक्शन में सचिन, मोहम्मदरेज़ा शादलुई चियानेह, गुमान सिंह, पवन सहरावत, भरत, मनिंदर सिंह, अजिंक्य पवार और सुनील कुमार 1 करोड़ क्लब का हिस्सा थे। 1.15 करोड़ रुपये में यू मुंबा में गए सुनील कुमार अब तक के सबसे महंगे भारतीय डिफेंडर बन गए।

पीकेएल के इतिहास में सबसे अधिक रेड पॉइंट वाले खिलाड़ी - प्रदीप नरवाल को बेंगलुरु बुल्स ने 70 लाख रुपये में खरीदा, इस बीच, अनुभवी डिफेंडर सुरजीत सिंह को जयपुर पिंक पैंथर्स ने 60 लाख रुपये में खरीदा।

कार्यक्रम के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स की ओर से बोलते हुए, लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, "पीकेएल सीज़न 11 प्लेयर ऑक्शन में कई रिकॉर्ड टूटते हुए देखना बिल्कुल रोमांचक था। हमें यह देखकर गर्व महसूस हो रहा है कि आज आठ खिलाड़ियों ने एक करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया और सुनील अब तक के सबसे महंगे भारतीय डिफेंडर बन गए। रोमांचक खरीदारी दूसरे दिन भी जारी रहेगी और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बेंगलुरु बुल्स में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर, पीकेएल के सबसे सफल रेडर प्रदीप नरवाल ने कहा, अपनी पीकेएल यात्रा में जिस टीम के साथ मैंने शुरुआत की थी, उसमें वापस जाना वास्तव में अच्छा लग रहा है। मैं बुल्स की ओर से युवा खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए उत्सुक हूं। मैं अपने करियर में 1800 रेड प्वाइंट पार करने की उम्मीद कर रहा हूं।

इस बीच, 1.15 करोड़ रुपये में बंगाल वॉरियर्स में वापस जाने वाले मनिंदर सिंह ने कहा, मैं वापस आकर बहुत खुश हूं। मैं पिछले सीज़न से भी बेहतर प्रदर्शन करूंगा और बंगाल वॉरियर्स हमेशा मेरे लिए घर जैसा रहा है। एक परिवार की तरह और मैंने उनके साथ 6 साल तक खेला है, इसलिए मैं वापस आकर बहुत खुश हूं।

बीसीसीआई ने महिला टी20 विश्व कप की मेज़बानी का प्रस्ताव ठुकराया

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तरफ़ से दिए गए महिला टी 20 विश्व कप की मेज़बानी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।आईसीसी को अब मेज़बानी पर अंतिम फ़ैसला 20 अगस्त को लेना है।

3 से 20 अक्तूबर के बीच होने वाली इस प्रतियोगिता की मेज़बानी से पीछे हटने के बाद श्रीलंका और यूएई दूसरे विकल्प बचे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा, उन्होंने (आईसीसी) हमारे सामने विश्व कप की मेज़बानी का प्रस्ताव रखा था। लेकिन मैंने साफ़ तौर पर मना कर दिया, हमारे यहां ये समय बरसात का है और उससे अहम है कि अगले साल हमें ही विमेंस वनडे विश्व कप की मेज़बानी करनी है। मैं किसी को भी ग़लत संदेश नहीं देना चाहता कि हम लगातार दो विश्व कप की मेज़बानी करना चाहते हैं।

बांग्लादेश इस समय सरकार

विरोधी आंदोलनों के कारण हिंसा और सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है, और यही वजह है कि आईसीसी बांग्लादेश की जगह किसी और को मेज़बानी देने पर विचार कर रही है। बांग्लादेश में कई लोगों की मौत हो गई है और उनकी प्रधानमंत्री शेख हसीना को गद्दी से हटा दिया गया है।

आईसीसी के एक अधिकारी ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि बांग्लादेश की स्थिति पर नज़र रखी जा रही है और सभी विकल्प खुले रखे गए हैं। आईसीसी के एक बयान में कहा गया था, ₹हम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड(बीसीबी), उनकी सुरक्षा एजेंसियों और हमारे अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ समन्वय में वहां हो रही गतिविधियों की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और भलाई है।

जबकि बांग्लादेश में नई अंतरिम सरकार टूर्नामेंट को बचाने के लिए अंतिम प्रयास कर रही है, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत सहित कई भाग लेने वाली टीमों की सरकार द्वारा जारी की गई यात्रा सलाह बीसीबी के लिए सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है।

सुरक्षा चुनौतियों के अलावा, बीसीबी भी संकट में है। उनके अध्यक्ष और पूर्व खेल मंत्री नजमुल हसन 5 अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से प्रभावी रूप से कार्यालय से बाहर हैं। कई बोर्ड निदेशक, जिनके राजनीतिक संबंध हैं, वह भी संपर्क में नहीं हैं।

बांग्लादेश की पुरुष टेस्ट टीम इस समय दो मैचों की सीरीज़ के लिए पाकिस्तान दौरे पर है। बांग्लादेश में आंदोलन के कारण अभ्यास बाधित होने के बाद वे प्रस्तावित पाकिस्तान दौरे से कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान पहुंच गए। बांग्लादेश की पुरुष टीम अगले महीने दो टेस्ट और तीन टी20 मैचों के लिए भारत का दौरा करने वाली है।

बांग्लादेश के भारत दौरे को लेकर शाह ने कहा, हमने उनसे (बांग्लादेश अधिकारियों से) बात नहीं की है। वहां एक नई सरकार ने कार्यभार संभाला है। वे हमसे संपर्क कर सकते हैं या फिर मैं उनसे संपर्क करूंगा। बांग्लादेश श्रृंखला हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

फॉक्सकॉन प्रतिनिधिमंडल जल्द ही हैदराबाद का दौरा करेगा

मुख्यमंत्री ने फॉक्सकॉन के चेयरमैन से निवेश करने का भी आग्रह किया

नई दिल्ली, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में एप्पल आईफोन के अनुबंध निर्माता फॉक्सकॉन का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही हैदराबाद का दौरा करेगा। फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की और निकट भविष्य में अपनी टीम के साथ हैदराबाद का दौरा करने की योजना की घोषणा की।

फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू ने कहा कि हैदराबाद शहर में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों सहित सभी क्षेत्रों में विस्तार की क्षमता है और इसमें भविष्य के विकास की अपार संभावनाएं हैं। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने हैदराबाद की पिछले कई वर्षों से लगातार औद्योगिक प्रगति पर जोर दिया, जो सरकारों के बदलने से भी अप्रभावित रही है। उन्होंने हैदराबाद में तीन शहरों के चरणबद्ध विकास के बारे में बताया, जिनकी आधारशिला 430 वर्षों के दौरान रखी गई थी। रेवंत रेड्डी ने चौथे शहर के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की, जो शिक्षा, जीवन विज्ञान, चिकित्सा, खेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युत उद्योग और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में बहुमुखी विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। हैदराबाद के बाहरी इलाके में चौथे शहर परियोजना के एक प्रमुख घटक यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को आधुनिक उद्योग कौशल से लैस करने के लिए आवश्यक कौशल और मानव संसाधन प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम के डिजाइन में प्रतिष्ठित उद्योगपति शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसके हिस्से के रूप में, शीर्ष उद्योगपति आनंद महिंद्रा को स्किल यूनिवर्सिटी का अध्यक्ष और एक अन्य उद्योगपति श्रीनिवास राजू को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

हैदराबाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, आउटर रिंग रोड (ओआरआर), क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) सहित इसके फायदों के बारे में बताते हुए रेवंत रेड्डी ने फॉक्सकॉन को फोर्थ सिटी में अपनी फैक्ट्रियां स्थापित करने के लिए आवश्यक परमिट और प्रोत्साहन सहित पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने फिक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू से फोर्थ सिटी में निवेश करने का भी आग्रह किया। आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने लियू को सरकार की उद्योग समर्थक नीतियों, प्रोत्साहनों और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बारे में भी जानकारी दी।इस अवसर पर यंग लियू ने रेवंत रेड्डी के दूरदर्शी दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि फॉक्सकॉन हैदराबाद में निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए उत्सुक है। उन्होंने मुख्य परिसर परिचालन अधिकारी कैथी यांग और भारत प्रतिनिधि वी. ली के नेतृत्व में एक टीम द्वारा प्रारंभिक दौरे की योजना की घोषणा की, जिसके बाद लियू स्वयं भी वहां जाएंगे। बैठक में तेलंगाना सरकार और फॉक्सकॉन दोनों के कई उच्च-स्तरीय अधिकारी भी मौजूद थे, जो हैदराबाद के औद्योगिक विकास के लिए संभावित रूप से महत्वपूर्ण साझेदारी की शुरुआत का संकेत था।

राजकीय सम्मान के साथ होगा डॉ. आरएन अग्रवाल का अंतिम संस्कार

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के मिसाइल कार्यक्रम की दिग्गज, भारत की रक्षा सामरिक अग्नि मिसाइल के डिजाइनर डॉ. राम नारायण अग्रवाल का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ करने के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर राज्य की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने इस आशय का आदेश जारी किया है। उनका अंतिम संस्कार शनिवार 17 अगस्त को हैदराबाद में होगा।

रक्षा के क्षेत्र में डॉ. अग्रवाल को उनकी सेवाओं के लिए केंद्र सरकार द्वारा 1990 में पद्म श्री और 2000 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। वर्ष 1983 में, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया सबसे प्रतिष्ठित भारतीय मिसाइल कार्यक्रम, डॉ. अरुणाचलम, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ डॉ.आर.एम. अग्रवाल ने काम किया। डॉ. अग्रवाल ने हैदराबाद में एडवांस्ड सिस्टम्स लेबोरेटरी (एएसएल) के संस्थापक निदेशक के रूप में कार्य किया।

वर्ष 2005 में डॉ. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) में एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक के रूप में सेवानिवृत्त हुए। राम नारायण अग्रवाल हैदराबाद में बस गये और अंत तक रक्षा क्षेत्र में सेवा की।

हमने सौ दिन के अंदर अन्ना कैंटीन शुरू करके अपना वादा पूरा किया : लोकेश

गुंटूर, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने आज कहा कि टीडीपी, जन सेना और भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने अन्ना कैंटीन की स्थापना करके भूख पर पूर्ण विराम लगा दिया है। उन्होंने शुक्रवार को गठबंधन नेताओं के साथ मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र के ताड़ेपल्ली में नुलाकापेटा और मंगलगिरी पुराने बस स्टैंड पर स्थापित अन्ना कैंटीन का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने एनटीआर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में वैदिक विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच रिबन काटा गया और अन्ना कैंटीन खोली गई। लोकेश ने कैंटीन में लोगों को नाश्ता भी परोसा और दान के लिए बनाई गई अन्ना कैंटीन की वेबसाइट annacanteen-strust.ap.gov.in के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार ने सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर अन्न कैंटीन का अपना वादा निभाया है। अतीत में, जब चंद्रबाबू नायडू मुख्यमंत्री थे, तब अन्न कैंटीन शुरू की गई थी। इसके हिस्से के रूप में, राज्य भर में 203 अन्न कैंटीन खोली गई हैं। 2024 के चुनावों के दौरान, बाबू ने सुपर-6 वादों के साथ अन्न कैंटीन स्थापित करने का वादा किया था। सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर, हमने अन्न कैंटीन स्थापित करने का अपना वादा निभाया है। हमने 100 अन्न कैंटीन शुरू की हैं। अन्न कैंटीन मंगलगिरी शहर, ताड़ेपल्ली में नुलाकापेटा, दुग्गीराला में रेलपेट और रेवेंड्रापाडु में मेरे अपने फंड से स्थापित की गई हैं। 2 रुपये में मध्याह्न भोजन की सुविधा प्रदान की गई उन्होंने कहा, "मैंने अपने पैसे से लोगों की प्यास बुझाने के लिए गाड़ियां, पानी के टैंकर, चिकित्सा सेवाओं के लिए स्वास्थ्य रथ, स्त्री शक्ति योजना के तहत महिलाओं के लिए सिलाई मशीन, बुनकरों के लिए करघे, सुनारों के लिए औजार, विकलांगों के लिए तिपहिया वाहन और पैदल चलने वालों के आराम करने के लिए सीमेंट की मेजें स्थापित की हैं।" नारा लोकेश ने आम लोगों के साथ मंगलगिरी पुराने बस स्टैंड पर उद्घाटन किए गए अन्ना कैंटीन में टिफिन खाया। इस कार्यक्रम में मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र के गठबंधन के नेता, पदाधिकारी और अक्षय पात्र आयोजकों ने भाग लिया।

वरिष्ठ नागरिक से 10.5 लाख की ठगी

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाजों ने दूरसंचार विभाग के अधिकारी बनकर शहर के एक 70 वर्षीय व्यक्ति से 10.50 लाख रुपये की ठगी की।

साइबर अपराध पुलिस के अनुसार, पीड़ित को हाल ही में एक जालसाज ने फोन करके खुद को दूरसंचार विभाग का अधिकारी बताया और उस पर अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। वीडियो कॉल के दौरान जालसाज ने दावा किया कि पीड़ित को मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाया गया है और उसे मुंबई में जब्त किए गए करेंसी नोटों की पुष्टि करनी है। शिकायतकर्ता को जालसाज द्वारा बताए गए बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया, जिसने वादा किया कि पैसे वापस कर दिए जाएंगे। पीड़ित ने पैसे ट्रांसफर कर दिए और जब दोबारा जालसाज से संपर्क करने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। ठगी का अहसास होने पर उसने पुलिस से संपर्क किया। साइबर अपराध पुलिस जांच कर रही है।

मंत्री ने हथकरघा हस्तशिल्प प्रदर्शनी का दौरा किया

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्रत वार्ता)।मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने विधायक कव्वमपल्ली सत्यनारायण के साथ नेकलेस रोड पर राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर आयोजित हथकरघा हस्तशिल्प प्रदर्शनी का दौरा किया।मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने स्टालों का दौरा किया और देश भर के विभिन्न शहरों के विभिन्न हथकरघा कपड़ों के बारे में जानकारी ली। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने लोगों से हथकरघा वस्त्र पहनकर हथकरघा क्षेत्र को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हैदराबाद के शमशाबाद हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ के आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

मच्छर नियंत्रण के लिए कॉलोनीवार शेड्यूल तैयार किया जाए : आम्रपाली काटा

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त आम्रपाली काटा ने अधिकारियों को मच्छरों की रोकथाम के लिए एंटी-लार्वा ऑपरेशन और फॉगिंग उपायों पर कॉलोनी-वार कार्यक्रम तैयार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने शुक्रवार को अतिरिक्त और जोनल आयुक्तों के साथ टेलीकांफ्रेंस की। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि मच्छर नियंत्रण उपायों पर एक शेड्यूल तैयार कर कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ साझा किया जाए। शेड्यूल के मुताबिक महीने में चार या पांच बार कॉलोनी में मच्छरों से बचाव के उपाय करने होंगे। कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को उन तारीखों के बारे में सूचित करने की सलाह दी जाती है जब एंटी-लार्वा ऑपरेशन और फॉगिंग ऑपरेशन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किए जाएंगे। अगर कुत्तों को खाना खिलाने में रुचि रखने वाले गैर सरकारी संगठन सीएसआर पद्धति को अपनाने के लिए आगे आते हैं, तो अधिकारियों को कुछ हलकों में उनके साथ प्रयोग करने के उपाय करने का निर्देश दिया गया है।

आईएमए खम्मम ने जनता से मांगा समर्थन

आज ठप रहेंगी सेवाएं

खम्मम, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) खम्मम चैप्टर के अध्यक्ष डॉ.के. नारायण राव ने बताया कि पश्चिम बंगाल में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के विरोध में शनिवार को जिले के सभी अस्पतालों में बाह्य रोगी सेवाएं ठप रहेंगी। आईएमए के राष्ट्रीय संगठन के आह्वान पर 24 घंटे के लिए सेवाएं बंद रहेंगी। उन्होंने कहा कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या मानवता और नारीत्व के खिलाफ हमला है।

डॉ. नारायण राव ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार का कथित उदासीन रवैया और मेडिकल कॉलेज पर हमला घटना के आरोपियों को बचाने के उद्देश्य से किया गया है।

बीआरएस का भाजपा में विलय एक सफेद झूठ है : सांसद इटेला

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के भाजपा में विलय को एक सफेद झूठ बताते हुए भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने आज कहा कि भाजपा में ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्हें संदेह है कि क्या बीआरएस पार्टी के नेता अपनी पार्टी के भाजपा में विलय के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने आलोचना की कि तेलंगाना सरकार की फसल ऋण माफी योजना एक नाटक के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, इस सरकार ने पूर्ण ऋण माफी नहीं की है। सीएम ने लोगों और किसानों को धोखा दिया है। राज्य की राजधानी में अवैध संरचनाओं के चल रहे विध्वंस पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने उन्हें अवैध बताया और राज्य सरकार से पूछा कि उन्हें हाइड्रा परियोजना के नाम पर घरों को ध्वस्त करने का अधिकार किसने दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि एफटीएल के तहत आने वाली भूमि सरकारी भूमि नहीं थी और कहा कि वे किसानों की थी। उस समय निर्माण की अनुमति क्यों दी गई? किसी और निर्माण के लिए अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ओआरआर के भीतर क्षेत्रों को मिलाना सिर खुजलाने जैसा कुछ नहीं होना चाहिए। हमें हर चीज का अध्ययन करना होगा और निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें राज्य पार्टी अध्यक्ष के बदलाव के बारे में कोई जानकारी नहीं है और कहा कि पार्टी आलाकमान इसका ध्यान रखेगा। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि सीएम रेवंत रेड्डी उसी तरह बोल रहे हैं जैसे पूर्व मंत्री केटीआर ने राज्य के लिए निवेश के मुद्दे पर अतीत में बोला था।

नाम परिवर्तन

मैं, चिल्ला श्रावणी, सुपुत्री टाटाराव (आर्मी नं. 5758348~एफ, 2/8जीआर यूनिट) पूर्व मे चिल्ला सरवेनि नाम था(पुराना नाम), निवास स्थान: # 03~18, मुलाकुडु(विलेज), भीमीली (.मण्डल), विशाखापट्नम (जिला), ने अब मेरा नाम चिल्ला सरवेनी (पूराना नाम) से बदलकर चिल्ला श्रावणी (नया नाम) किया है। अत: अबसे मैं चिल्ला श्रावणी (नया नाम) से जानी जाउंगी तथा यह नया नाम सभी उद्धेश्यों के लिए उपयोग किया जावेगा।

बलात्कार की शिकार आदिवासी नाबालिग लड़की के परिवार से मिले डॉ. कल्याण नाइक

आरोपियों को कड़ी सजा दिलानेकी मांग

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में आदिवासी नाबालिग लड़की से बलात्कार का मामला प्रकाश में आने के के बाद तेलंगाना राज्य बीजेपी एसटी मोर्चा अध्यक्ष ने डॉ. कल्याण नाइक पीड़ित परिवार से मुलाकात की। भाजपा नेता ने कहा कि रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद मंडल के जुकल गांव के किसान जिनकी शादी को 27 साल हो चुके हैं, उनकी एक बेटी भी है। एर्रागुंटा तांडा की एक नाबालिग लड़की अपने दो अन्य रिश्तेदारों के साथ एक साल से कृष्णा रेड्डी के पास मजदूरी करने जा रही है। कृष्णा रेड्डी ने एक नाबालिग लड़की को प्यार के नाम पर उस स्थान पर लाया जहां वह काम करने जाती थी और उसे बहला-फुसला लिया। उसी दिन वह अपने पास काम करने गई नाबालिग लड़की को ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

नतीजा यह हुआ कि लड़की गर्भवती हो गई। जब लड़की ने यह बात मन्ने कृष्णा रेड्डी को बताई तो उसने पिछले छह महीने से लड़की के परिवार वालों को धमकाया और बिना किसी को बताए गर्भपात कराने की धमकी दी। साथ ही, कृष्णा रेड्डी से जुड़े तीन अन्य ने कोथुर के श्रीनिवास अस्पताल में डॉक्टर से जबरन बात की और कानून के खिलाफ गर्भपात कराया। इस संदर्भ में, लड़की की मां ने न्याय की गुहार लगाने के लिए मंगलवार को शमशाबाद ग्रामीण पुलिस से संपर्क किया। हालाँकि, पुलिस ने आदिवासियों के साथ हुए अन्याय को कम करके आंका और केवल नाममात्र मामले दर्ज किए।

भारतीय जनता पार्टी एसटी मोर्चा की ओर से, हम इस तथ्य की कड़ी निंदा करते हैं कि न तो सरकार के अधिकारियों और न ही आदिवासियों का बच्चा होने का दावा करने वाले मंत्री सीतक्का ने आरोपियों को न्याय दिलाने के लिए कोई प्रतिक्रिया दी है। तेलंगाना राज्य भाजपा एसटी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. कल्याण नाइक ने पीड़िता के गांव जाकर नाबालिग लड़की के पिता से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि एसटी मोर्चा हर तरह से उनका समर्थन करेगा। इसी तरह पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि नाबालिग लड़की से बलात्कार करने वाले कृष्णा रेड्डी को कठोर कारावास की सजा मिले और मामले की जांच फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाये और सरकार को हर तरह से पीड़िता का समर्थन करना चाहिए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.